हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

जबलपुर

रविवार 18 जनवरी 2026

haribhoomi.com

गैस पीड़ितों के साथ हर कदम पर खड़ी है सरकार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

- 40 साल पुराने रासायनिक कचरे का हुआ निष्पादन, यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री परिसर का होगा विकास
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री परिसर का निरीक्षण
- परिसर की वायु पूर्ण स्वच्छ, मुख्यमंत्री ने बिना मास्क पहने किया मुआयना
- यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री परिसर में बनाएंगे भोपाल गैस त्रासदी स्मारक

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 2 और 3 दिसम्बर 1984 की दरमियानी रात भोपाल में मिथाइल आइसोसायनाइट (एमआईसी) गैस का रिसाव एक भीषण दुर्घटना थी। घटना में बड़ी संख्या में लोग हताहत हुए। करीब 40 साल तक रासायनिक कचरा यहां पड़ा रहा। हमारी सरकार ने माननीय उच्च न्यायालय के मार्गदर्शन में बिना किसी पर्यावरण नुकसान और मानव हानि के यहां के रासायनिक कचरे का सफलतापूर्वक निष्पादन करवाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब हम समाज के सभी वर्गों एवं प्रभावित पक्षों को विश्वास में लेकर यूनियन कार्बाइड परिसर का विकास करेंगे और माननीय उच्च न्यायालय के मार्गदर्शन में अब स्वच्छ हो चुके इस परिसर में भोपाल गैस त्रासदी में दिवंगत व्यक्तियों की स्मृति में एक स्मारक' बनाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार सभी गैस पीड़ितों के साथ हर कदम पर खड़ी है। प्रभावितों के कल्याण में हम कोई कमी नहीं रखेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को भोपाल के आरिफ नगर स्थित यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री परिसर का गहनता से निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग के अधिकारियों से इस परिसर में स्मारक निर्माण के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय श्री आलोक कुमार सिंह, आयुक्त जनसम्पर्क श्री दीपक कुमार सक्सेना, संचालक गैस राहत श्री स्वतंत्र कुमार सिंह, निगमायुक्त श्रीमती संस्कृति जैन और गैस त्रासदी राहत विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब हमारी सरकार ने कोर्ट के सभी निर्देशों पर अमल करते हुए पिछले साल यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे का निष्पादन कराया। यह दुनिया के लिए एक संदेश भी है कि किस प्रकार आधुनिक वैज्ञानिक तरीकों से जहरीले कचरे को बिना पर्यावरण/मानव हानि के खत्म किया जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने राजधानी के माथे से इस कलंक का मिटाने का कार्य किया है। इसके लिए गैस राहत विभाग सहित सभी संबंधित प्रभावित पक्ष भी बधाई के पात्र हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शहरी विकास और सुशासन की व्यवस्थाएं स्थापित करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार, केंद्र सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही है। अब हमारी सरकार माननीय न्यायालय के मार्गदर्शन में परिसर में स्मारक बनाने सहित अन्य विकास कार्यों के लिए सुझावों पर अमल करेगी।

मुख्यमंत्री जी के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स - कृपया फॉलो करें

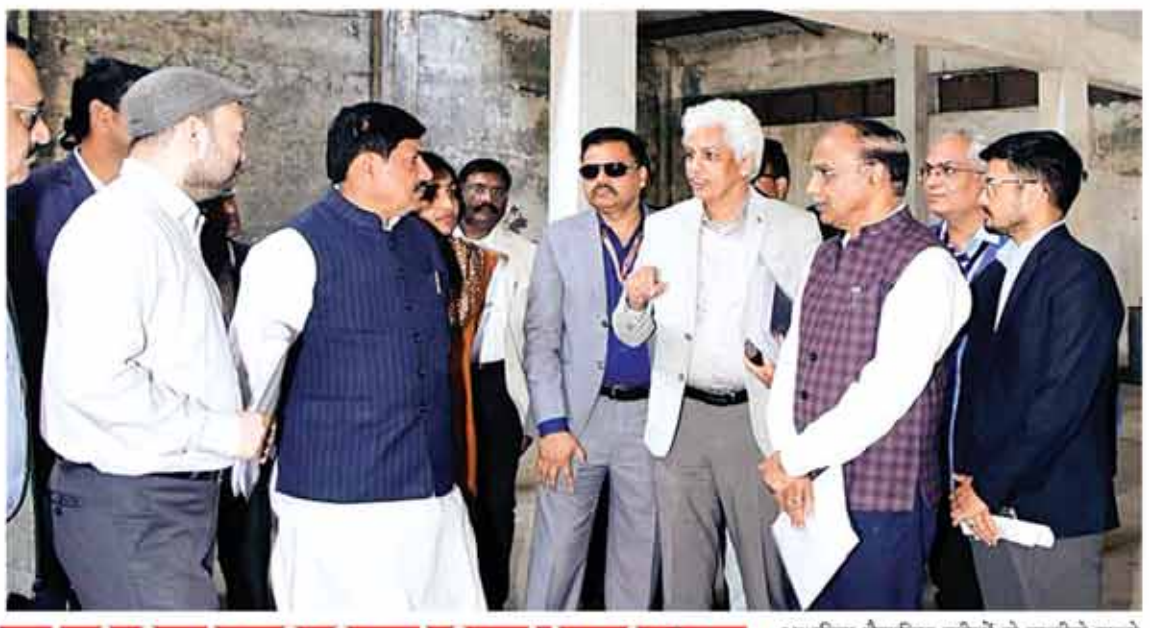

फैक्ट्री परिसर के समुचित विकास के लिए करेंगे जरूरी प्रबंध

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड फैक्ट्री परिसर में पड़े रासायनिक कचरे का माननीय उच्च न्यायालय के मार्गदर्शन में समुचित निष्पादन किया जा चुका है। अब हम भोपाल मेट्रोपोलिटन एरिया के निर्माण के साथ इस परिसर के भी समुचित विकास के लिए सभी जरूरी प्रबंध कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश के पहले ऐसे मुख्यमंत्री हैं, जो यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री परिसर में बिना किसी सेफ्टी मास्क के गए और फैक्ट्री के कोर एरिया का बारीकी से मुआयना किया।

निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया से चर्चा में कहा कि भोपाल स्थित यूनियन कार्बाइड कारखाने से जहरीली गैस का रिसाव मध्यप्रदेश की ही नहीं, देश की सबसे भीषण गैस त्रासदी थी। वर्ष 1984 में 2 और 3 दिसंबर की रात इस फैक्ट्री से गैस के दुष्प्रभाव के कारण भोपाल ने मौत का जो मंजर देखा, वह हमारी स्मृतियों से कभी हटेगा नहीं।

मुख्यमंत्री ने महिला के अनुरोध पर रूकवाया अपना काफिला....

यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री परिसर का सघन मुआयना करने के बाद लौटते वक्त मुख्यमंत्री डॉ. यादव को आरिफ नगर में पूजा कर रही एक महिला ने रोका। महिला के अनुरोध पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपना काफिला रूकवाया। मुख्यमंत्री से महिला ने अनुरोध किया कि भगवान भोलेनाथ को 2 अगरबत्ती लगा दीजिए। महिला ने अगरबत्ती जलाकर मुख्यमंत्री को दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मूर्ति पर महिला के आग्रह पर अगरबत्ती लगाकर भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया। उन्होंने यहां क्षेत्रीय महिलाओं से आत्मीयता से पूछा कि सब ठीक है, लाड़ली बहना के पैसे मिल रहे हैं ? इस पर लाड़ली बहनों ने कहा कि हाँ, उन्हें हर महीने 1500 रुपए मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने स्कूल जा रहे बच्चों से भी बातचीत की। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने

स्कूली बच्चों के साथ खुद सेल्फी लेकर उन सबको खुश कर दिया। आरिफ नगर में एक महिला श्रीमती मंजु बाई ने बताया कि उसके पति बीमार हैं। कुछ आर्थिक मदद कर दीजिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रीमती मंजु को दिलासा दी और एक अन्य महिला श्रीमती प्रभा बाई कुशवाहा सहित दोनों को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से 50-50 हजार रुपए मौके पर ही मंजूर कर दिये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नगर निगम कमिश्नर भोपाल श्रीमती संस्कृति जैन को इन दोनों महिलाओं के बैंक खाता नंबर नोट कर जल्द से जल्द बीमारी सहायता राशि उन्हें पहुंचाने के निर्देश दिए। नगर निगम कमिश्नर ने बताया कि तात्कालिक रूप से दोनों महिलाओं को 10-10 हजार रूपए शनिवार को ही दे दिए जाएंगे। शेष राशि भी जल्द ही उनके बैंक खातों में पहुंचा दी जाएगी।

भोपाल गैस त्रासदी

कब क्या हुआ

3 दिसंबर 1984

यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) के भोपाल स्थित कीटनाशक कारखाने से मिथाइल आइसोसाइनेट गैस का रिसाव हुआ। लगभग 8 लाख लोग इस गैस के संपर्क में आए। अनुमानों के अनुसार 15,000 लोगों की मृत्यु हुई। अन्य कई लोगों पर गैस के दुष्प्रभाव आनुवंशिक (जेनेटिक) रूप से पड़े।

4 दिसंबर 1984

यूनियन कार्बाइड के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। कंपनी के चेयरमैन वॉरेन एंडरसन को गिरफ्तार किया गया, लेकिन बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया और विदेश भागने में मदद की गई ।

6 दिसंबर 1984

मामले को सीबीआई को सौंप दिया गया।

1985

भारत सरकार ने एक अमेरिकी अदालत में यूनियन कार्बाइड से 3.3 अरब डॉलर के हर्जाने का दावा किया।

1 दिसंबर 1987

जांच के बाद सीबीआई ने चार्जशीट दाखिल की। आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 304 भाग (II) (गैर-इरादतन हत्या, जो हत्या की श्रेणी में नहीं आती),धारा 326 (खतरनाक हथियारों या साधनों से गंभीर चोट पहुंचाना)और अन्य संबंधित धाराओं के तहत आरोप तय किए गए।

1989

भारत सरकार और यूनियन कार्बाइड के बीच अदालत के बाहर समझौता हुआ। यूनियन कार्बाइड ने 470 मिलियन डॉलर का भुगतान किया।

1992

470 मिलियन डॉलर की राशि का एक हिस्सा पीड़ितों में वितरित किया गया। वॉरेन एंडरसन को अदालत के समन की अनदेखी करने के कारण भगोड़ा घोषित किया गया।

13 सितंबर 1996

आरोपियों द्वारा सर्वोच्च न्यायालय का रुख करने के बाद, अदालत ने आरोपों में संशोधन किया और उन्हें धारा 304 (ए) (लापरवाही से मृत्यु कारित करना),धारा 336 (ऐसे कार्य जो दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालें),धारा 337 (लापरवाही से चोट पहुंचाना) और अन्य धाराओं के अंतर्गत कर दिया गया।

2001

यूनियन कार्बाइड ने अपनी पूर्व भारतीय इकाई की कानूनी जिम्मेदारियों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

2004

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को आदेश दिया कि यूनियन कार्बाइड द्वारा दिए गए 470 मिलियन डॉलर की शेष राशि भी पीड़ितों को मुआवजे के रूप में वितरित की जाए। माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर में रासायनिक पदार्थों के विनिष्टीकरण की मांग की गयी।

वर्ष-2005

385.6 मीट्रीक टन रासासयनिक पदार्थों को संग्रहित कर एक सुरक्षित शेड में रखा गया।

वर्ष-2008

विनिष्टीकरण की कार्यवाही 06 सप्ताह में किये जाने के निर्देश प्रसारित किये गये। लाईम स्लज 39.6 मीट्रीक टन को सीपीसीबी का गाईडलाईन अनुसार सफलतापूर्वक लैंडफिल किया गया।

7 जून 2010

मामले में सभी आठ आरोपियों को दोषी ठहराया गया परंतु सभी आठ दोषियों को जमानत दे दी गई।

प्रारंभ हुई ठोस कार्रवाई

वर्ष 2015 : भारत सरकार द्वारा विनिष्टीकरण की कार्यवाही हेतु 310 करोड का प्रावधान किया गया। जून 2015 में 10 मीट्रीक टन का ट्रॉयल रन सफलतापूर्वक किया गया।

वर्ष-2021: शेष बचे 337 मीट्रीक टन पदार्थों के विनिष्टिकरण हेतु निविदा आमंत्रित की गयी।

वर्ष-2024: भारत सरकार द्वारा विनिष्टीकरण हेतु राशि रू 126.00 करोड उपलब्ध कराई गयी।

वर्ष 2025 में हुआ कचरे का निष्पादन

02 जनवरी 2025 : मेसर्स पीथमपुर द्वारा कुल 368 मीट्रीक टन रासायनिक पदार्थों को एकत्रित कर पीथमपुर ले जाकर परिवहन किया गया।

दिनांक 03.07.2025 तक मेसर्स पीथमपुर द्वारा अपशिष्ट पदार्थों को जलाये जाने की कार्यवाही पूर्ण कर ली गयी । मेसर्स पीथमपुर द्वारा म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं केन्द्रीय नियत्रण बोर्ड की निगरानी में पर्यावरण मानको के अनुरूप जलाये गये अपशिष्ट पदार्थ से उत्पन्न भस्मक (राख) को लैंड फिल कर दिया गया है।

D-16150/25

समस्या का स्थायी समाधान और सुरक्षित भविष्य

भोपाल गैस त्रासदी के 40 वर्ष बाद मुख्ययमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यह सिद्ध कर दिया है कि गैस त्रासदी अब केवल स्मरण या श्रद्धांजलि तक सीमित नहीं है, बल्कि जिम्मेदारी तय करने, स्थायी समाधान खोजने और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने से जुड़ा हुआ मामला है। इस संदर्भ में प्रमुख बिंदु इस प्रकार हैं-

जहरीले कचरे का निपटान: जिम्मेदारी का निर्वहन

सरकार ने बंद पड़ी यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री परिसर में पड़े लगभग 337 टन जहरीले कचरे को हटाने और वैज्ञानिक तरीके से नष्ट कर निष्पादित करने का कार्य किया है। यह कचरा सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और केंद्रीय व राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की निगरानी में पीथमपुर में सुरक्षित इंसीनरेशन द्वारा नष्ट किया गया। इसके लिए ग्रीन कॉरिडोर, सीलबंद कंटेनर तकनीकों का उपयोग किया गया ताकि पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य को कोई नुकसान न पहुंचे।

पर्यावरण और भूजल संरक्षण पर फोकस

सरकार द्वारा कचरे के निष्पादन के बाद अब भूमिगत प्रदूषण का वैज्ञानिक आकलन, दूषित मिट्टी और जल के शोधन , और पर्यावरण निगरानी पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

पीड़ितों के स्वास्थ्य और पुनर्वास पर जोर

गैस त्रासदी से प्रभावित लोगों के लिए विशेष अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों को मजबूत करने, बीमारियों की निगरानी और पड़ने वाले प्रभावों पर शोध किया जा रहा है। विधवाओं, दिव्यांगों और गंभीर रूप से प्रभावित परिवारों को पेंशन, मुआवजा और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ा गया है।

कानूनी और नैतिक जिम्मेदारी

भोपाल गैस त्रासदी केवल एक औद्योगिक दुर्घटना नहीं थी, बल्कि कॉरपोरेट लापरवाही और विफलता का परिणाम थी।

स्मारक, शिक्षा और "दोबारा ऐसा न हो" का संकल्प

त्रासदी में जान गंवाने वालों की स्मृति में स्मारक और संग्रहालय की योजनाएं आगे बढ़ाई जा रही हैं। बल्कि औद्योगिक सुरक्षा, पर्यावरणीय जिम्मेदारी और आपदा प्रबंधन के लिए एक चेतावनी और सीख के रूप में विकसित की जाएगी।

जहरीला कचरा हटाया गया-ऐतिहासिक निर्णय

भोपाल गैस त्रासदी के लगभग 40 वर्षों बाद, मध्य प्रदेश सरकार ने बंद पड़ी यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री परिसर में जमा जहरीले कचरे को हटाने का ऐतिहासिक प्रक्रिया शुरू कर इसे अंजाम तक पहुँचाया।

क्या कचरा था ?

यह कचरा कीटनाशक निर्माण के दौरान बचा हुआ रासायनिक अपशिष्ट, दूषित मिट्टी और रसायनों के अवशेषों से बना था। इसमें मिथाइल आइसोसाइनेट (MIC) से जुड़े पदार्थ भी शामिल थे, जो वर्षों तक खुले में पड़े रहने से मिट्टी और भूजल को प्रदूषित कर रहे थे। कुल मात्रा लगभग 337 टन थी, जो 1984 के बाद से फैक्ट्री परिसर में ही पड़ी हुई थी।

कैसे हटाया गया ?

कचरे को सुरक्षित रूप से पैक कर सीलबंद कंटेनरों में रखा गया। इसे भोपाल से धार जिले के पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र तक ले जाने के लिए विशेष ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। परिवहन के दौरान कड़ी सुरक्षा, तकनीकी निगरानी और आपदा प्रबंधन दल तैनात रहे।

निपटान की प्रक्रिया

कचरे का निपटान वैज्ञानिक इंसीनरेशन (उच्च तापमान पर जलाने) की प्रक्रिया से किया जा रहा है। इंसीनरेटर से निकलने वाली गैस को चार-स्तरीय फिल्टर सिस्टम से गुजारा जाता है, ताकि हवा प्रदूषित न हो। जलने के बाद बची राख (अवशेष) की जांच की जाती है और सुरक्षित पाए जाने पर उसे दो-स्तरीय मेम्ब्रेन से ढककर विशेष लैंडफिल में दबाया जाता है।

निगरानी और कानूनी आधार

यह पूरी प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत हो रही है। केंद्रीय और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, तथा राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक संस्थानों की निगरानी और तकनीकी सलाह इसमें शामिल है।

क्यों है यह कदम महत्वपूर्ण ?

इससे भोपाल में वर्षों से चले आ रहे पर्यावरणीय खतरे में कमी आएगी। यह पीड़ितों और स्थानीय नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में अहम कदम है। साथ ही, यह संदेश देता है कि सरकार अब त्रासदी को केवल स्मृति नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और समाधान के रूप में देख रही है।

माननीय मुख्यमंत्री जी का यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री का निरीक्षण और मीडिया चाइट

गैस पीड़ितों को प्रदान की जाने वाली सुविधाएं

भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग द्वारा गैस पीड़ित परिवारों को सामाजिक पुनर्वास कार्यक्रम अंतर्गत विभिन्न प्रकार की राहत एवं सुविधाएं प्रदान की जा रही है।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन

गैस पीड़ितों विधवाओं (कल्याणी) महिलाओं को राज्य शासन द्वारा सामाजिक सुरक्षा पेंशन कार्यक्रम अंतर्गत मिलने वाली सामाजिक सुरक्षा पेंशन के अतिरिक्त गैस राहत विभाग द्वारा राशि रूपये 1000/- प्रतिमाह अतिरिक्त पेंशन के रूप में भुगतान की जा रही है। वर्तमान में 4334 गैस पीड़ित विधवाओं (कल्याणियों) को पेंशन प्रदान की जा रही है।

गैस पीड़ित क्षेत्रों मे पर्यावरणीय पुनर्वास

भारत सरकार, पर्यावरण एवं वन जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली की ओर से केन्द्रीय प्रदूषण निवारण मण्डल नई दिल्ली द्वारा 10 मीट्रिक टन यूसीआईएल वेस्ट का ट्रायल रन माह अगस्त-2015 में सफलापूर्वक पीथमपुर जिला-धार स्थित टीएसडीएफ (मध्यप्रदेश वेस्ट मैनेजमेंट रामकि एनवायरो इंजिनियर्स प्राईवेट लिमिटेड) में मध्यप्रदेश प्रदूषण निवारण मण्डल भोपाल के तकनीकी अधिकारियों तथा केन्द्रीय प्रदूषण निवारण मण्डल के अधिकारियो की निगरानी में राज्य शासन के सहयोग से इंनसीनरेट कर विनिष्टीकरण किया गया।

यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री परिसर, भोपाल स्थित 337 मीट्रीक टन अपशिष्ट पदार्थो के विनिष्टीकरण हेतु निविदा की प्रक्रिया पूर्ण कर सफल निविदाकार मेसर्स पीथमपुर इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के साथ अनुबंध निष्पादित किया गया। मेसर्स पीथमपुर इंडिस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट प्रायवेट लिमिटेड, पीथमपुर, जिला-धार द्वारा संचालक दिनांक 2 जनवरी 2025 तक पैकिंग, लॉडिग एवं परिवहन की कार्यवाही कर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। मेसर्स पीथमपुर इंडिस्ट्रीयल वेस्ट मेनेजमेंट प्रायवेट लिमिटेड, पीथमपुर जिला-धार द्वारा केन्द्रीय प्रदूषण

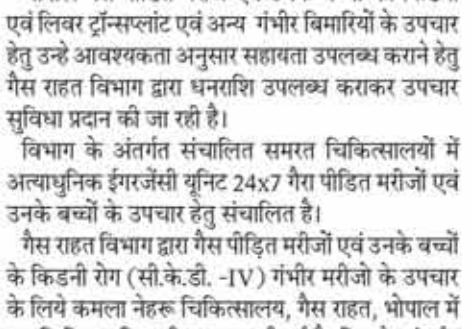

नियंत्रण बोर्ड, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की निगरानी में दिनांक 03/07/2025 को अपषिष्ट पदार्थों को जलाये जाने की कार्यवाही पूर्ण की गयी।

गैस पीड़ितों के स्वास्थ्य का पूरा ध्यान

राज्य सरकार द्वारा भोपाल गैस पीड़ितों और उनके बच्चों को आयुष्मान निरामयम मध्य प्रदेश योजना का लाभ देने का निर्णय लिया है, जिसके अंतर्गत भोपाल के गैस पीडितो एवं उनके बच्चों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं, अभी तक लगभग 33180 भोपाल के गैस पीडितो एवं उनके बच्चों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं और यह एक सतत क्रिया है। भोपाल गैस पीड़ित मरीजों एवं उनके बच्चों को भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग अंतर्गत संचालित 06 चिकित्सालयों एवं 09 औषधालयों सगस्त चिकित्सकीय सुविधाएँ निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती है इसके साथ-साथ प्रदेश में आयुष्मान भारत रनिरामयमर मध्यप्रदेश योजना अंतर्गत अनुबंधित प्रदेश के समस्त चिकित्सालयों में चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

भोपाल गैस पीड़ित मरीज एवं उनके बच्चों को कैंसर उपचार हेतु गैस राहत विभाग द्वारा अनुबंधित 03 निजी चिकित्सालय एवं एम्स, भोपाल के साथ अनुबंध किया जाकर उनको निःशुल्क कैंसर उपचार की सुविधा।

भोपाल गैस पीडित मरीज एवं उनके बच्चों को किडनी एवं लिवर ट्रॉन्सप्लांट एवं अन्य गंभीर बिमारियों के उपचार हेतु उन्हे आवश्यकता अनुसार सहायता उपलब्ध कराने हेतु गैस राहत विभाग द्वारा धनराशि उपलब्ध कराकर उपचार सुविधा प्रदान की जा रही है।

विभाग के अंतर्गत संचालित समरत चिकित्सालयों में अत्याधुनिक ईगरजेंसी यूनिट 24x7 गैरा पीडित मरीजों एवं उनके बच्चों के उपचार हेतु संचालित है।

गैस राहत विभाग द्वारा गैस पीड़ित मरीजों एवं उनके बच्चों के किडनी रोग (सी.के.डी. -IV) गंभीर मरीजो के उपचार के लिये कमला नेहरू चिकित्सालय, गैस राहत, भोपाल में डायलिसिस यूनिट की स्थापना की गई है, जिसके अंतर्गत 13 डायलिसिस मशीनों को स्थापित कर निःशुल्क उपचार सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

बीएमसी में मेयर चुनाव से पहले 'रिजॉर्ट पॉलिटिक्स' शुरू

कैबिनेट मीटिंग से गायब रहे राज्य के दोनों उपमुख्यमंत्री

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र में सभी 29 महानगरपालिका के चुनाव संपन्न हो गए हैं। बीएमसी में अभी भी मेयर नहीं चुना जा सका है। अब मेयर का चुनाव होने से पहले ही मुंबई में होटल पॉलिटिक्स शुरू हो गई है। महाराष्ट्र सरकार की कैबिनेट बैठक में दोनों उपमुख्यमंत्री नहीं पहुंचे, जिसके बाद सियासी चर्चाएं और तेज हो गई हैं। चुनाव से पहले ही अजित पवार ने अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया था। कैबिनेट बैठक से पहले शिवसेना की ओर से कहा गया है कि एकनाथ शिंदे बीमार हैं। मेयर के लिए 114 का जादुई आंकड़ा पार करना जरूरी है। भाजपा को यहां 89 वार्डों में जीत हासिल हुई है। शिवसेना (यूबीटी) 65 वार्डों में जीती है। शिवसेना (शिंदे) 29, कांग्रेस 24 , एआईएमआईएम 8, मनसे 6 औरएनसीपी 3 वार्डों में जीती है। भाजपा को मेयर पद के लिए शिवसेना का सहयोग जरूरी है।

शिवसेना के नगर सेवकों को होटल जाने के आदेश

बांद्रा स्थित ताज लैंड्स एंड होटल

मेयर चुनाव से पहले शिवसेना के सभी नगरसेवकों को दोपहर 3 बजे बांद्रा स्थित ताज लैंड्स एंड होटल पहुंचने के आदेश दिए गए हैं। एकनाथ शिंदे की शिवसेना के सभी निर्वाचित नगरसेवकों को बांद्रा के ताज लैंड्स एंड होटल में ले जाया जाएगा। शिवसेना ऐसा इसलिए कर रही है कि उसके नगर सेवकों को खरीदा या तोड़ा न जा सके।

अजित ने बदले सुर दी बधाई

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने भाजपा को जीत की बधाई दी। पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ ननिचुनावों में भाजपा ने अजित की एनसीपी और एनसीपी (एसपी) गठबंधन को हरा दिया है। शनिवार को मीडिया से बात करते हुए पवार के सुर बदले हुए थे।

महाराष्ट्र की राजनीति के जयचंद हैं उद्धव निरुपम बोले

शिवसेना नेता संजय निरुपम ने चुनाव में शिवसेना (यूबीटी) की हार पर तंज कसा है। उन्होंने कहा, 'महाराष्ट्र की राजनीति का अगर कोई जयचंद है तो वह यूबीटी के प्रमुख उद्धव ठाकरे हैं। उन्होंने 2019 में भाजपा के साथ चुनाव लड़कर जिस तरीके से शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे के हिंदुत्व की विचारधारा के गद्दारी की।

हार के बाद ठाकरे बंधु बोले

महाराष्ट्र-मराठी पहचान के लिए संघर्ष खत्म नहीं

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने बीएमसी चुनाव के बाद मराठी समाज और मराठी पहचान के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। उन्होंने कहा कि चाहे चुनाव में उम्मीद के मुताबिक सफलता न मिले, उनका संघर्ष मराठी भाषा, मराठी लोगों और समृद्ध महाराष्ट्र के लिए हमेशा जारी रहेगा। हमारे कार्यकर्ताओं ने बेहतरीन संघर्ष किया।

शिवसेना को बताया शाह-सेना

'सामना' ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनकी शिवसेना पर करारा हमला बोला है। संपादकीय में शिंदे गुट को शाह-सेना करार देते हुए उस पर अवसरवाद और विचारधारा विहीन राजनीति करने का आरोप लगाया गया है। अब महापौर बनना सपना है।

मराठी भाषा के लिए लड़ेंगे

राज ने कहा हमारा संघर्ष मराठी लोगों, मराठी भाषा, मराठी पहचान और समृद्ध महाराष्ट्र के लिए है। यह संघर्ष ही हमारी असल पहचान है। जो भी गलत हुआ, जो अधूरा रह गया, उसे मिलकर हम सुधारेंगे और आगे की रणनीति बनाएंगे।

किसी के साथ नहीं लोगों की आवाज बनेंगे: ओवैसी

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने प्रदर्शन पर खु शी जाहिर की है। 13 नगर निगमों में 125 पार्षदों की जीत को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी का भाजपा या विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के साथ जाने का कोई इरादा नहीं है।

खबर संक्षेप

पीएम ने एमजीआर को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री और प्रसिद्ध अभिनेता एम.जी. रामचंद्रन (एमजीआर) की जयंती पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की है और उनके द्वारा समाज के लिए किए गए कार्यों को भी याद किया है।पीएम मोदी ने एमजीआर के जीवन पर आधारित वीडियो पोस्ट कर तमिलनाडु की प्रगति में उनके अमूल्य योगदान को याद किया।

भारती को झटका लगा भाजपा विधायक की जीत

नई दिल्ली। मालवीय नगर सीट पर फरवरी 2025 में हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा के सतीश उपाध्याय ने आप के सोमनाथ भारती को हराया था। उपाध्याय ने 39,564 मत हासिल कर जीत दर्ज की थी, जबकि भारती निकटतम प्रतिद्वंद्वी थे। भारती ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। 'भ्रष्ट आचरण' का आरोप लगाया था।

टाइम पर डिलीवर नहीं तो लगा 40 हजार जुर्माना

अल्मोड़ा। जिला उपभोक्ता आयोग ने ऑनलाइन खरीद के एक मामले में अहम फैसला सुनाया है। आयोग ने मीशो और रविंद्र इंडस्ट्रीज को 313रुपए के जूते समय पर डिलीवर न करने और नोटिसों की अनदेखी करने के लिए अनुचित व्यापार व्यवहार का दोषी पाया। कंपनी को अर्थदंड समेत कुल मिलाकर लगभग 40,000 का जुर्माना लगाया।

फरीदाबाद के होटल में मैनेजर समेत 8 पर केस

फरीदाबाद। गणतंत्र दिवस के मद्देनजर फरीदाबाद के एनआईटी तीन स्थित होटल पैराडाइज में पुलिस ने रूटीन चेकिंग की। होटल में बिना अनुमति शराब परोसी जा रही थी और देर रात तेज संगीत पर डांस पार्टी चल रही थी। पुलिस के पहुंचते ही भगदड़ मच गई। पुलिस ने मैनेजर सहित आठ लोगों को पकड़ा और उनके खिलाफ मामला दर्ज किया।

चर्चित कथावाचक श्रवण दास गिरफ्तार

दरभंगा। धर्म और आस्था की आड़ में महिलाओं की अस्मत से खिलवाड़ करने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। चर्चित कथावाचक श्रवण दास जी महाराज को महिला थाना की पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। महाराज पर महिला के साथ शादी का झांसा देकर एक साल तक यौन शोषण करने और फिर जबरन गर्भपात कराने का आरोप लगा है।

मालदा की रैली में तृणमूल कांग्रेस पर बरसे प्रधानमंत्री मोदी

भाजपा सरकार बनते ही होगी 'बाहरियों' पर कार्रवाई

यहां घुसपैठिए लोगों का हक छीन रहे निर्दयी-भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंकें

ममता सरकार केंद्र की योजनाओं से लोगों को कर रही वंचित

एजेंसी ▶▶ मालदा

पश्चिम बंगाल के मालदा में रैली में प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्र सरकार की योजनाओं, भाजपा के विस्तार और तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखे हमलों के साथ बड़ा राजनीतिक संदेश दिया। पीएम मोदी ने कहा कि वह चाहते हैं कि बंगाल के हर गरीब परिवार के पास पक्का घर हो, हर जरूरतमंद को मुफ्त राशन मिले और केंद्र सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का पूरा लाभ गरीबों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से बंगाल में ऐसा नहीं हो पा रहा है। उन्होंने घुसपैठ के मुद्दे को उठाते हुए टीएमसी सरकार पर बड़ा हमला बोला। रैली में उन्होंने कहा कि आप सभी लोगों का हक घुसपैठिए छीन रहे हैं। भाजपा सरकार बनते ही सभी घुसपैठिओं पर कार्रवाई करेंगे और बंगाल के लोगों का हक और उनके अधिकार सुरक्षित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की टीएमसी सरकार बेहद असंवेदनशील और निर्दयी रवैया अपना रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार गरीबों के लिए जो पैसा भेजती है, उसे टीएमसी के नेता लूट लेते हैं। पीएम मोदी ने साफ कहा कि गरीबों के हक का पैसा गरीबों तक नहीं पहुंच रहा है।

- केंद्र का पैसा टीएमसी के नेता लूट रहे

लोगों का विकास और सुशासन की राजनीति में विश्वास

पीएम मोदी ने कहा कि जिन इलाकों में वर्षों तक भाजपा के खिलाफ झूठ फैलाया गया और अफवाहें उड़ाई गईं, वहां भी अब मतदाता भाजपा को आशीर्वाद दे रहे हैं। उन्होंने पूरे भरोसे के साथ कहा कि इस बार बंगाल की जनता भाजपा को विजयी बनाएगी। पीएम मोदी ने कहा कि देश का माहौल बदल चुका है और लोग विकास और सुशासन की राजनीति को प्राथमिकता दे रहे हैं।

मालदा जिले में सभा में प्रधानमंत्री को सम्मानित किया गया।

भाजपा विकसित राष्ट्र के लक्ष्य पर काम कर रही

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य पर काम कर रहा है और इसके लिए पूर्वी भारत का विकास बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि दशकों तक पूर्वी भारत को नफरत की राजनीति ने जकड़ कर रखा, जिससे विकास रुक गया। पीएम ने दावा किया कि भाजपा ने पूर्वी राज्यों को इस राजनीति के चंगुल से बाहर निकाला है।

हक छीनने वाली सरकार हटाएं

पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल देश का इकलौता राज्य है, जहां आयुष्मान भारत योजना लागू नहीं हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी सरकार जान-बूझकर बंगाल के लोगों को इस योजना का लाभ नहीं लेने दे रही। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से देश के लाखों परिवारों का बिजली बिल जीरो हो गया है, लेकिन बंगाल में यह योजना बंद है। पीएम ने जनता से अपील की ऐसी निर्दयी सरकार को विदा करें।

टीएम सरकार भ्रष्टाचार में डूबी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं चाहता हूं कि बंगाल के हर बेघर के पास अपना पक्का घर हो, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा। यहां की टीएमसी सरकार बहुत ही निर्दयी है। केंद्र सरकार गरीबों के लिए जो पैसा भेजती है उसे यहां टीएमसी के लोग लूट लेते हैं। टीएमसी के लोग बंगाल के गरीबों के दुश्मन हैं, उन्हें आपकी तकलीफों की चिंता नहीं है, वे अपनी तिजोरी भरने में जुटे हैं। ऐसी निर्मम सरकार को बंगाल से उखाड़ फेंकिए।

बंगाल की प्रगति को और तेज करने का अभियान शुरू

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज से बंगाल की प्रगति को और तेज करने का अभियान शुरू हो गया है। पीएम मोदी ने बताया कि इन परियोजनाओं से न केवल लोगों की यात्राएं आसान होंगी, बल्कि व्यापार और कारोबार को भी बड़ा फायदा मिलेगा।

बाढ़ पीड़ितों को नहीं मिलता उनका हक

पीएम मोदी ने मालदा की बाढ़ राहत से जुड़ी कैग रिपोर्ट का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि टीएमसी के चहेतों के खातों में 40-40 बार बाढ़ राहत का पैसा भेजा गया, जबकि जो इसके हकदार थे उन्हें कुछ नहीं मिला। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भाजपा की सरकार बनते ही टीएमसी के ऐसे सभी काले कारनामों पर रोक लगेगी।

'अब बंगाल की बारी है'

पीएम मोदी ने कहा कि हाल ही में बिहार में भाजपा -एनडीए की सरकार बनी है, जिससे बंगाल की हर दिशा में सुशासन वाली सरकारें हैं। उन्होंने कहा कि 'अब बंगाल की बारी है'।

भाजपा अध्यक्ष चुनाव की प्रक्रिया

तीन सेटों में फॉर्म भरेंगे नितिन नबीन, इनका चुना जाना तय

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी में शीर्ष संगठनात्मक पद को लेकर हलचल तेज हो गई है। भाजपा ने अपने अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की औपचारिक प्रक्रिया शुरू कर दी है।

- पीएम बनेंगे प्रस्तावक

यह चुनाव पार्टी के देशव्यापी संगठनात्मक अभियान 'संगठन पर्व-2024' के तहत कराया जा रहा है। राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी डॉ. के.लक्ष्मण ने पूरे चुनाव कार्यक्रम को अधिसूचित कर दिया। 19 जनवरी को अध्यक्ष के चुनाव के लिए नामांकन होगा और 20 को नए अध्यक्ष की घोषणा की जाएगी। संभावना है कि नितिन नबीन को ही भाजपा का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाएगा, वे अकेले ही भाजपा अध्यक्ष के लिए नामांकन कर सकते हैं।

ये हैं पार्टी के नियम

- उम्मीदवार को कम से कम 15 साल का सक्रिय सदस्य होना जरूरी है
- संगठन में चार कार्यकाल पूरे किए हों।
- नामांकन के लिए इलेक्टोरल कॉलेज के कम से कम 20 सदस्यों का प्रस्ताव जरूरी है
- ये प्रस्ताव कम से कम 5 राज्यों से आने चाहिए, जहां चुनाव पूरे हो चुके हों।

संभावित उम्मीदवार और प्रस्तावक

- भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन तीन अलग-अलग सेट में नामांकन दाखिल कर सकते हैं।
- एक सेट में प्रधानमंत्री , गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और जेपी नड्डा प्रस्तावक हो सकते हैं।
- दूसरे सेट में 20 से ज्यादा निर्वाचित भाजपा प्रदेश अध्यक्षों का समर्थन हो सकता है।

चुनाव पारदर्शी प्रक्रिया से होगा

भाजपा के संविधान के मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव एक तय और पारदर्शी प्रक्रिया से होता है। इसमें इलेक्टोरल कॉलेज की घोषणा, नामांकन, जांच, नाम वापसी और जरूरत पड़ने पर मतदान शामिल होता है। इस बार यह प्रक्रिया 16 जनवरी 2026 से औपचारिक रूप से शुरू हो चुकी है।

इलेक्टोरल कॉलेज की घोषणा

16 जनवरी को भाजपा ने इलेक्टोरल कॉलेज की सूची जारी की। पार्टी संविधान के मुताबिक इसमें राष्ट्रीय परिषद के सदस्य और राज्यों की परिषदों से चुने गए प्रतिनिधि शामिल होते हैं। यही इलेक्टोरल कॉलेज भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में वोट डालने का अधिकार रखता है।

बंगाल के मुर्शिदाबाद में एक बार फिर तनाव भड़का

प्रदर्शनकारियों ने बेलडांगा में एनएच-12 व रेलवे ट्रैक को बाधित किया, 30 गिरफ्तार

पुलिस ने कुछ स्थानों पर लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर किया

एजेंसी ▶▶ मुर्शिदाबाद

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में शनिवार को फिर तनाव भड़क उठा, प्रदर्शनकारियों ने बेलडांगा इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग-12 और रेलवे ट्रैक को जाम कर दिया। यह विरोध एक दिन पहले हुई हिंसक घटनाओं के बाद हुआ है। कई हिस्सों में सड़क और रेल संपर्क घंटों ठप रहा। बरुआ मोड़ पर सैकड़ों लोग एकत्र हुए और हाइवेपर बैठ गए। पुलिस ने 30 लोगों को गिरफ्तार किया है।

कबाड़ी की मौत बनी वजह

शुक्रवार से बेलडांगा में हालात तनावपूर्ण हैं। 36 वर्षीय प्रवासी मजदूर अलाउद्दीन शेख का शव झारखंड में उसके किराए के कमरे से बरामद हुआ था, जहां वह कबाड़ का काम करता था।

एक और प्रवासी मजदूर के साथ मारपीट का आरोप

शनिवार को तनाव की वजह यह आरोप बना कि इलाके के एक और प्रवासी मजदूर अनीसुर शेख के साथ बिहार में बेरहमी से मारपीट की गई है। इससे लोगों का गुस्सा फिर भड़क उठा। पुलिस ने बल तैनात किया। विधायक हुमायूं कबीर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों व अधिकारियों से बात कर स्थिति को संभालने की कोशिश की थी।

फॉर्च्यूनर डिवाइडर से टकराई, 5 की मौत

बठिंडा। पंजाब के बठिंडा में गुरथरी गांव के पास एक फॉर्च्यूनर कार डिवाइडर से टकरा गई, जिससे भीषण हादसा हुआ। इसमें पांच लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक महिला पुलिस कांस्टेबल भी शामिल है। सभी गुजरात के रहने वाले थे और घूमने आए थे। सुबह के कोहरे को हादसे की वजह बताया जा रहा है। पुलिस ने शवों को बठिंडा सरकारी अस्पताल में भेजा है।

'माघ मेले' में उमड़े श्रद्धालु

प्रयागराज। शनिवार को प्रयागराज में चल रहे 'माघ मेला' उत्सव के दौरान लोग 'मौनी अमावस्या' से पहले संगम में पवित्र डुबकी लगाते लोग। इस दौरान लोगों की भारी भीड़ रही।

कैथवलिया में विराट रामायण मंदिर परिसर में उमड़ी भीड़

विश्व के सबसे बड़े शिवलिंग पर हेलिकॉप्टर से बरसे फूल

एजेंसी ▶▶ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिले के मोतिहारी स्थित कैथवलिया में निर्माणाधीन विराट रामायण मंदिर परिसर में विश्व के सबसे बड़े शिवलिंग की स्थापना को लेकर पीठ पूजन का कार्य हुआ। इस दौरान परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी श्रद्धालु हर-हर महादेव और जय श्री राम का नारा लगा रहे हैं। शिवलिंग पर हेलिकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई। इस ऐतिहासिक अनुष्ठान में महावीर मंदिर न्यास के सचिव शायन कुणाल और उनकी पत्नी, सांसद शांभवी चौधरी, जजमान की भूमिका निभाई। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सीएम नीतीश कुमार, डिप्टी सीएम विजय सिन्हा के साथ पहुंच चुके हैं।

खास बातें

- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी पहुंचे
- हर-हर महादेव, जय श्री राम की रही गूंज
- महावीर मंदिर न्यास के सचिव व सांसद बने जजमान

लोगों की भीड़

मंगल गीतों से गूंज उठा परिसर

पीठ पूजन को लेकर मंदिर परिसर और आसपास का इलाका भक्तिमय माहौल में डूबा रहा। हजारों श्रद्धालु कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। महिलाएं मंगल गीत गा रही थीं। वहीं हर कोई इस दुर्लभ और ऐतिहासिक क्षण का गवाह बनकर पुण्य का भागी बनने की कामना करत रहा।

मोतिहारी से आने वाले श्रद्धालुओं को मार्ग बदला

मोतिहारी से पिपराकोठी–कोटवा–भोपतपुर होते हुए राजपुर के रास्ते कैथवलिया मंदिर पहुंचा जा सकता है। इस मार्ग की दूरी लगभग 40 किलोमीटर है।

पुलिस ने किए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम

जाम की स्थिति से बचने और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए व्यापक इंतजाम किए थे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर क्षेत्र और मुख्य मार्गों पर सात प्रमुख ड्रॉप गेट बनाए गए। साथ ही विभिन्न स्थानों पर बैरिकेडिंग की गई। कार्यक्रम स्थल तक सुचारु आवागमन सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक प्वाइंट पर ट्रैफिक पुलिस और प्रशासनिक टीमों की तैनाती रही। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि वे यातायात नियमों का पालन करें।

हरियाणा पुलिस की डिजिटल स्ट्राइक

1,018 आपत्तिजनक लिंक रिपोर्ट 583 हटाए और 435 रडार पर

एजेंसी ▶▶ चंडीगढ़

हरियाणा पुलिस ने सोशल मीडिया पर बढ़ती अवैध और आपत्तिजनक गतिविधियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए एक बड़ा डिजिटल अभियान शुरू किया है।

यह पहल इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से की जा रही है। सोशल मीडिया पर अक्सर आपत्तिजनक, राष्ट्र-विरोधी, धर्म-विरोधी और भ्रामक कंटेंट पोस्ट किया जा रहा था, जिससे तनाव और भ्रम फैल रहा था, इसलिए एक समन्वित कार्रवाई जरूरी हो गई थी। इसी उद्देश्य से साइबर हरियाणा टीम ने लगभग एक महीने पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की लगातार निगरानी शुरू की, और यह अभियान अभी भी जारी है। इस अभियान के तहत, अब तक कुल 1,018 आपत्तिजनक लिंक और प्रोफाइल की रिपोर्ट की गई है, जिनमें से 583 को कंपनियों द्वारा पहले ही हटा दिया गया है या ब्लॉक कर दिया गया है। बाकी 435 समीक्षा के विभिन्न चरणों में हैं और जल्द ही हटा दिए जाएंगे।

जबलपुर

रविवार 18 जनवरी 2026

माघ मास कृष्ण पक्ष-15

वर्ष : 20, अंक : 260

पृष्ठ : 2+12=14 मूल्य : 3.00 *

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मौसम

अधि. 27

न्यून. 11

8 ईरान का इस्लामिक दुनिया से जटिल रिश्ता

जबलपुर मैट्रो

12 शासकीय भूमि के क्रय-विक्रय...

inh

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल टैग

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

आरटीओ के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा का स्कूल अटैच

भोपाल। राजधानी के मेंडोरी इलाके में दिसंबर 2024 में 52 किलो सोना और 11 करोड़ रुपए

नकद उगलने वाली इनोवा कार मामले में आयकर विभाग की कार्रवाई आगे बढ़ रही है। इस प्रकरण में आरटीओ के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा से जुड़ी एक और बड़ी संपत्ति पर शिकंजा कसते हुए आयकर विभाग की बेनामी निषेध इकाई ने शाहपुरा स्थित एक स्कूल भवन को अस्थायी रूप से अटैच कर लिया है।

ट्रेनी कॉन्स्टेबल को डंपर ने कुचला, मौके पर मौत

बड़वाह। इंदौर से ओंकारेश्वर जा रहे भाई-बहन की बाइक को तेज रफ्तार डंपर ने टक्कर मार दी। हादसे में पीछे बैठी बहन के सिर के ऊपर से डंपर का पहिया गुजर गया, जिससे

उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बाइक चला रहा भाई बाल-बाल बच गया। हादसा शनिवार दोपहर करीब 1 बजे इंदौर–इच्छापुर हाईवे पर बड़वाह के पास हुआ। मृतका की पहचान ऋचा राजोरिया (24) के रूप में हुई है। वह इंदौर में पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में कॉन्स्टेबल की ट्रेनिंग ले रही थी।

बरैया अड़े-माफी नहीं मांगूंगा सीएम ने कहा निलंबित करें

भोपाल। भांडेर से कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया के हालिया बयान ने देश की राजनीति में तीखा विवाद खड़ा कर दिया है। उन्होंने विशेष वर्ग की महिलाओं के साथ होने वाले यौन अपराधों को धार्मिक ग्रंथों से जोड़कर अभद्र टिप्पणी कर दी। उन्होंने अपने बयान में आपराधिक कार्यों को तीर्थ यात्रा से भी जोड़ते हुए पुण्य का बता दिया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के इंदौर दौरे में वे साथ रहे व मंच पर भी रहे। राहुल उनके बयान पर चुप्पी साधे रहे।

4400 करोड़ की लागत से 8 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का हुआ शिलान्यास

केंद्रीय मंत्री गडकरी बोले- देश के समग्र विकास के महायज्ञ में 'सबसे बड़ी आहुति' मप्र की ही होगी

गडकरी ने मप्र में 1 लाख करोड़ रुपए के राजमार्ग विकास कार्यों की दी मंजूरी

गडकरी ने कहा कि किसानों को अन्नदाता के साथ ऊर्जादाता, हवाई ईंधनदाता और डामरदाता भी बनाना हमारा लक्ष्य। नागपुर में किसान एथेनॉल का उत्पादन कर रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि मप्र में 1 लाख करोड़ रुपए लागत के सड़क और राजमार्ग विकास कार्यों को मंजूरी दी गई है। प्रदेश में अभी 2 लाख करोड़ लागत के अनेक काम चल रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में उद्योग आएंगे, व्यापार बढ़ेगा, निर्यात बढ़ेगा।

यहां के युवाओं को रोजगार मिलेगा और मप्र एक प्रगतिशील, समृद्ध और संपन्न प्रदेश बनेगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के विकास के लिए सड़क परिवहन मंत्रालय कोई कमी नहीं रखेगा। मप्र में बहुतायत में हाईवे नेटवर्क तैयार किया जाएगा।

मप्र सहित विदिशा संसदीय क्षेत्र को मिली कई सौगातें

मंच पर उपस्थित नितिन गडकरी, डॉ. मोहन यादव, शिवराज सिंह चौहान एवं भाजपा के वरिष्ठजन

सीआरएफ से 1600 करोड़ देने की घोषणा, इसमें से 400 करोड़ मिलेंगे विदिशा संसदीय क्षेत्र को

सागर-विदिशा-कोटा तक बनेगा नया ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस हाइवे, 75 किमी दूरी होगी कम

हमारे कृषि यंत्र किसानों के तैयार ईंधन पर चलने चाहिए

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि हमारे कृषि यंत्र किसानों के तैयार ईंधन पर चलने चाहिए। नागपुर शहर में टॉयलेट का पानी बेचने से ही 300 करोड़ मिल जाते हैं। अगर देश को नेता सही मिलें तो वेस्ट भी वेल्थ में बदलता है। देश के विकास का श्रेय जनप्रतिनिधियों को नहीं, उन्हें चुनने वाली जनता को जाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा

रायसेन में बनेगा मेडिकल कॉलेज, सभी प्रक्रियाएं जल्द से जल्द शुरू कराएंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विदिशा को पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी और पूर्व विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज का आशीर्वाद भी मिला है। विदिशा की धरती में अद्भुत आकर्षण है। यह उज्जैन के समान पावन है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इंदौर पहुंचे हास्पिटल व भागीरथपुरा जाकर की पीड़ितों से मुलाकात

कहा-यह 'स्मार्ट सिटी' का नया मॉडल जहां पीने का पानी ही उपलब्ध नहीं

प्रभावितों को राहुल ने एक-एक लाख, सिंघार ने दिए 50-50 हजार के चैक, कहा- हम आपके साथ हैं

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से प्रभावित लोगों से मैं मिला हूं। कई परिवार के सदस्यों की मौत हुई है और कई बीमार हुए हैं। वादा किया गया था कि 'स्मार्ट सिटी' दी जाएंगी। मगर ये स्मार्ट सिटी का नया मॉडल है, जहां पीने का पानी नहीं है और लोगों को डराया जा रहा है। राहुल ने कहा कि स्मार्ट सिटी मॉडल में पानी में जहर, हवा में जहर, दवा में जहर, जमीन में जहर और जवाब मांगों तो चलेगा बुलडोजर। कुछ इसी तरह इस मॉडल में मौतों के लिए कोई जवाबदार नहीं होता। उन्होंने कहा कि इंदौर में साफ पानी नहीं मिल रहा है। दूषित पानी पीने से लोगों की मौत हुई है। यह सरकार का 'अर्बन मॉडल' है। शनिवार को इंदौर पहुंचे राहुल बॉम्बे हास्पिटल और भागीरथपुरा में प्रभावितों से मिलने के बाद मीडिया से बात कर रहे थे। राहुल ने प्रभावितों को एक-एक लाख रुपए और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने 50-50 हजार के चैक देकर आर्थिक मदद की। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भागीरथपुरा पहुंच कर जल-प्रदूषण त्रासदी से प्रभावित शोकाकुल परिवारों से मुलाकात की। वे दूषित पानी से जान गंवाने वाली गीता बाई और जीवनलाल के परिवार से भी मिले। परिवारों के साथ खड़े होकर उनका दर्द सुना। भरोसा दिलाया कि उनकी आवाज़ को दबाया नहीं जाएगा तथा उन्हें न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस पार्टी पूरी मजबूती से उनके साथ खड़ी रहेगी।

पचमढ़ी के चौरागढ़ का मनमोहक दृश्य

कल्याणपुर में 3 तो उमरिया में 4.8 डिग्री

बाकी जगह तापमान बढ़ा पर अभी भी कंपकंपा रहा शहडोल का कल्याणपुर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी सहित अधिकांश जिलों में अभी तापमान में घट-बढ़ का दौर जारी है। शनिवार को प्रदेशभर में दिन का पारा सामान्य से औसतन दो डिग्री तक अधिक रहा, जबकि रात का एक डिग्री तक अधिक है।

दिन का पारा औसतन 27 और रात का 10 डिग्री तक रहा है। सबसे कम रात का पारा कल्याणपुर शहडोल में 3 डिग्री रहा। उमरिया 4.8, राजगढ़, खजुराहो 5, चित्रकूट (सतना) 5.2 और मंडला में 5.4 डिग्री रहा। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार अब राजस्थान के ऊपर एक इन्यूस्ड साइक्लोनिक सकुर्लेशन बना है। इससे अगले कुछ दिनों में मौसम में बदलाव की उम्मीद है। विशेषकर 22 जनवरी के बाद बदलाव संभव है।

आज अनूपपुर शहडोल, उमरिया कटनी और मैहर में शीतलहर का अलर्ट

आज यहां कोहरा और शीतलहर

रविवार को अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, कटनी और मैहर में शीतलहर का अलर्ट है, जबकि ग्वालियर, दतिया, भिंड, रीवा, सतना, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी आदि जिलों में मध्यम से हल्के कोहरे का असर रह सकता है। दो दिन मौसम में फिलहाल कोई विशेष बदलाव नहीं होगा। शनिवार को भोपाल में दिन-रात का पारा एक से डेढ़ तक बढ़कर क्रमशः 27.7 और 7.4 डिग्री दिन का तापमान सामान्य से 2.9 डिग्री अधिक है, जबकि रात का 2.7 डिग्री कम रहा है। प्रदेशभर में दिन का पारा सामान्य से औसतन दो डिग्री और रात का एक डिग्री तक अधिक रहा है।

कार ने बाइक सवारों को मारी टक्कर, दो युवकों की मौके पर मौत

स्लीमनाबाद। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 पर शनिवार की शाम 8 बजे के आसपास एमपी यूपी ढाबा के सामने बाइक सवारो को सिफ्ट डिजायर कार ने जोरदार टक्कर मारी जिससे बाइक मे सवार दो युवकों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई है। घटना के संबंध में टी आई सुदेश सुमन ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर 7:30 बजे के आसपास एमपी यूपी ढाबा स्लीमनाबाद के पास कटनी से जबलपुर की ओर जा रही स्विफ्ट डिजायर कार क्रमांक युपी 67 वी 7997 के चालक ने लापरवाही पूर्वक कार चलाते हुए पीछे से हीरो मोटरसाइकिल चला रहे युवक अजय यादव पिता बलराम यादव उम्र 35 वर्ष निवासी मतवारा स्लीमनाबाद व अभिषेक यादव पिता ईश्वरी यादव उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम मटवारा स्लीमनाबाद को जोरदार टक्कर मारी जिससे दोनों के सिर में गंभीर चोट होने के कारण घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया है वही घटना में मृतक के शवों को पोस्टमार्टम हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा है।

---

45 दिन बाद राजकोट कोर्ट का फैसला

बच्ची से रेपः आलीराजपुर के युवक को 'फांसी' की सजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ आलीराजपुर

7 साल की बच्ची से रेप के मामले में गुजरात की राजकोट कोर्ट ने आलीराजपुर (मप्र) के युवक को फांसी की सजा सुनाई है। रेप के बाद युवक ने बच्ची के प्राइवेट पार्ट में 5 इंच लंबी रॉड डाल दी थी।

राम सिंह (आरोपी)

वारदात बीते साल 4 दिसंबर को हुई। पुलिस ने शक के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया और 4 दिनों में 8 दिसंबर को आरोपी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। 12 जनवरी 2026 को अदालत ने अपना फैसला सुनाते हुए आरोपी को दोषी करार दिया। शनिवार को राजकोट की विशेष अदालत के न्यायाधीश राणा साहब ने आरोपी राम सिंह तेर सिंह दुडवा (उम्र 30) के खिलाफ 45 दिन बाद अंतिम फैसला देते हुए मौत की सजा सुनाई।

परिजनः एक छेड़छाड़ से परेशान थीं

बरेला में दो छात्राएं फांसी के फंदे पर लटकी मिलीं

दूसरी छात्रा ने पिता की डांट से उठाया कदम

हरिभूमि न्यूज ⏭ जबलपुर

सड़क पर धरना देती हुईं महिलाएं

बरेला क्षेत्र में रहने वाली दो नाबालिग छात्राएं घर में फांसी के फंदे पर लटकी मिलीं। दोनों ही छात्राएं एक ही स्कूल में पढ़ती थीं।

एक छात्रा के परिजन का आरोप है कि उनकी बेटी ने एक युवक की छेड़छाड़ से परेशान होकर यह कदम उठाया है। तो दूसरी ने पिता की डांट से नाराज होकर ऐसा किया। छात्रा के परिजनों ने नाराज होकर बरेला थाने का घेराव कर दिया। छात्रा के परिजनों का कहना है कि दूसरे गांव का एक युवक उसे लगातार परेशान कर रहा था, जिसके कारण उसने आत्महत्या कर ली।

हावड़ा और कामाख्या के बीच ट्रेन शुरू

स्कूली विद्यार्थियों से चर्चा करते हुए पीएम मोदी

देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू, पीएम मोदी ने दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली। देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के मालदा से इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इस मौके पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी मौजूद थे। यह ट्रेन हावड़ा (पश्चिम बंगाल) और कामाख्या (असम) के बीच चलेगी।

राखी गांव में घुसा तेंदुआ, ग्रामीणों को किया घायल

कटनी। वन परिक्षेत्र बहोरीबंद के बीट कुआं अंतर्गत आने वाले ग्राम राखी में तेंदुआ ने गांव में घुसकर एक व्यक्ति पर हमला कर दिया। तेंदुआ के गांव में होने से हड़कंप मच गया। तेंदुआ के हमले में संतोष काछी नामक व्यक्ति घायल हो गया। ग्रामीणों के अनुसार संतोष काछी पर हमला करने के बाद तेंदुआ भागकर ग्राम पंचायत भवन के सामने स्थित संतोष बसोर और विपिन नायक के मकानों के बीच की एक संकीर्ण गली में जा घुसा। तेंदुआ फिलहाल वहीं फंसा हुआ है, जिससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। लोग घरों के अंदर दुबकने को मजबूर हैं।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच वन डे मुकाबला आज

यह मुकाबला सीरीज का अंतिम और निर्णायक मैच

ड्रोन के साथ पतंगबाजी भी 'बैन' टिकट के लिए एडवाइजरी जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ इंदौर

इंदौर के होल्कर स्टेडियम में रविवार दोपहर 1.30 बजे से भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले एक दिवसीय क्रिकेट मैच को लेकर शहर में जबरदस्त माहौल बना हुआ है। होटल रेडिसन से लेकर स्टेडियम तक प्रशंसकों का तांता लगा है।

शनिवार सुबह न्यूजीलैंड की टीम ने नेट पर अभ्यास किया, जबकि भारतीय टीम दोपहर 1 बजे मैदान पर उतरी। इस दौरान कई खिलाड़ी उज्जैन में बाबा महाकाल का आशीर्वाद लेने भी पहुंचे। पुलिस ने एडवाइजरी जारी कर नागरिकों को सचेत किया है कि वे अनाधिकृत व्यक्तियों से टिकट खरीदने के चक्कर में न पड़ें, अन्यथा उनका बैंक खाता खाली हो सकता है।

विराट कोहली टीम इंड़िया के साथ बाबा महाकाल के दर्शन करने पहुंचे

संघ प्रमुख डॉ. भागवत ने कहा कि अगर भारत में कुछ भी होता है, तो इसके बारे में हिंदुओं से पूछा जाएगा

भारत केवल एक भौगोलिक क्षेत्र का नाम नहीं, बल्कि देश का चरित्र

शक्ति में केवल सशस्त्र बल ही नहीं, बल्कि बुद्धि, सिद्धांत और नैतिक मूल्य भी शामिल

एजेंसी ⏭ संभाजी नगर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि भारत में कुछ भी अच्छा या बुरा घटित हो, तो हिंदुओं से इसके बारे में पूछा जाएगा, क्योंकि भारत केवल एक भौगोलिक क्षेत्र का नाम नहीं, बल्कि देश का चरित्र है।

डॉ. भागवत ने कहा कि हिंदू समाज पारंपरिक रूप से समावेशी और सभी को स्वीकार करने वाला रहा है जो रीति-रिवाजों, पहनावे, खान-पान, भाषा, जाति और उपजाति में विविधता को अपनाता है। इन मतभेदों को संघर्ष का कारण नहीं बनने देता। उन्होंने यह बातें मध्य महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले के गंगापुर में आयोजित हिंदू सम्मेलन में कहीं। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि जो लोग एकीकरण और सद्भावपूर्ण सह-अस्तित्व में विश्वास रखते हैं, वे हिंदू समाज और देश के सच्चे चरित्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह परंपरा सदियों से आक्रमणों और विनाश के बावजूद संरक्षित रही है। ऐसे लोग हिंदू कहलाते हैं और उनकी भूमि भारत कहलाती है। उन्होंने कहा कि अगर लोग अच्छे, दृढ़ और ईमानदार बनने का प्रयास करें तो देश भी वैश्विक मंच पर इन गुणों को प्रदर्शित करेगा।

डॉ. मोहन भागवत

हमें हिंदू मित्र बनाने चाहिए

डॉ. भागवत ने आत्मनिर्भरता और स्थानीय उत्पादों के उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि हमें स्थानीय वस्तुएं खरीदनी चाहिए। जो चीज यहां नहीं बन सकती, उसे अन्य देशों से खरीदा जा सकता है। भारतीय नीति निर्माता अंतरराष्ट्रीय व्यापार कर रहे हैं, लेकिन किसी के दबाव में नहीं। हमने आत्मनिर्भरता का मार्ग चुना है और हमें इसी मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें विदेशों में रोजगार सृजन की चिंता नहीं करनी चाहिए, यह उन्हें करना है। जब वैश्वीकरण की बात करते हैं, तो वे वैश्विक बाजार की अपेक्षा रखते हैं। हम वैश्विक परिवार की अपेक्षा रखते हैं। संघ प्रमुख ने कहा कि हमें जाति, संप्रदाय, भाषा या व्यवसाय की परवाह किए बिना हिंदू मित्र बनाने चाहिए।

सुरक्षित वापसी ने लौटा दी सभी के चेहरे पर मुस्कान

कई भारतीय नागरिक वाणिज्यिक उड़ानों के जरिए ईरान से लौटे

हवाईअड्डे पर कुछ अभिभावकों ने ईरान से लौटे अपने बच्चों का फूलों की माला पहनाकर स्वागत किया। सुरक्षित वतन वापसी पर लोगों ने भारत सरकार और ईरान में भारतीय दूतावास द्वारा मुहैया कराई गई सेवाओं के लिए आभार व्यक्त किया और धन्यवाद दिया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ईरान में महंगाई और मुद्रा अवमूल्यन को लेकर जारी व्यापक विरोध-प्रदर्शनों के बीच कई भारतीय नागरिक वाणिज्यिक उड़ानों के जरिये स्वदेश लौट आए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, भारतीय नागरिकों को लेकर आने वाली कई वाणिज्यिक उड़ानें शुक्रवार रात दिल्ली हवाईअड्डे पर उतरीं।

अपनों की सुरक्षित वापसी ने सभी के चेहरे पर मुस्कान लौटा दी। हवाईअड्डे पर कुछ अभिभावकों ने ईरान से लौटे अपने बच्चों का फूलों की माला पहनाकर स्वागत किया।

सुरक्षित वतन वापसी पर लोगों ने भारत सरकार और ईरान में भारतीय दूतावास द्वारा मुहैया कराई गई सेवाओं के लिए आभार व्यक्त किया और धन्यवाद दिया।

- आंखों से खुशी और राहत के आंसू छलक गए
- भारत लौटकर परिजनों से मिलकर अच्छा लगा

सुरक्षित वापसी पर पिता भावुक

एक पिता ने अपनी बेटी को सीने से लगा लिया। इस दौरान उसकी आंखों से खुशी और राहत के आंसू छलक पड़े। तेहरान से लौटी एक छात्रा ने बताया कि काफी मुश्किल दौर था। सड़कों पर हालात तनावपूर्ण थे और इंटरनेट सेवा बंद होने की वजह से हमें लग रहा था कि हम दुनिया से कट गए हैं। अब भारत लौटकर और अपने परिजनों से मिलकर हमें बड़ी राहत मिली है।

राहत नसीब हुई: शाजिद

ईरान से वापस आए एक अन्य छात्र शाजिद ने बताया कि स्थिति अनिश्चित थी और संचार माध्यम के ठप होने से डर का एहसास बढ़ गया था। यात्रा की व्यवस्था के बारे में जानकारी मिलते ही राहत नसीब हुई। घर पहुंचकर अपने परिवार के सदस्यों से मिलना और उन्हें राहत की सांस लेते देखना वाकई बहुत सुखद था।

सरकार ने अच्छा काम किया

एक परिवार दिल्ली एयरपोर्ट पर अपने पिता और बहन को लेने आया था। उन्होंने कहा कि सरकार ने बहुत अच्छा काम किया है। हम इसके लिए धन्यवाद देते हैं। हमें खुशी है कि हमारे अपने सुरक्षित वापस आ रहे हैं।

सब सुचारु रूप से हुआ हम खुश हैं: काजमी

ईरान से लौटी अपनी मां और चाची को लेने पहुंचे अब्बास काजमी ने कहा कि जैसे ही संचार व्यवस्था बहाल हुई, हमें एहसास हुआ कि स्थिति नियंत्रण में है। हमें तसल्ली मिली कि सब ठीक है। परामर्श जारी होते ही हमने दूतावास में पंजीकरण करा लिया और आगे के निर्देशों का इंतजार करने लगे। मेरी मां की उड़ान पहले से ही निर्धारित थी, इसलिए सब कुछ सुचारु रूप से हो गया और हम खुश हैं।

फांसी रद्द होने पर ट्रंप ने जताया आभार

ईरान को सैन्य कार्रवाई की धमकी देते नजर आ रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तेवर में नरमी आई है। ट्रंप ने शुक्रवार को ईरानी सरकार को धन्यवाद दिया कि उसने सैकड़ों प्रदर्शकारी कैदियों को फांसी नहीं दी, जैसा कि उन्होंने कहा था कि ऐसा होने वाला था। ट्रंप ने इसे एक महत्वपूर्ण और सम्मानजनक कदम बताया।

भारत-ईरान के संबंध दशकों पुराने: पहलवी

ईरान के निर्वासित युवराज रेजा पहलवी एक बयान में भारत-ईरान संबंधों की तारीफ की और साथ ही कहा कि दोनों देश नए अध्याय की शुरुआत कर सकते हैं। उन्होंने ईरान में इंदिरा गांधी के दौरे को याद किया।

भारत सरकार के हम आभारी

एक यात्री ने कहा कि फिलहाल हालात स्थिर हैं। इंटरनेट बंद था और अंतरराष्ट्रीय कॉल भी काम नहीं कर रहे थे, जिससे हम डर गए थे। बाद में कॉल की सुविधा बहाल हुई। भारतीय दूतावास और सरकार ने हमारी बहुत मदद की, इसके लिए हम आभारी हैं।

खबर संक्षेप

बांग्लादेश में कार चालक ने हिंदू युवक को कुचला

ढाका। बांग्लादेश में एक कार चालक ने पेट्रोल पंप पर काम करने

वाले एक हिंदू युवक को पेट्रोल की कीमत चुकाए बिना वहां से जाने की कोशिश करने से रोकने पर अपने वाहन से कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस और प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, शुक्रवार तड़के लगभग साढ़े चार बजे एक काली एसयूवी में सवार लोग पेट्रोल पंप पहुंचे और 5,000 टका (लगभग 3,710 रुपए) का पेट्रोल भरवाया। उन्होंने बताया कि जब एसयूवी चालक ने पेट्रोल की कीमत चुकाए बिना वहां से जाने की कोशिश की।

पाक में सड़क हादसा, 6 बच्चों सहित 14 की मौत

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात

एक ट्रक घने कोहरे के कारण पुल से सूखी नहर में गिर गया, जिससे छह बच्चों समेत कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना लाहौर से लगभग 200 किलोमीटर दूर सरगोधा जिले के कोट मोमिन में हुई। पंजाब आपात सेवा 'रेस्क्यू 1122' के प्रवक्ता के अनुसार ट्रक में 23 लोग सवार थे, जिनमें से ज्यादातर एक ही परिवार के सदस्य थे और संघीय राजधानी इस्लामाबाद से पंजाब प्रांत के फैसलाबाद एक अंतिम संस्कार कार्यक्रम में हिस्स लेने जा रहे थे।

एक्ट्रेस कियाना का 33 साल की उम्र में निधन

वॉशिंगटन। हॉलीवुड स्टार कियाना अंडरवुड का सिर्फ 33

साल की उम्र में निधन हो गया है। वो निकेलोडियन के 'ऑल दैट' के आखिरी सीजन में नजर आई थीं। 16 जनवरी की सुबह 7 बजे से ठीक पहले पिटकिन और मदर गैस्टन बुलेवार्ड के चौराहे पर सड़क पार करते समय एक सेडान कार ने अंडरवुड को टक्कर मार दी। जिसके बाद उन्हें लगभग दो ब्लॉक तक घसीटा गया। इस हिट-एंड-रन दुर्घटना में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। वे 2005 के लोकप्रिय स्केच कॉमेडी सीरीज 'ऑल दैट' में काम कर चुकी हैं।

अमेरिकी-पाक सैन्य अभ्यास पर भड़की कांग्रेस

जयराम बोले- विश्वगुरु बताने वालों की कूटनीति को एक और 'झटका'

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शनिवार को अमेरिकी और पाकिस्तानी सेनाओं के संयुक्त सैन्य अभ्यास किए जाने के बाद केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि इस अभ्यास ने भारत की विदेश नीति की विफलता को उजागर किया है। पाकिस्तान और अमेरिकी सेनाओं ने 'इंस्पायर्ड गैम्बिट-2026' नामक संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू किया था।

कांग्रेस के महासचिव और संचार मामलों के प्रभारी जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा कि स्वयं को विश्वगुरु कहने वाले भारत की आत्मप्रशंसापूर्ण कूटनीति को एक और झटका देते हुए अमेरिकी केंद्रीय कमान ने अभी-अभी एक बयान जारी किया है जिसमें कहा गया है कि अमेरिकी और पाकिस्तानी सेना के सैनिकों ने 'इंस्पायर्ड गैम्बिट' नामक संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास पूरा कर लिया है।

पाक का प्रशंसक बन रहा यूएस

कांग्रेस सांसद ने अपनी पोस्ट में लिखा कि अमेरिका लगातार पाकिस्तान की प्रशंसा करता आ रहा है। उन्होंने लिखा कि जून 2025 में तत्कालीन अमेरिकी केंद्रीय कमान प्रमुख जनरल माइकल कुनिला ने आतंकवाद विरोधी अभियानों में पाकिस्तान को एक शानदान सहयोगी बताया था। राष्ट्रपति ट्रंप ने खुद फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के लिए अपनी गहरी प्रशंसा बार-बार जताई, जिनकी भड़काऊ और सांप्रदायिक रूप से उत्तेजक टिप्पणियों ने 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में पाकिस्तान की ओर से रचित आतंकी हमलों की पृष्ठभूमि तैयार की थी। कल ही, राष्ट्रपति ट्रंप ने दोहराया कि उन्होंने 10 मई, 2025 को ऑपरेशन सिंदूर को रुकवाने के लिए हस्तक्षेप किया था।

ट्रंप ने किया था युद्ध रुकवाने का दावा

बता दें, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक दिन पहले ही भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रोकने के अपने दावे को दोहराया। इसके साथ ही यह भी कहा कि पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने कम से कम 1 करोड़ लोगों की जान बचाने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया था। ट्रंप ने कहा था कि एक साल में हमने आठ शांति समझौते किए और गाजा युद्ध खत्म किया। मध्य पूर्व में शांति कायम है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में अब दाल पर मचा बवाल

यूएस सीनेटरों ने लिखी ट्रंप को चिट्ठी, अमेरिकी दालों पर भारत से आयात शुल्क घटाने की मांग

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सीनेटर केविन क्रेमर और स्टीव डेंस ने राष्ट्रपति ट्रंप को लिखे पत्र में कहा कि जैसे-जैसे भारत के साथ व्यापार वार्ताएं आगे बढ़ें, अमेरिकी कृषि उत्पादकों खासकर नॉर्थ डकोटा और मोंटाना के किसानों के हितों को प्राथमिकता दी

अमेरिका के रिपब्लिकन पार्टी के दो सीनेटरों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से भारत के साथ किसी भी संभावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते में दालों के लिए अनुकूल प्रावधान सुनिश्चित करने की अपील की है। यह मांग ऐसे समय सामने आई है, जब भारत-अमेरिका के बीच लंबे समय से लंबित व्यापार समझौता अब भी ठोस नतीजे से दूर है। यह घटनाक्रम भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बीच हालिया फोन बातचीत के कुछ ही दिनों बाद सामने आया है।

दोनों नेताओं के बीच बातचीत में व्यापार, रक्षा और सुरक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा हुई थी। सीनेटर केविन क्रेमर और स्टीव डेंस ने राष्ट्रपति ट्रंप को लिखे पत्र में कहा कि जैसे-जैसे भारत के साथ व्यापार वार्ताएं आगे बढ़ें, अमेरिकी कृषि उत्पादकों खासकर नॉर्थ डकोटा और मोंटाना के किसानों के हितों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इन दोनों राज्यों को अमेरिका में दालों का सबसे बड़ा उत्पादक बताया गया है, जिनमें मटर भी शामिल हैं।

- *अमेरिकी दाल उत्पादकों को नुकसान उठाना पड़ रहा*
- *दोनों देशों के बीच कृषि को लेकर मतभेद बना हुआ*

केविन क्रेमर

स्टीव डेंस

भारत ने पीली मटर पर 30% शुल्क लगाया

पत्र में सीनेटरों ने उल्लेख किया कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा दाल उपभोक्ता है और वैश्विक खपत में उसकी हिस्सेदारी करीब 27 प्रतिशत है। इसके बावजूद, भारत ने अमेरिकी दालों पर भारी आयात शुल्क लगा रखे हैं। पत्र के अनुसार, भारत में सबसे अधिक खपत वाली दालों में मसूर, चना, सूखी बीन्स और मटर शामिल हैं, लेकिन इन पर अमेरिका से आयात के लिए ऊंचे टैरिफ लागू हैं। सीनेटरों ने 30 अक्तूबर 2025 को भारत द्वारा पीली मटर पर 30 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने के फैसले का भी हवाला दिया, जो 1 नवंबर 2025 से प्रभावी हुआ।

आयात शुल्क कम करने से दोनों देशों को फायदा

सीनेटरों के मुताबिक, अगर दालों पर टैरिफ को लेकर भारत से बातचीत होती है तो इससे दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को मजबूती मिलेगी और अमेरिकी उत्पादकों के साथ-साथ भारतीय उपभोक्ताओं को भी लाभ होगा। अप्रैल 2025 में, संयुक्त राज्य व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने पाया था कि कृषि उत्पादों पर भारत की औसत लागू शुल्क दर 39% थी, जबकि अमेरिका ने कृषि वस्तुओं पर सिर्फ 5% का औसत शुल्क लगाया था।

भारतीय बाजार में नुकसान उठा रहे

सीनेटरों ने कहा कि इन अनुचित टैरिफ के कारण अमेरिकी दाल उत्पादकों को भारतीय बाजार में गंभीर प्रतिस्पर्धात्मक नुकसान उठाना पड़ रहा है। पत्र में ट्रंप के पहले कार्यकाल का जिक्र करते हुए सीनेटरों ने कहा कि वर्ष 2020 में व्यापार वार्ताओं के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने इस मुद्दे पर उनका पत्र स्वयं पीएम नरेंद्र मोदी को सौंपा था।

कृषि क्षेत्र को लेकर भारत सतर्क

बता दें, भारत-अमेरिकी व्यापार समझौते के बीच कृषि क्षेत्र मतभेद का एक प्रमुख बिंदु बना हुआ है। अमेरिका भारत के कृषि बाजार में अधिक पहुंच की मांग करता रहा है, जबकि भारत इसे लेकर सतर्क रुख अपनाए हुए है। भारत में करीब 40-45 प्रतिशत आबादी की आजीविका कृषि पर निर्भर है, जहां अधिकांश किसान दो हेक्टेयर से कम भूमि पर खेती करते हैं। ऐसे में अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए बाजार खोलने से छोटे और सीमांत किसानों पर गंभीर असर पड़ने की आशंका जताई जाती है।

50 प्रतिशत टैरिफ का दबाव

बता दें, 2025 में राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगाए जाने के बाद भारत-अमेरिका संबंधों में नया तनाव देखने को मिला। इनमें रूस से तेल खरीद से जुड़ा 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क भी शामिल है। कई दौर की बातचीत के बावजूद दोनों देश अब तक द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप नहीं दे पाए हैं।

डेयरडेविल्स के हैरतअंगेज करतब

नई दिल्ली। दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड की तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं। प्रतिदिन सुबह 10:15 बजे से लेकर दोपहर 12:30 बजे तक कर्तव्य पथ पर रिहर्सल हो रही है। भारतीय सशस्त्र सेनाओं की डेयरडेविल्स टीम कर्तव्य पथ पर हैरतअंगेज करतबों का रिहर्सल करती हुई। इस वर्ष परेड समारोह की मुख्य थीम वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर केंद्रित रहेगी। आयोजन स्थल पर कुल करीब 77 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था है। जबकि अभी तक इसे लेकर 32 हजार टिकटों की बिक्री हो चुकी है।

कुपवाड़ा में नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

2.3 किलो मादक पदार्थ के साथ महिला ड्रग पैडलर की गई अरेस्ट

एजेंसी ▶▶ जम्मू

जम्मू-कश्मीर के अलग-अलग जिलों में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शुक्रवार को कुपवाड़ा पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की। 'वार ऑन ड्रग्स' अभियान के तहत पुलिस ने 2.3 किलोग्राम हेरोइन जैसे मादक पदार्थ के साथ एक महिला ड्रग पैडलर को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, कुपवाड़ा पुलिस की टीम ने गुलगाम क्षेत्र के मगराय मोहल्ला के पास चेकिंग अभियान के दौरान वाहन संख्या

पुलिस की गिरफ्त में महिला

जेके09सी-1178 को जांच के लिए रोका। इस दौरान वाहन सवार एक महिला यात्री के हाव-भाव संदिग्ध पाए गए। इसी बीच, वाहन चालक सहित दो अन्य सवार मौके से वाहन लेकर फरार हो गए, जबकि महिला को पुलिस ने मौके पर ही पकड़ लिया।

भारत के हाई कमिश्नर ने ट्रेनी से मुलाकात की

भारतीय नौसेना का पहला ट्रेनिंग स्क्वाड्रन सिंगापुर नेवी बेस पहुंचा

एजेंसी ▶▶ सिंगापुर

भारतीय नौसेना का पहला ट्रेनिंग स्क्वाड्रन (आईटीएस) सिंगापुर के चांगी नेवल बेस पहुंच गया है। इस स्क्वाड्रन में आईएनएस तिर, आईएनएस शार्दुल, आईएनएस सुजाता और इंडियन कोस्ट गार्ड शिप सारथी शामिल हैं।

यह दक्षिण पूर्व एशिया में लंबी दूरी की ट्रेनिंग डिप्लॉयमेंट का हिस्सा है, जो दक्षिण पूर्व हिंद महासागर क्षेत्र में चल रही है। स्क्वाड्रन के पहुंचने पर भारत के हाई कमिश्नर डॉ. शिल्पक अंबुले ने ट्रेनी से मुलाकात की और

डॉ. शिल्पक अंबुले की ट्रेनी से मुलाकात

मैरीटाइम ट्रेनिंग एंड डॉक्ट्रिन कमांड के कमांडर से बातचीत की। इंफॉर्मेशन फ्यूजन सेंटर की टीम ने भी प्रोफेशनल अनुभव साझा किए। वर्ष 2026 को भारत और आसियान ने 'आसियान-भारत समुद्री सहयोग वर्ष' के रूप में मनाने का फैसला किया है।

लंदन की रिफॉर्म यूके की मेयर उम्मीदवार लैला कनिंघम का विवादित बयान

मुस्लिम शहर जैसे लगते हैं लंदन के कुछ हिस्से

एजेंसी ▶▶ लंदन

यूनाइटेड किंगडम में लंदन के लिए मेयर पद की उम्मीदवार लैला कनिंघम ने बुर्के पर सुझाव देकर नए विवाद को जन्म दे दिया है। रिफॉर्म यूके की ओर से उम्मीदवार लैला ने कहा कि बुर्का पहनने वाली महिलाओं की पुलिस द्वारा रोक कर तलाशी ली जानी चाहिए। साल 2018 में होने वाले लंदन मेयर चुनाव के लिए लैला को उम्मीदवार बनाया गया है। उन्होंने कहा कि खुले समाज में चेहरा ढंकने की कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि लंदन के कुछ हिस्से मुस्लिम शहर जैसे लगते हैं।

ये भी बोलीं

- खुले समाज में चेहरा ढंकने की कोई जगह नहीं
- बुर्का पहनने वालों की तलाशी ले पुलिस

लैला कनिंघम व बुर्के में महिलाएं

कई मुस्लिम देशों में बुर्का बैन

कनिंघम ने कहा कि वह लंदन में यहूदी-ईसाई संस्कृति और ब्रिटिश संस्कृति को और ज्यादा मनाते हुए देखना चाहेंगी, खासकर ईस्टर पर, जिसे उन्होंने सुझाव दिया कि पूरे शहर में ईस्टर एग हंट के साथ मनाया जा सकता है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि बुर्का पहनने से पुलिस को रोकने और तलाशी लेने का सही कारण मिलता है, तो उन्होंने कहा हां, कई मुस्लिम देशों में बुर्का बैन है। वे धार्मिक नहीं हैं।

चेहरे को ढंकने पर बैन लगाना चाहती हैं

एक पॉडकास्ट में बात करते हुए लैला ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि एक खुले समाज में आपको अपना चेहरा ढंकने की जरूरत है। मैंने एक बुर्का पहनी हुई महिला पर केस चलाया है। अगर कोई अपना चेहरा छिपा रहा है तो यह मान लेना चाहिए कि वह ऐसा किसी आपराधिक कारण से कर रहा है। उन्होंने बताया कि लंदन के कुछ हिस्से मुस्लिम शहर जैसे लगते हैं और वह चेहरे को ढकने पर बैन लगाना चाहती हैं। द स्टैंडर्ड पॉडकास्ट के लिए एक इंटरव्यू में, लैला ने कहा कि अगर मैं कर पाती, तो मैं चेहरा ढंकने पर बैन लगा देती, लेकिन मैं इसे स्टॉप एंड सर्च का एक कारण बनाना चाहूंगी।

मुस्लिम शहर नहीं है लंदन

लैला कनिंघम ने पिछले जून में सीपीएस प्रॉसिक्यूटर के पद से इस्तीफा दे दिया था, जब उन्होंने टोरीज पार्टी छोड़कर नाइजल फराज की रिफॉर्म यूके पार्टी में शामिल होने के बाद भड़काऊ राजनीतिक बयान दिए थे। पिछले हफ्ते उन्हें 2028 के चुनावों के लिए पार्टी की लंदन मेयर उम्मीदवार के तौर पर पेश किया गया। वह इस मई में शहर भर में होने वाले चुनावों में रिफॉर्म पार्टी को पहली लंदन काउंसिल का कंट्रोल दिलाने की कोशिश का नेतृत्व भी करेंगी। कनिंघम ने कहा कि लंदन को ब्रिटिश ही रहना चाहिए और यह मुस्लिम शहर नहीं है।

ई-सेफ्टी कमिश्नर ने जारी किया डेटा

ऑस्ट्रेलिया में 47 लाख बच्चों के सोशल मीडिया प्लेटफार्म तक पहुंच 'प्रतिबंधित'

एजेंसी ▶▶ कैनबरा

ऑस्ट्रेलिया में 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया मंच के इस्तेमाल पर रोक के बाद से, सोशल मीडिया कंपनियों ने बच्चों के रूप में पहचाने गए 47 लाख खातों तक उनकी पहुंच रद्द कर दी है।

सरकार के ई-सेफ्टी कमिश्नर द्वारा जारी डाटा से पता चला है कि 10 दिसंबर को प्रतिबंध लागू होने के बाद 16 साल से कम उम्र के बच्चों के खाते निष्क्रिय कर दिए गए हैं। संचार मंत्री अनिका वेल्स ने कहा, हमने उन सभी को गलत साबित कर दिया इन लोगों/संस्थाओं में दुनिया की कुछ सबसे शक्तिशाली-धनी कंपनियां व

सोशल मीडिया पर प्रतिबंध

उनके समर्थक भी शामिल हैं। वह बोले, अब ऑस्ट्रेलियाई माता-पिता आश्वस्त हो सकते हैं कि उनके बच्चे अपना बचपन वापस पा सकते हैं। 10 सोशल मीडिया मंच ने सरकार को आंकड़े दिए हैं। पीएम एंथनी अल्बनीस ने कहा, यह उत्साहजनक है कि कंपनियां प्रतिबंध का पालन कर रही हैं।

खबर संक्षेप

पहला हिन्दू सम्मेलन आज झंडा बाजार में

सिहोरा। सनातन धर्म की गरिमा और सांस्कृतिक विरासत को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सिहोरा खितौला में करीब आधा दर्जन से अधिक हिन्दू सम्मेलन विभिन्न बस्तियों में आयोजित किए जायेंगे। जिसमें हिन्दू धर्म की गौरवशाली विरासत,एकता और भविष्य की दिशा पर विचार किया जायेगा। इसमें सभी हिन्दू बंधुओं और भगिनियों से बड़ी संख्या में पहुंचने की अपील की गई है। पहला हिन्दू सम्मेलन आज हरदौल बस्ती का जैन मंदिर झंडा बाजार में आयोजित किया गया है । इसके अलावा नीलकंठ बस्ती का जगमोहन पार्क,नरसिंह बस्ती का एस एस ए कालेज ग्राउंड में 18 जनवरी,केशव बस्ती का बी हाई स्कुल ग्रांउड 20 जनवरी,ज वालामुखी बस्ती का 22 जनवरी नेवीन कन्या शाला ग्रांउड में, केशव बस्ती बी हाई स्कुल ग्रांउड 20 जनवरी को नीलकंठ बस्ती उक्त सभी सम्मेलन दोपहर 2 बजे से आयोजित होगे। इसी तरह महाकाली बस्ती का हिन्दू सम्मेलन 31 जनवरी को कंकाली मंदिर में दोपहर 12 बजे से आयोजित होगा।

बच्चों को सिखाये प्रबंधन के गुण

सिहोरा। शासकीय यशोदा बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खितौला बाजार, के प्राथमिक विभाग के छात्र-छात्राओं के लिए एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य जे एल खांडे और शिक्षकों की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर, सेवानिवृत्त शिक्षक जय प्रकाश तिवारी ने बच्चों को सामान के रखरखाव और प्रबंधन के महत्व पर विस्तार से चर्चा की और उन्हें इस संबंध में बहुमूल्य बातें समझाईं। तिवारी जी ने बच्चों को यह सिखाया कि अपने शैक्षणिक सामग्री और व्यक्तिगत सामान को कैसे व्यवस्थित रखा जाए ताकि वे लंबे समय तक सुरक्षित रहें और पढ़ाई के दौरान आसानी से मिल सकें। उन्होंने व्यवस्थापन कौशल के बुनियादी सिद्धांतों को सरल और रोचक तरीके से समझाया।

खितौला खम्परिया में कृषि रथ कार्यक्रम का आयोजन

सिहोरा। ग्राम पंचायत खितौला खम्परिया में कृषि रथ कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य किसानों को नवीनतम कृषि तकनीकों शासकीय योजनाओं एवं विभागीय सुविधाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान करना रहा। कार्यक्रम में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी जे.एस. राठौर, जनपद सदस्य सुरेश पटेल,कृषि विस्तार अधिकारी सुश्री साक्षी तिवारी, सुमित पाटकर एवं सुश्री अदिति सिंह, कृषक मित्र पशुपालन विभाग के अधिकारीगण तथा सरपंच दिलीप विश्वकर्मा आदि उपस्थित थे। आयोजन में अधिकारियों द्वारा कृषि, पशुपालन, फसल उत्पादन, उन्नत बीज, संतुलित उर्वरक उपयोग, प्राकृतिक खेती तथा शासन की विभिन्न कृषक-हितैषी योजनाओं के संबंध में किसानों को विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई।

एसएसए कालेज में स्टार्टअप दिवस पर हुआ आयोजन

सिहोरा। शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्टार्टअप दिवस की अवसर पर स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा स्टार्टअप दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं एनजीओ के विषय में जानकारी दी गई जो विद्यार्थियों को स्टार्टअप प्रारंभ करने में मदद करते हैं । उद्यमिता पर आधारित हिंदी फिल्म गुरु का प्रदर्शन किया गया इसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने फिल्म का आनंद लिया । इसी प्रकार एक अन्य फिल्म हॉलीवुड फिल्म थे परसू आफ हैप्पीनेस भी विद्यार्थियों को दिखाई गई जिससे वे उद्यमिता के महत्व को समझ सके । समस्त कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर एम के श्रीवास्तव के निर्देशन में आयोजित किए गए।

हाईकोर्ट ने डीजीपी सहित अन्य अफसरों को जारी किए नोटिस

आदेश के बावजूद एफआईआर दर्ज क्यों नहीं की गई?

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने पुलिस अधिकारियों से पूछा है कि पूर्व में जारी आदेश के बावजूद एफआईआर दर्ज क्यों नहीं की गई। जस्टिस डीडी बंसल की एकलपीठ ने डीजीपी कैलाश मकवाना, पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय और ग्वारीघाट थाना के एसएचओ सुभाष चंद्र बघेल को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जबलपुर निवासी भूपिंदर सिंह रक्का की ओर से अधिवक्ता केके पांडेय, कौशलैश पांडेय एवं सिद्धार्थ पांडेय ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि याचिकाकर्ता ने 24 सितंबर 2025 को जमीन विवाद को लेकर संज्ञेय अपराधों से संबंधित शिकायत दर्ज कराई थी। हाईकोर्ट ने ललिता कुमारी बनाम उत्तर प्रदेश शासन सहित सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों के आलोक में कानून के अनुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। दरअसल, याचिकाकर्ता की जमीन पर कुछ लोग हस्तक्षेप कर रहे थे। आदेश के अनुपालन में थाना ग्वारीघाट द्वारा जांच कर रिपोर्ट तैयार की गई, जिसे पुलिस अधीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को भेजा गया। इसके बावजूद अब तक न तो एफआईआर दर्ज की गई और न ही कोई निर्णय याचिकाकर्ता को बताया गया। दलील दी गई कि न्यायालय के आदेश की जानबूझकर अवहेलना की जा रही है। इसलिए अवमानना याचिका दायर की गई।

जाली नोटों के सौदागर की जमानत याचिका दूसरी बार खारिज

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने जाली नोटों के सौदागर की दूसरी बार जमानत याचिका खारिज कर दी। दरअसल, आरोपी की ओर से कुछ देर दलीलें रखने के बाद जमानत आवेदन वापस लेने का निवेदन किया गया। जस्टिस संदीप एन भट्ट की एकलपीठ ने अर्जी वापस लेने के आधार पर उसे निरस्त कर दी। मंडला निवासी अजय नवेरिया की ओर से दलील दी गई कि वह बेगुनाह है और उसे झूठा फंसाया गया है। वहीं शासन की ओर से पैनल लॉयर हिमांशु तिवारी ने जमानत याचिका का विरोध करते हुए कोर्ट को बताया कि आरोपी से 500 रुपए के 1800 नग के जाली नोट बरामद हुए थे। यानी करीब 9 लाख के नकली नोटों की बरामदगी हुई है। उन्होंने बताया कि इसके पहले भी आरोपी ने 27 सितंबर 2025 को जमानत अर्जी वापस ले ली थी।

देशी गोवंश और जैविक खेती पर दो दिवसीय कार्यशाला शुरु

जबलपुर। विश्व हिंदू परिषद, गौरक्षा विभाग महाकौशल प्रान्त और जेएनकेवी विश्व विद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में देशी गोवंश संरक्षण और जैविक खेती पर दो दिवसीय कार्यशाला आज प्रातः 11 बजे प्रारंभ हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्रीय मंत्री सुनील मानसिंह ने किया। कार्यशाला में गुरु प्रसाद सिंह, राष्ट्रीय अध्यक्ष गौ संवर्धन बोर्ड, ने कहा कि देशी गाय और पंचगव्य का उपयोग मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण सुरक्षा के लिए आवश्यक है। उन्होंने युवा किसानों को देशी गोवंश पालन और जैविक खेती के लाभों से अवगत कराया। इस अवसर पर कुलपति डॉ. पी. के. मिश्रा, केंद्रीय मंत्री लाल बहादुर सिंह और क्षेत्रीय गौरक्षा प्रमुख सोहन विश्वकर्मा ने भी संबोधन दिया। उन्होंने देशी गोबर, गोमूत्र और पंचगव्य से रोजगार सृजन, आयुर्वेदिक स्वास्थ्य और आर्थिक समृद्धि के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यशाला के द्वितीय सत्र में नागपुर से आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. नंदिनी भोजराज ने पंचगव्य और आयुर्वेदिक मसालों के स्वास्थ्य लाभों पर व्याख्यान दिया। कार्यशाला में कृषि वैज्ञानिक, पशु चिकित्सा एवं फार्मेसी छात्र, आयुर्वेद विशेषज्ञ और ट्रस्ट के प्रांताधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ में प्रस्तुत किया गया शिव विवाह, कार्तिक जन्म व तारकासुर वध प्रसंग

मझौली। विष्णु वाराह मंदिर प्रांगण, मझौली में आयोजित संगीतमय शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ के अंतर्गत आज की कथा में कथा वाचक पंडित गिरधारी शरण जी महाराज (श्री वृन्दावनधाम) ने शिव विवाह, भगवान कार्तिकेय के जन्म एवं तारकासुर वध की कथा का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने कहा कि शिव

महापुराण की कथा सुनने व कहने से मनुष्य को जन्म-मरण के बंधन से मुक्ति मिलती है तथा घर-परिवार में सुख, शांति और सद्भाव बना रहता है। भगवान श्री विष्णु के वाराह अवतार की असीम कृपा से महिला मंडल मझौली द्वारा विगत कई वर्षों से प्रतिवर्ष महापुराण का आयोजन किया जा रहा है। इसी परंपरा के अंतर्गत इस वर्ष भी 12 जनवरी से 19 जनवरी तक शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया है। कथा का आयोजन प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक किया जा रहा है। शिव महापुराण कथा में क्षेत्र के श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं।

पीएमश्री कन्या उमावि पाटन में ओलंपियाड परीक्षा का द्वितीय चरण संपन्न

पाटन। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के आदेशानुसार जनपद शिक्षा केंद्र पाटन के अंतर्गत पीएम श्री कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला पाटन में ओलंपियाड परीक्षा के द्वितीय चरण का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। परीक्षा कक्षा 2 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न विषयों में अलग-अलग शिफ्टों में आयोजित की गई, जिसमें विकासखंड के छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। परीक्षा का आयोजन

प्राचार्य श्रीमती वंदना वेद के मार्गदर्शन में बीआरसी सत्येंद्र कुरैशी, बीएसी विवेकानंद शर्मा, मनीष सोनी, नितिन तिवारी, रघुनाथ सिंह ठाकुर, अरविंद तिवारी, विश्राम से मेश्राम, राजेंद्र साहू, नन्हे भाई प्रधान सहित अन्य शिक्षकों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। परीक्षा में कक्षा 2 से 5 एवं 6 से 8 के लिए कुल 252 विद्यार्थियों का लक्ष्य निर्धारित था, जिसमें कक्षा 2 से 5 के 192 तथा कक्षा 6 से 8 के 208 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। परीक्षा केंद्र का निरीक्षण जिला परियोजना अधिकारी योगेश शर्मा द्वारा किया गया।

पनागर में कृषक कल्याण वर्ष 2026 का शुभारंभ

पनागर। कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत पनागर क्षेत्र में शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन इफको बाजार, पनागर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक सुशील इंदु तिवारी ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी पंकज शर्मा सहित कृषि विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए, जिन्हें शासन की विभिन्न कृषि योजनाओं, उन्नत बीजों के उपयोग, उर्वरक व कीटनाशकों के संतुलित प्रयोग तथा फसल उत्पादन बढ़ाने के उपायों की जानकारी दी गई।

अधिकारियों ने किसानों की समस्याएं सुनकर आवश्यक तकनीकी परामर्श भी प्रदान किया। इस दौरान आधुनिक कृषि तकनीक को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किसानों के खेत में ड्रोन के माध्यम से कीटनाशक एवं जल में घुलनशील उर्वरकों के छिड़काव का प्रदर्शन किया गया। वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री पंकज शर्मा एवं कृषि विस्तार अधिकारी कुमारी कीर्ति अहिरवार ने ड्रोन तकनीक के लाभ बताते हुए कहा कि इससे कम समय में अधिक क्षेत्र में सुरक्षित व प्रभावी छिड़काव संभव है।

डॉ. अजय वाधवानी ने मुरारी बापूजी से की मुलाकात

जबलपुर। मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन के डॉ. अजय वाधवानी ने प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक मुरारी बापूजी से सौजन्य मुलाकात की। इस

अवसर पर डॉ. वाधवानी ने समाज में तेजी से बढ़ रहे वृद्धाश्रमों पर चिंता व्यक्त करते हुए अनुरोध किया कि वे अपनी कथाओं के माध्यम से बुजुर्गों के प्रति सम्मान और सेवा का संदेश फैलाएँ। डॉ. वाधवानी ने कहा कि माता-पिता की सेवा ही सच्ची पूजा है और यदि बच्चों में यह भावना जागृत होगी तो वृद्धाश्रमों की संख्या में कमी आएगी। कथावाचक मुरारी बापूजी ने इस विषय को गंभीरता से लेते हुए कहा कि वे अपनी आगामी कथाओं में पारिवारिक संस्कार, माता-पिता की सेवा और बुजुर्गों के सम्मान पर विशेष संदेश देंगे। इस पहल में डॉ. अशोक मेथवानी, एड. आशीष त्रिपाठी, एड. भावना निगम, डॉ. अभिषेक जैन भी उपस्थित रहे।

शैल्बी अस्पताल ने कलेक्ट्रेट कर्मचारियों के लिए लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

जबलपुर। गणतंत्र दिवस माह के अवसर पर शैल्बी अस्पताल, जबलपुर द्वारा कलेक्ट्रेट कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों का मोमेंटो भेंट कर सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कलेक्टर श्री राघवेन्द्र सिंह रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में संयुक्त कलेक्टर सुश्री नदीमा शिरी, अपर जिला दण्डाधिकारी श्री नाथूराम गोंड, नायब तहसीलदार श्री सरफराज अली एवं श्री राजा राम कोल उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत तुलसी पौधा भेंट कर किया गया। शैल्बी अस्पताल के **CAO** डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने कहा कि समाज की सेवा में लगे अधिकारियों व कर्मचारियों की सेहत का ध्यान रखना भी समाज का दायित्व है। शिविर में लगभग 250 कर्मचारियों व परिजनों ने भाग लिया। हड्डी, मस्तिष्क, कैंसर, स्त्री, शिशु, पेट, मूत्र व छाती रोग के विशेषज्ञों द्वारा निःशुल्क परामर्श दिया गया।

मध्य प्रदेश पर्यटन निगम के अधिकारियों की मनमानी

पंचवटी में सड़क पर गड़े बोर्ड से यातायात बाधित

भेड़ाघाट। पंचवटी में मध्य प्रदेश पर्यटन निगम द्वारा मार्बल कैफे के बोर्ड रोड पर खड़े होने से यातायात बाधित होता है और हमेशा दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है यहां पर नौका बिहार हेतु भी लोगों का आवागमन लगा रहता हैं यहां पर फुटपाथ के बाद पर्यटन निगम द्वारा बोर्ड लगाए गए हैं जिससे मेट्रो बस और टर्म होने से हमेशा चकाजाम की स्थिति बनी रहती हैं मेट्रो बस या दूसरे वाहन आने से हमेशा खतरा बना रहता हैं नगर परिषद द्वारा भी यहां पर फैली अव्यवस्थाओं की तरह कोई देखता तक नहीं है जिससे पर्यटकों को असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा हैं रही सही कसर दुकानदारों ने जाम की स्थिति निर्मित हो जाती हैं नगर विकास का ढिंढोरा पीटने वाले जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को भेड़ाघाट क्षेत्र के विकास से कोई सरोकार नहीं है तभी तो भेड़ाघाट क्षेत्र की समस्याओं की तरफ किसी का ध्यान नहीं हैं यातायात की व्यवस्था हो या अतिक्रमण की समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा हैं नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों को भेड़ाघाट क्षेत्र में फैली अव्यवस्थाओं से पर्यटकों को सुविधा उपलब्ध कराने में नाकाम साबित हो रहे हैं।

शीघ्र कार्रवाई की जाएगी

नगर परिषद द्वारा पहले टूरिज्म विभाग को नोटिस जारी किए गए हैं और अब फिर से बोर्ड हटाने की शीघ्र कार्रवाई की जाएगी।

विक्रांत सिंह झरिया
सी, एम, ओ, नगर परिषद भेड़ाघाट

यह कार्य अधिकारियों का है

सड़क किनारे लगे बोर्ड पहले से लगे हुए हैं नगर परिषद द्वारा कोई आपत्ति नहीं जताई गई यह कार्य अधिकारियों का है।

विकास जायसवाल
मैनेजर टूरिज्म निगम भेड़ाघाट

हल्दी, कुमकुम, सिंदूर नारी शक्ति के प्रतीक : वर्षा उसरेटे

जबलपुर। महावीर रेसिडेंस वेल्फेयर सोसाइटी की महिला समिति द्वारा प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी हल्दी, कुमकुम, सिंदूर का कार्यक्रम महावीर कॉलोनी हाथीताल स्थित महावीर गार्डन में भारतीय संस्कृति की परम्परानुसार हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर वर्षा उसरेटे ने हल्दी कुमकुम पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह भारतीय संस्कृति की एक महत्वपूर्ण परंपरा है जिसमें हल्दी, सिंदूर, कुमकुम का प्रयोग किया जाता है। यह नारी शक्ति की एकता का भी प्रतीक है। इस अवसर पर वर्षा उसरेटे, सुनीता सोनी, लकी गुप्ता, नीलू पांडे, स्वाती ठाकुर, सरस्वती सिंह, कशिश सावलानी, नीलम साहनी, सरिता गुप्ता, संगीता सिंह, आरती खराटे आदि महिलाओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

महापौर गुरुकुल से संवर रहा निगम स्कूल के विद्यार्थियों का भविष्य

जबलपुर। बोर्ड परीक्षाओं से पूर्व विद्यार्थियों का तनाव दूर करने और सफलता के गुर सिखाने के उद्देश्य से भंवरताल स्थित कल्चरल स्ट्रीट थियेटर हॉल में "परीक्षा मंथन" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' ने नगर निगम के पांचों विद्यालयों के छात्र-छात्राओं से संवाद कर उन्हें परीक्षा में सफल होने के मंत्र दिए। कार्यक्रम का शुभारंभ महापौर द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। महापौर श्री अन्नू ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षा केवल मूल्यांकन है, डर या तनाव का कारण नहीं। उन्होंने छात्रों की शंकाओं का समाधान करते हुए कहा कि नियमित अभ्यास, लिखकर पढ़ने की आदत और सही समय प्रबंधन से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि डर से भागने के बजाय उसका सामना करना ही सफलता की कुंजी है। इस अवसर पर 'महापौर गुरुकुल' की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला गया। बताया गया कि निगम स्कूलों के विद्यार्थियों को मैकलसुता इंस्टीट्यूट के माध्यम से निःशुल्क कोचिंग, स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर लैब, योग-ध्यान, खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियां तथा ग्रीष्मकालीन शिविर की सुविधाएं दी जा रही हैं। बोर्ड परीक्षाओं में 85 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को हवाई यात्रा का अवसर भी प्रदान किया जाता है। कार्यक्रम में अपर आयुक्त मनोज श्रीवास्तव, प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र पाण्डेय, डॉ. राकेश जैन, श्रीमती दीप्ति शर्मा, श्रीमती रागिनी गर्ग, महापौर गुरुकुल संयोजक जयदीप मिश्रा सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

बिलाबोंग तथा इकिगाई के सौजन्य से "मिलांज 2026" उत्सव मेला सम्पन्न

जबलपुर। बिलाबोंग विद्यालय और इकिगाई के संयुक्त प्रयास से आयोजित बहुमुखी प्रदर्शन एवं कौशल मेले "मिलांज 2026" का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। भव्य सजावट और आकर्षक स्टॉल्स ने दर्शकों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महापौर जगत बहादुर सिंह (अन्नू) उपस्थित रहे और कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। रोबोटिक्स फेस्ट और ए.आई. स्टॉल सबसे बड़े आकर्षण रहे, जिसमें विद्यार्थियों ने रोबोट संचालन के माध्यम से महाभारत का तीन मिनट में प्रस्तुतीकरण, भारत हेल्थ रोबोट, आई.ओ.टी बेस मौसम केंद्र, इंडस्ट्रियल रोबोट, एंटी ग्रेविटी ऑर्बिट आदि प्रदर्शित किए। मेले का उद्देश्य छात्रों में प्रतिभा, सहयोग और नवाचार की भावना को बढ़ावा देना है। लकी ड्रा, रैंप वाक, ट्रैम्पोलिन, स्लाइड, टैटू व वाक इन वाटर जैसे कार्यक्रमों ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। खाने-पीने के स्टॉल्स में छोले कुलचे, पिज्जा, मोमोस, डोसा, सूप और फ्रेंच फ्राइज जैसी विविध व्यंजन परोसे गए। नृत्य प्रतियोगिता और फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता ने अपनी अनूठी प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। इस भव्य आयोजन की सफलता में शाला संस्थापिका अर्पिता मालपानी, शाला सीईओ प्रदीप गंगाधरन, प्रधानाचार्य सायमा खान, इकिगाई सोनिया कोचर एवं परमवीर कौर सहित समस्त शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

Change of Name

I, Kala Devi Patel, W/o Army No. 10390993Y L/Nk. Sunil Kumar Patel, R/o Gram Rampur, Post-Dhabaiya, Dhabaiya, Rewa (MP.) 486114 do hereby solemnly affirm and state on oath as follow:-
a. That, I have changed my name from Kala Patel to Kala Devi Patel.
b. That, I am producing this affidavit for the purpose of evidence for my name.
c. That, both names Kala Patel & Kala Devi Patel pertains to one and the same person.
d. That, I shall at all times thereafter in all record in all proceeding dealing with transaction, private as well as under all occasion whatsoever be known as only Kala Devi Patel.
e. That, what is stated above is true and correct to best of my knowledge, information and belief nothing material has been concealed there-from.
Dt. 16/01/2026
Place: Jabalpur
Kala Devi Patel

आम सूचना

मै अपने पक्षकार श्री अमित दुबे पिता स्व. श्री राम शंकर दुबे के निर्देशानुसार आम जनता को यह सूचित कर रहा हूँ कि मेरे पक्षकार द्वारा मौजा लक्ष्मीपुर, नं.ब. 643, प.ह.नं. 4 रा.नि.मं. जबलपुर - 1, स्वामी विवेकानंद वार्ड नं. 21, तहसील जबलपुर नई आधारताल जिला जबलपुर में स्थित डायवर्टेड भूमि खसरा नं. 226 का हिस्सा नामातंरण पश्चात पटवारी खसरा नं. 226/1/32/1/1/1/1/1 का हिस्सा कुल प्लाट ऐरिया 2400 वर्गफुट को पंजीकृत विक्रय पत्र के द्वारा विक्रेता श्रीमती अनामिका शर्मा एवं अन्य से क्रय किया जा चुका है। यह कि उपरोक्त सम्पत्ति की लिंक रजिस्ट्री दिनांक 05/06/1967 दस्तावेज नं. 3240 की मूल प्रति विक्रेता श्रीमती अनामिका शर्मा एवं अन्य से दिनांक 05/01/2026 को रजिस्ट्री ऑफिस आने के पूर्व विजय नगर के पास कहीं खो गई है जिसकी सूचना श्रीमती अनामिका शर्मा एवं अन्य के द्वारा विजय नगर पुलिस थाना को दिनांक 05/01/2026 को प्रदान की जा चुकी है अत: जिस किसी व्यक्ति, संस्था इत्यादि को विक्रय पत्र दिनांक 05/06/1967 दस्तावेज नं. 3240 की मूल प्रति प्राप्त होती है तो मेरे कार्यालय मे जमा करने की कृपा करें।

मुकेश चौकसे, एडवोकेट
प्लॉट नं. 17/9, न्यू जगदम्बा कॉलोनी, अग्रसेन वार्ड जबलपुर
दिनांक: 17.01.2026 मो. 9425829444

गहोई सूर्य दिवस शोभायात्रा, सम्मान एवं पुरस्कार वितरण आज

जबलपुर। श्री गहोई वैश्य समाज पंचायत के तत्वाधान में गहोई सूर्य दिवस का मुख्य कार्यक्रम आज रविवार को आयोजित किया जा रहा है। इसकी शुरुआत प्रातः 9:30 बजे शोभायात्रा से होगी, जो तमरहाई चौक स्थित श्री गहोई वैश्य पंचायती भवन से प्रारंभ होकर गुड़हाई, कोतवाली, सराफा, कमानिया गेट, बड़ा फुहारा, लार्डगंज चौक होते हुए शहीद स्मारक प्रांगण (गेट नं. 1) पहुँचेगी। शोभायात्रा में भगवान सूर्य की झांकी, पारंपरिक ध्वज-पताकाएं, बैंड-बाजे के साथ समाज के अध्यक्ष, पदाधिकारी सहित सभी पूर्व अध्यक्ष एवं पंच समाज के वरिष्ठजन, मातृशक्ति, युवा, विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि सम्मिलित होंगे। प्रथम सत्र के मुख्य समारोह दोपहर 12:00 बजे स्थान शहीद स्मारक प्रांगण मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर के प्रशासनिक न्यायाधीश जस्टिस विवेक रूसिया व विशेष अतिथि अखिल भारतीय गहोई महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री दीपक सावला होंगे। इस अवसर पर दीप प्रज्वलन, सूर्य आरती एवं गणेश वंदना के पश्चात समाज के वरिष्ठजनों का हीरक सम्मान किया जाएगा।

द्वितीय सत्र में दोपहर 3:00 बजे से शहीद स्मारक प्रांगण में पुरस्कार वितरण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह होंगे वहीं विशेष अतिथि के रुप में विधायक गण लखन घनघोरिया व डॉ. अभिलाष पांडेय, उद्योगपति सौरभ बड़ेरिया एवं नितिन बरसैया उपस्थित रहेंगे कार्यक्रम में समाज की प्रतिभावान छात्र- छात्राओं को मनीषा सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी आयोजित होंगी। श्री गहोई वैश्य समाज पंचायत, जबलपुर के अध्यक्ष इंजी. रामगोपाल ददरया, संयोजक विजय कुमार सुहाने पंचगण डॉ. अरुण सरावगी, डॉ. श्रीकृष्ण बिलैया, सुभाष चंद्र रावत इंजी. कमलकांत गुप्ता बहरे एड. अशोक पिपरसनिया, शंभु दयाल बड़ेरिया सहित पूर्व अध्यक्षो एवं महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती मेघा बड़ोन्या, श्रीमती हर्षना तीतबिलासी नवयुवक अभिषेक बृजपुरिया अभिषेक गेड़ा ने स्वजातीय जनों से सपरिवार अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर गहोई दिवस 2026 के इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

नई भर्ती में संविदा को नियमित, आउट सोर्स को 50 प्रतिशत आरक्षण दे

- बिजली कार्मिकों, कंपनी केडर, पेंशनर्स की मांगों के निराकरण हेतु फेडरेशन हर स्तर पर सकारात्मक कार्य करेगा

-फेडरेशन के क्षेत्रीय सम्मेलन में सैकड़ों की संख्या में एकत्र हुए फेडरेशन के सदस्य

जबलपुर। मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के क्षेत्रीय सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए महामंत्री राकेश डी पी पाठक ने कहा कि फेडरेशन संविदा कर्मियों, आउट सोर्स कर्मचारियों, नियमित कर्मचारियों, कंपनी केडर कार्मिकों और सम्माननीय पेंशनर्स साथियों की समस्यायों के समाधान हेतु हर स्तर पर एकजुट होकर सकारात्मक प्रयास और कार्य करेगा। फेडरेशन द्वारा कैशलैस बीमा, फ्रिंज बेनीफिट, वेतन विसंगति, सेवा आयु एक समान,आदि विषयों पर जानकारी देते हुए फेडरेशन के महामंत्री पाठक ने कहा कि बिजली सेक्टर में लम्बे समय के बाद नवीन ओ एस में 51000 हजार से अधिक नियमित पदों का सृजन कर भर्ती हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है जो कि बिजली सेक्टर की सभी कंपनियों के लिए नया जीवन देना अर्थात पुनर्जीवन है। फेडरेशन के महामंत्री राकेश डीपी पाठक ने मुख्यमंत्री, ऊर्जा मंत्री, अतरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा और सभी प्रबंध निर्देशक से आग्रह किया है कि इन नई भर्तियों में सभी संविदा कर्मियों को बिना शर्त नियमित किया जाए और बिजली कंपनियों में 15 वर्षों से कार्यरत आउट सोर्स कर्मचारियों को 50 का आरक्षण दिया जाएं। राकेश डी पी पाठक ने कहा कि बिजली कंपनियों द्वारा कंपनी में कार्यरत कर्मचारियों और उनके परिवार जनों के एक बेहतरीन कैशलेश बीमा योजना प्रारंभ कर दी है। किंतु आज तक सेवा निवृत्त अर्थात पेंशनर्स के लिए योजना प्रारंभ नहीं की गई है, उनके लिए इतना विलंब क्यों जबकि सभी ने एक साथ आवेदन फार्म जमा किए थे। फेडरेशन ने बिजली प्रबंधन से मांग की है कि पेंशनर्स को भी शीघ्र लाभ दिया जाए।पाठक ने शासन से मांग की राज्य के कर्मचारियों और पेंशनर्स को केंद्र के समान महंगाई भत्ता, महंगाई राहत, परिवार पेंशन राहत दी जाएं। पाठक ने कंपनी कैडर के लाईन परिचारको की सेवा निवृत्त आयु 55 बर्ष की जगह सभी के समान 62 बर्ष शीघ्र करने की मांग की। विभिन्न श्रेणियों में व्याप्त वेतन विसंगति को भी शीघ्र दूर करने की मांग रखी। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए यूके पाठक ने फेडरेशन के विषय में दमदार तरीके से जानकारी देते हुए कहा कि हम सबको संगठन को मजबूत करने समुचित प्रयास करना चाहिए। में हर समय आप लोगों के साथ खड़ा हूं। विशिष्ट अतिथि आरएस परिहार ने फेडरेशन द्वारा किए गए कार्यों और गरिमामय इतिहास की जानकारी देते हुए कहा कि नियमित कर्मचारियों के समान पेंशनर्स को भी मेडिकल सुविधा प्रदान की जाएं। परिहार ने कहा कि हम सबको सभी को मिलकर एकजुट होकर फेडरेशन को मजबूत और क्रियाशील करना है। संगठन मंत्री दिनेश दुबे ने कहा पूरे प्रदेश में एकमात्र संगठन फेडरेशन ही है जो शुरू सबसे ज्यादा सदस्यों के साथ कमचारियों के हित के लिए सब कुछ दिलाने वाला संगठन रहा है। फेडरेशन ने हमेशा हर श्रेणी के कर्मचारियों और पेंशनर्स की समस्यायों के समाधान में अहम भूमिका निभाई है। आज भी फेडरेशन पूरी क्षमता के साथ प्रयास और कार्य कर रहा है। फेडरेशन ने कम समय में फिर हर श्रेणी के कर्मचारियों की मांग को प्रशासन के समझ तत्परता से रखा है और हर स्तर के कर्मचारियों को सफलता भी मिली है।अब हम सबको एकजुट होकर कार्य करना है। दुबे ने कहा कि आज इस क्षेत्रीय सम्मेलन से फेडरेशन को नयी ऊर्जा मिली है। अनूप वर्मा ने संविदा और पेंशनर्स की समस्यायों के समाधान करने आव्हान किया। उमाशंकर दुबे ने कहा कि संगठन का विस्तार किया जाए नये लोगों को जोड़ा जाए और उन्हें जिम्मेदारी दी जाएं। उमाशंकर दुबे ने जबलपुर क्षेत्र में फेडरेशन द्वारा चलाए जा रहे अभियान की जानकारी देते हुए कहा कि यह शुरुआत है जबलपुर में शीघ्र प्रांतीय सम्मेलन भी वृहद स्तर पर आयोजित किया जाएगा।श्याम मोहन वर्मा ने सभी वर्गों की समस्यायों के लिए फेडरेशन के प्रयासो को सराहा। मोहन श्रीवास ने फेडरेशन के इतिहास और प्रयासों की सराहना।अवनीश तिवारी फेडरेशन द्वारा चलाए अभियान को बेहतरीन बताया। आई के अग्रवाल ने फेडरेशन द्वारा किए जा रहे कार्यों और संगठन की गतिविधियों पर विस्तृत प्रकाश डाला। शरद उपाध्याय, विजय तिवारी किसलय, सुनील पटेल,सी एस पालीवाल,आर के चौबे ने कमचारियों की समस्यायों के समाधान हेतु फेडरेशन की परम्परा, कार्य संस्कृति को बताया। सभी ने सभी से पुनः फेडरेशन में जुड़ने का आव्हान किया। विनय पाठक, बसंत मिश्रा मोहित पटेल,मनोज पाठक, मोहित पटेल, सुधीर मिश्रा, दीपक मेमने, नरेश दुबे,दिलीप पाठक,अजय चौबे,दयाशंकर सहित अनेक फेडरेशन के साथियों ने अतिथियों का स्वागत किया। फेडरेशन के महामंत्री श्री पाठक ने मुख्यमंत्री को पत्र प्रेषित कर आग्रह किया कि बिजली सेक्टर की प्रगति में अपनी आहूति देने वाले नियमित कर्मचारियों, कंपनी केडर कार्मिकों, संविदा कर्मियों, आउट सोर्स कर्मचारियों और पेंशनर्स की समस्यायों के समाधान कराने की कृपा करें। फेडरेशन के महामंत्री राकेश डीपी पाठक ने बताया कि मांग पत्र में बिजली कंपनियों में लगभग 15 वर्षों से कार्यरत सभी संविदा कर्मचारियों को नियमित पदों पर बिना शर्त तत्काल संविलियन अर्थात नियमित करें। परीक्षण सहायक वर्तमान में 650 नियमित होने के लिए शेष बचे हुए हैं उन्हें भी नियमित करने का शीघ्र निर्णय ले। राकेश पाठक ने कहा कि तीनो विद्युत वितरण कंपनियों में तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के लगभग एक हजार संविदा कर्मचारियों के लिए वन टाइम ट्रांसफर पॉलिसी कंपनी टू कंपनी (गृह जिला कंपनी) स्थानांतरण नीति* बनाई जाएं। फेडरेशन के महामंत्री राकेश डीपी पाठक ने कहा कि बिजली कंपनियों में लगभग *15 वर्षों से कार्यरत आउटसोर्स कमचारियों के लिए नवीन भर्ती में 50 प्रतिशत आरक्षण का लाभ दिया जाना चाहिए । तकनीकी कार्य करने वाले सभी आउट सोर्स कार्मिकों का बीस लाख का बीमा कराया जाएं।राकेश पाठक ने मांग की है कि कंपनी केडर में नियुक्त कार्मिकों को वर्तमान में 70 प्रतिशत, 80 प्रतिशत,90 प्रतिशत और चौथे बर्ष पूरा वेतन वेतन दिया जा रहा है उसकी जगह न्यायालय के आदेशानुसार नियुक्ति दिनांक से ही समान कार्य समान वेतन के तहत पूरा वेतन दिया जाए।नियमित कर्मचारियों को शीघ्र पदोन्नति का लाभ दिया जाए। लम्बे समय से विभिन्न श्रेणियों में व्याप्त वेतन विसंगति को निर्धारित समय-सीमा में दूर किया जाएं। वर्ष 2000 से बर्ष 2012 बीच निधन हुए सभी कर्मचारियों के आश्रितों को बिना शर्त अनुकम्पा नियुक्ति दी जाएं । संविदा में नियुक्त सभी अनुकम्पा नियुक्ति वाले कर्मचारियों को शीघ्र नियमित किया जाए। फेडरेशन के महामंत्री पाठक ने कहा कि मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ राज्य बंटवारे की शर्त धारा 49 (6) 2000 के पूर्व सेवानिवृत्त हुए कमचारियों, पेंशनर्स के लिए ही सिर्फ लागू होती है। इसकी गल्त व्याख्या के कारण 25 वर्षों से आज तक सेवानिवृत्त हो हुएं और हों रहे लगभग सात लाख पेंशनर्स परेशान हैं। अतः शासन 2000 के बाद हुए पेंशनर्स को इस धारा से तत्काल मुक्त करें। नियमित कर्मचारियों के महंगाई भत्ता के साथ ही पेंशनर्स को भी महंगाई राहत, परिवार पेंशन राहत दी जाएं। पेंशनर्स को मेडिकल सुविधा और बिजली सुविधा दी जाएं बिना भेदभाव के। पूरे प्रदेश में आए दिन हो रही बिजली दुर्घटना के कारण एक आउट सोर्स कर्मचारी की अकाल मृत्यु से उसका पूरा परिवार प्रभावित हो रहा है, इस पर रोक लगाई जाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन दिनेश दुबे उमाशंकर दुबे ने और आभार प्रदर्शन दयाशंकर शुक्ला ने व्यक्त किया। इस अवसर पर फेडरेशन ने अभियंता मनोज सोनी, प्रसिद्ध योगाचार्य अवनीश तिवारी, साहित्यकार शरद उपाध्याय, विजय तिवारी किसलय, रंजीत सेन,मुन्ना लाल सोनी का शाल, श्रीफल भेंट कर सम्मान किया।

100 रुपये के लिए टावर पर चढ़ा युवक पुलिस ने दिखाई गांधीगिरी तो उतरा

धनपुरी।

थाना क्षेत्र में उस वक्त सांसे थम गईं, जब एक युवक फिल्मी अंदाज में मोबाइल टावर के शिखर पर जा बैठा। शोले फिल्म के क्लाइमेक्स की याद दिलाने वाला यह वाकया विलीयस नंबर-1 इलाके का है, जहां महज 100 रुपये के लिए 30 वर्षीय युवक गोलू ने मौत की छलांग लगाने की धमकी देकर पुलिस और पब्लिक के पसीने छुड़ा दिए।

100 रुपये की खातिर जिंदगी दांव पर

जानकारी के मुताबिक, गोलू नामक यह युवक मानसिक रूप से विक्षिप्त बताया जा रहा है। उसने किसी से 100 रुपये की मांग की थी, जिसे ठुकराए जाने पर उसका गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। आवेश में आकर गोलू घर के पास स्थित ऊंचे मोबाइल टावर के अंतिम छोर तक चढ़ गया। नीचे खड़े लोग दहशत में थे और ऊपर से युवक मौत का अल्टीमेटम दे रहा था।

थाना प्रभारी की स्मार्ट पुलिसिंग से टला हादसा

घटना की गंभीरता को देखते हुए धनपुरी थाना प्रभारी खेम सिंह पैंद्रो तत्काल दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। जब बल प्रयोग का दांव उल्टा पड़ता दिखा, तो थाना प्रभारी ने सूझबूझ और गांधीगिरी का परिचय दिया। उन्होंने नीचे से ही गोलू को पुचकारा और उसे 100 रुपये देने का वादा किया। पुलिस के इस मानवीय और मनोवैज्ञानिक व्यवहार ने काम किया और करीब एक घंटे के हाई वोल्टेज ड्रामे के बाद युवक सुरक्षित नीचे उतर आया। सुरक्षित नीचे उतरते ही पुलिस ने राहत की सांस ली और युवक को समझा-बुझाकर परिजनों के सुपुर्द किया। भले ही यह मामला सुखद अंत पर खत्म हुआ, लेकिन इसने इलाके में घंटों तक अफरा-तफरी का माहौल बनाए रखा।

कठौतिया में काल बनी अंगीठी

धधकते कच्चे मकान में जिंदा जला 19 साल का मासूम

मां की आंखों के सामने बुझ गया घर का चिराग

शहडोल।

जिले के कोतवाली थाना अंतर्गत ग्राम कठौतिया से एक ऐसी रूह कंपा देने वाली खबर सामने आई है, जिसने मानवीय संवेदनाओं को झकझोर कर रख दिया है। कड़ाके की ठंड से बचने का जतन एक परिवार के लिए मातम में बदल गया। देर रात एक कच्चे मकान में भड़की भीषण आग ने 19 वर्षीय युवक अमित पटेल को जिंदा निगल लिया। इस हृदयविदारक हादसे में एक मां ने अपनी आंखों के सामने अपने जवान बेटे को आग की लपटों में विलीन होते देखा, लेकिन वह बेबस होकर सिर्फ चीखती रह गई।

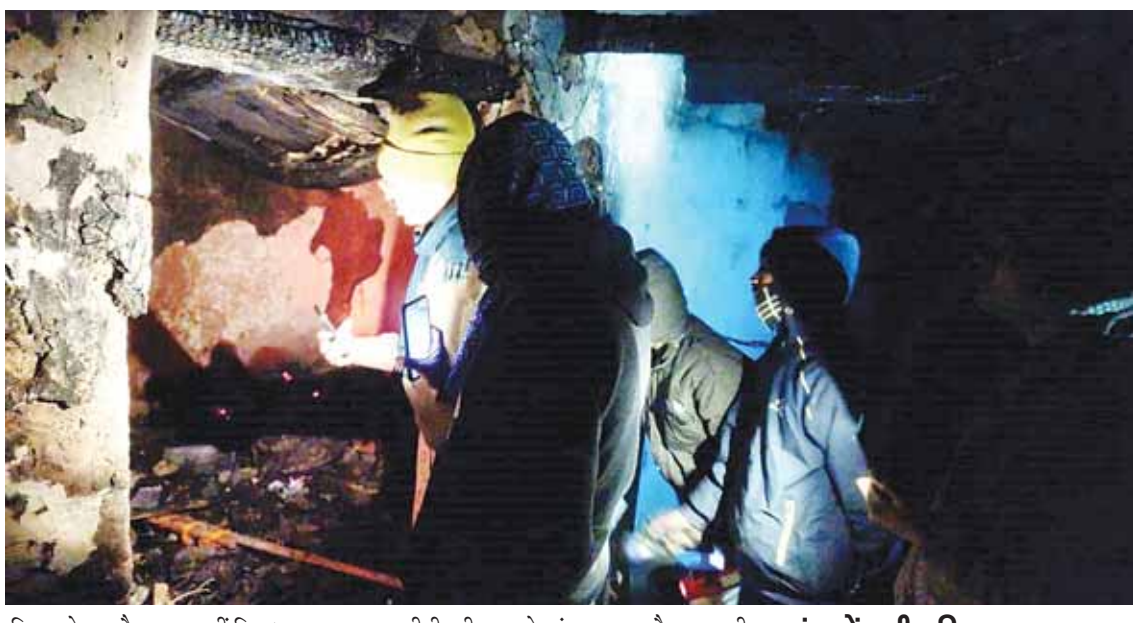

बंद कमरे में तड़पता रहा युवक

हादसा उस वक्त हुआ जब अमित और उसकी मां घर के अलग-अलग कमरों में सो रहे थे। बताया जा रहा है कि अमित के कमरे में ठंड से बचने के लिए जलाई गई अंगीठी या मोमबत्ती काल का कारण बनी। अचानक भड़की लपटों ने खपरैल और लकड़ी से बने कच्चे मकान को पलक झपकते ही आग का गोला बना दिया। जब तक बगल के कमरे में सो रही मां की नींद खुली, पूरा कमरा आग की गिरफ्त में था। मां ने जान जोखिम में डालकर शोर मचाया, ग्रामीण भी दौड़े, लेकिन कमरे से उठती आग की भीषण लपटों और धुएं ने अमित को बाहर निकलने का मौका तक नहीं दिया।

अंधेरे और बदहाली ने छीनी जिंदगी!

इस घटना ने व्यवस्था की बदहाली पर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं। जानकारी के अनुसार, घर में बिजली का कनेक्शन दो दिन पहले ही काट दिया गया था, जिसके कारण घर अंधेरे में डूबा था। इसी अंधेरे को दूर करने या ठंड भगाने के लिए जलाए गए किसी स्रोत ने आग पकड़ ली। बिजली गुल होने और गरीबी की मार ने अंततः एक नौजवान की जिंदगी छीन ली।

मानवीय भूल या मजबूरी

कोतवाली पुलिस का कहना है कि बिजली कनेक्शन कटा होने के कारण शॉर्ट सर्किट की संभावना शून्य है। आशंका जताई जा रही है कि कमरे में जल रही बीड़ी, लालटेन या अंगीठी से उठी एक चिंगारी ने पूरे आशियाने को श्मशान बना दिया। घर में रखा गृहस्थी का तिनका-तिनका जलकर खाक हो गया है।

जांच में जुटी पुलिस

सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी राघवेंद्र तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस हर कोण से मामले की तफ्तीश कर रही है कि आखिर आग लगने की असली वजह क्या थी। यह दर्दनाक हादसा उन तमाम लोगों के लिए एक बड़ी चेतावनी है जो बंद कमरों में अंगीठी या आग जलाकर सोते हैं। आपकी एक छोटी सी लापरवाही पूरे परिवार को उम्र भर का गम दे सकती है।

ग्राम पुटपुरा में मिला मादा बाघ का शव

उमरिया। क्षेत्र संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, उमरिया ने बताया कि निजी राजस्व क्षेत्र, ग्राम पुटपुरा, घटना स्थल बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के धमोखर बफर के बीट पिपरिया के कक्ष क्रमांक पीएफ 112 से लगभग 700 मीटर दूर मादा बाघ का शव मिला है । जिसकी उम्र 4 से 5 वर्ष है । बाघ मृत्यु की सूचना मिलते ही विभागीय अमले द्वारा तुरंत स्थल पर पहुँचकर मानक संचालन प्रक्रिया(एसओपी) के तहत आवश्यक कार्यवाही प्रारम्भ की गई। संभावित मृत्यु का कारण सोलर फेंसिंग में उलझने से लगातार विद्युत प्रवाह बताया जा रहा है। उन्होने बताया कि घटना की जानकारी प्राप्त होते ही वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया तथा वन्यप्राणी अपराध नियंत्रण ब्यूरो एवं राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के निर्देशानुसार एस ओ पी अनुसार प्रक्रियाएँ शुरू की गईं। मृत बाघ का पंचनामा तैयार कर स्थल संरक्षण किया गया।डॉग स्क्वाड से शव तथा स्थल की जांच कराई गई साथ ही मेटल डिटेक्टर से शव की जांच की गई।सक्षम वन्य चिकित्सको की उपस्थिति में विस्तृत पोस्टमॉर्टम परीक्षण किया गया। नमूना संकलन विधिवत किया गया, जिसे परीक्षण हेतु अधिकृत प्रयोगशाला प्रेषित किया जाएगा।आवश्यक कार्यवाही उपरांत शवदाह की कार्यवाही की गई।

शंकर ज्वेलर्स टैक्स चोरी की चल रही जांच, दो दिन से कार्यवाही जारी

रीवा।

जिले के चाकघाट कस्बे में जीएसटी विभाग की बड़ी कार्रवाई से व्यापारिक हलकों में हड़कंप मच गया है। गौरा रोड स्थित शंकर ज्वेलर्स शॉप में शुक्रवार शाम करीब 5 बजे जीएसटी टीम ने छापामार कार्रवाई शुरू की, जो शनिवार को दूसरे दिन भी लगातार जारी रही। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई वाणिज्यकर मुख्यालय के निर्देश पर की गई है। एंटी इवेजन ब्यूरो, सतना की 12 सदस्यीय टीम ने शंकर ज्वेलर्स की दुकान में रिसर्च एवं सीजर की कार्रवाई प्रारंभ की। टीम द्वारा दुकान में मौजूद सोने-चांदी के स्टॉक के साथ-साथ क्रय-विक्रय से संबंधित बिल, रिकॉर्ड और अन्य दस्तावेजों की गहन जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में स्टॉक और दस्तावेजों के मिलान की प्रक्रिया चल रही है। अधिकारियों का कहना है कि यदि दस्तावेजों और वास्तविक स्टॉक में अंतर पाया जाता है, तो टैक्स चोरी से संबंधित स्थिति स्पष्ट हो सकेगी और उसी के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जीएसटी विभाग की यह कार्रवाई लगातार दूसरे दिन भी जारी रहने से चाकघाट सहित आसपास के क्षेत्रों के व्यापारियों में चर्चा और चिंता का माहौल बना हुआ है। फिलहाल विभागीय अधिकारी जांच पूरी होने के बाद ही किसी भी प्रकार की आधिकारिक जानकारी साझा करने की बात कह रहे हैं।

सिंचाई के लिए निकले किसान की बाघ के हमले में हुई मौत

बाघ के बढ़ते खतरे के बावजूद पेंच प्रबंधन की लापरवाही उजागर

पेंच टाइगर रिजर्व क्षेत्र में एक बार फिर मानव-वन्यजीव संघर्ष ने एक निर्दोष किसान की जान ले ली, लेकिन इस दर्दनाक घटना के बाद भी पेंच प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

16 जनवरी 2026 की रात्रि खेत में सिंचाई के लिए निकले किसान राजकुमार कहार की बाघ के हमले में हुई मौत ने प्रबंधन की तैयारियों और सुरक्षा दावों की पोल खोल दी है।

स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि पेंच टाइगर रिजर्व से सटे गांवों में बाघों की लगातार आवाजाही की जानकारी पहले से थी। इसके बावजूद न तो वन विभाग द्वारा पर्याप्त गश्त की गई और न ही ग्रामीणों को समय रहते कोई ठोस चेतावनी या सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराई गई। खेतों तक जाने वाले मार्गों पर न लाइट की व्यवस्था है और न ही कोई सुरक्षा घेरा, जिससे रात के समय ग्रामीण सबसे अधिक असुरक्षित हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग हर बार घटना के बाद केवल औपचारिक कार्रवाई कर मुआवजा देकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या एक परिवार के मुखिया की जान की कीमत सिर्फ सहायता राशि से चुकाई जा सकती है? मृतक के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है, वहीं छोटे बच्चों और पत्नी के सामने आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

यह भी आरोप लगाए जा रहे हैं कि पेंच प्रबंधन द्वारा मानव-वन्यजीव संघर्ष को रोकने के लिए कोई दीर्घकालिक योजना नहीं बनाई गई है। न तो गांवों के आसपास सोलर फेंसिंग की व्यवस्था है, न ही रात्रिकालीन निगरानी दल सक्रिय हैं। बार-बार होने वाली घटनाओं के बावजूद प्रबंधन का रवैया केवल घटना के बाद कार्रवाई तक सीमित है।

ग्रामीणों और सामाजिक संगठनों ने पेंच टाइगर रिजर्व प्रबंधन से मांग की है कि गांवों के आसपास बाघों की मूवमेंट पर सख्त निगरानी की जाए, खेतों और गांवों तक जाने वाले मार्गों पर पर्याप्त रोशनी और सुरक्षा इंतजाम किए जाएं, रात्रि गश्त बढ़ाई जाए और त्वरित चेतावनी तंत्र विकसित किया जाए, तथा मानव-वन्यजीव संघर्ष रोकने के लिए ठोस और स्थायी नीति बनाई जाए।

यदि समय रहते पेंच प्रबंधन ने गंभीर कदम नहीं उठाए, तो ऐसी घटनाएं दोहराने से इनकार नहीं किया जा सकता। सवाल यह है कि आखिर कब तक ग्रामीण अपनी जान जोखिम में डालकर खेती करने को मजबूर रहेंगे और कब तक प्रबंधन केवल कागजी दावों में उलझा रहेगा।

सिवनी में साईं भक्ति का महापर्व 19 से पहली बार होंगे साईं बाबा की मूल चरण पादुका के दिव्य दर्शन

हरिभूमि न्यूज सिवनी। जिले में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिलने जा रहा है। साईं बाबा द्वारा धारण की गई मूल चरण पादुका के दिव्य दर्शन का सौभाग्य सिवनीवासियों को पहली बार प्राप्त होगा। इस पावन अवसर पर साईं उत्सव एवं साईं मेला का आयोजन 19 जनवरी से 22 जनवरी 2026 तक साईंपुरम, सिवनी (म.प्र.) में किया जाएगा। आयोजन की शुरुआत 19 जनवरी 2026 को प्रातः 10 बजे भव्य साईं पालकी एवं चरण पादुका दर्शन शोभायात्रा के साथ होगी। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था को सुदृढ़ करेगा, बल्कि पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक वातावरण का सृजन भी करेगा। आयोजकों के अनुसार यह मध्यप्रदेश में प्रथम अवसर है, जब सिवनी की पावन धरा पर साईं बाबा की दिव्य चरण पादुका का आगमन हो रहा है। चार दिवसीय इस साईं उत्सव के दौरान भजन, कीर्तन, सत्संग एवं विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिससे श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर हो सकेंगे। इस भव्य आयोजन का दायित्व श्री शिरडी साईं मंदिर ट्रस्ट, साईंपुरम, सिवनी (म.प्र.) द्वारा निभाया जा रहा है। ट्रस्ट ने समस्त श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर साईं बाबा के दिव्य दर्शन का लाभ लें और इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बनें।

नाबालिग के साथ गलत काम करने वाले आरोपी को 20 साल की सजा

नौगांव/छतरपुर। विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट/उपेन्द्र देशवाल ने नाबालिग बालक के साथ दुराचार करने के मामले में कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए आरोपी पप्पू उर्फ कमलेश सैनी को पॉक्सो एक्ट की धारा 4(2) में 20 साल की कठोर कैद के साथ 15 हजार रुपये के जुर्माना की सजा सुनाई, साथ ही पीड़ित बालक के भविष्य और मानसिक आघात को देखते हुए उसे डेढ़ लाख रुपए का मुआवजा देने का भी आदेश दिया है। पीड़ित बालक अपने पिता व भाई के थाना नौगांव में उपस्थित होकर रिपोर्ट लेख कराई कि आज दिनांक 27 जनवरी 2023 को वह नौगांव से दूध बांटकर अपनी साइकिल से घर जा रहा था, कि तभी सुबह करीब 08:30 बजे उसके घर के पहले आरोपी पप्पू उर्फ कमलेश सैनी जिसे वह पहले से जानता था, मिला वह उससे बोला कि उसे मोबाईल नम्बर लगाना नहीं आता है, तुम उसके मोबाइल से फोन लगा दो और यह कह कर उसे वहीं जंगल में ले

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन के नेतृत्व में दावोस में निवेश अभियान

मध्य प्रदेश एक बार फिर वैश्विक निवेश केंद्र वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में दर्ज कराएगा सशक्त मौजूदगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र एक बार फिर वैश्विक निवेश केंद्र वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) 2026 के मंच पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराने जा रहा है। निवेश, उद्योग और रोजगार सृजन को राज्य की विकास नीति का केंद्र बनाते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बीते एक वर्ष में देश-विदेश में निरंतर निवेश संवाद किया है। अब जनवरी में दावोस दौरे के जरिए मप्र मैन्युफैक्चरिंग, रिन्यूएबल एनर्जी, लॉजिस्टिक्स, टैक्सटाइल, रसायन उद्योग और फूड प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों में वैश्विक उद्योग जगत से संवाद कर मप्र आमंत्रित किया जाएगा। इस वर्ष वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की थीम द स्प्रिट ऑफ डायलॉग रखी गई है, जो सहयोग और साझेदारी पर आधारित विकास मॉडल को रेखांकित करती है।

इसी भावना के अनुरूप मप्र अपनी सहभागिता के साथ दावोस में निवेश-केंद्रित संवाद, नीति प्रस्तुतिकरण और रणनीतिक साझेदारियों पर फोकस करेगा। लगभग पांच वर्षों बाद राज्य सरकार की औपचारिक भागीदारी को वैश्विक मंच पर मप्र की नई आर्थिक ऊर्जा और प्रशासनिक तत्परता के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

फाइल फोटो

निवेश नीतियों को सरल, पारदर्शी और उद्योग अनुकूल बनाया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने निवेश नीतियों को सरल, पारदर्शी और उद्योग-अनुकूल बनाया है। ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस, त्वरित निर्णय प्रणाली और भूमि-आवंटन की सरल प्रक्रिया को दावोस में वैश्विक निवेशकों के समक्ष प्रमुखता से रखा जाएगा। राज्य का उद्देश्य केवल निवेश प्रस्ताव प्राप्त करना नहीं, बल्कि दीर्घकालिक और भरोसेमंद साझेदारी विकसित करना है। दावोस में मप्र की सहभागिता के दौरान वैश्विक सीईओ और अध्यक्षों के साथ बैठकों में औद्योगिक विस्तार, निर्यात क्षमता और रोजगार सृजन पर चर्चा होगी। मप्र की औद्योगिक प्राथमिकताओं और निवेश-अनुकूल वातावरण को प्रस्तुत किया जाएगा।

वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं से जोड़ने की दिशा में आगे बढ़ेगा मप्र

मप्र विशेष रूप से कृषि एवं फूड प्रोसेसिंग, बायोटेक-फार्मा-हेल्थकेयर, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा, टैक्सटाइल एवं गारमेंट, रियल एस्टेट, परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स, शिक्षा और खेल अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में निवेश संवाद करेगा। लोकल टू ग्लोबल रणनीति के तहत मप्र अपने संसाधनों और कुशल मानव-शक्ति को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं से जोड़ने की दिशा में आगे बढ़ेगा। दावोस एजेंडे में ऊर्जा और रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र में अडानी समूह के साथ मुरैना विद्युत वितरण से जुड़े एमओयू, अडानी डिफेंस के साथ रक्षा उत्पादन में सहयोग, स्विट्ज़रलैंड की शिवाग एजी को औद्योगिक भूमि आवंटन, डीपी वर्ल्ड (यूएई) के साथ स्ट्रेटेजिक लॉजिस्टिक्स हब और फ्रांस की सानोफी द्वारा भोपाल में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस जैसे प्रस्ताव शामिल हैं।

मप्र में सेंटर फॉर फोर्थ इंडस्ट्रियल रिवोल्यूशन की स्थापना का प्रस्ताव भी शामिल

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के सहयोग से मप्र में सेंटर फॉर फोर्थ इंडस्ट्रियल रिवोल्यूशन (सी4आईआर) की स्थापना का प्रस्ताव भी इस दौरे का प्रमुख आकर्षण है। कृषि-प्रौद्योगिकी, फूड प्रोसेसिंग, जलवायु अनुकूलन और सतत विकास पर केंद्रित इस केंद्र को लेकर 19 जनवरी को एमपीआईडीसी और वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम के बीच एमओयू हस्ताक्षर प्रस्तावित है। मप्र की दावोस सहभागिता का केंद्र बिंदु राज्य के प्राथमिक फोकस सेक्टर्स को वैश्विक निवेश मानचित्र से जोड़ना है। कृषि एवं फूड प्रोसेसिंग, मैन्युफैक्चरिंग, लॉजिस्टिक्स, टेक्सटाइल, रसायन उद्योग, रियल एस्टेट और निर्यात उन्मुख उद्योगों में निवेश के अवसरों को रणनीतिक रूप से प्रस्तुत किया जाएगा। राज्य सरकार का उद्देश्य ऐसे निवेश को आकर्षित करना है जो तकनीक, कौशल विकास और स्थानीय रोजगार को बढ़ावा दे।

खबर संक्षेप

कलेक्टर-कमिश्नर कांफ्रेंस 21 को

भोपाल। मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता में आगामी 21 जनवरी बुधवार को कलेक्टर-कमिश्नर कांफ्रेंस के प्रतिवेदन की समीक्षा बैठक सुबह 11 बजे से मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल में होगी। कांफ्रेंस में कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक कांफ्रेंस के बिंदुओं के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा होगी। मंत्रालय में होने वाली इस कांफ्रेंस में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी सम्मिलित होंगे जबकि कलेक्टर, कमिश्नर और पुलिस अधीक्षक वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सहभागिता करेंगे।

शर्मा के बयान की निंदा की वकील शबनम ने

भोपाल। वीएचपी नेता संतोष शर्मा द्वारा विगत दिनों दिए एक बयान को लेकर राजधानी की मुस्लिम समाज की महिलाओं में रोष देखने को मिल रहा है। इसी के तहत अधिवक्ता शबनम खान ने उस बयान को अत्यंत आपत्तिजनक, संवैधानिक मूल्यों के विरुद्ध, आपराधिक प्रकृति का और सामाजिक सौहार्द को बिगड़ने वाला बताया है। उन्होंने कहा कि यदि ऐसे बयान दोहराए जाते हैं, तो वे जिला एवं राज्य प्रशासन को ज्ञापन सौंपेंगी। संविधान के दायरे शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से शर्मा के निवास के सामने धरना-प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगी।

आईपीएस मीट के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव

देश की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने में पुलिस का सबसे महत्वपूर्ण योगदान: सीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

आईपीएस मीट के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पुलिस विभाग के कामकाज को लेकर पुलिस कार्य में चुनौतियां का जिक्र किया। साथ ही नक्सलवाद की समस्या का पूर्ण उन्मूलन की पुलिस को बधाई दी। उन्होंने कहा कि नई ऊर्जा का संचालन करने के लिए श्रीकृष्ण भगवान की सेना के अनुशासन का हमें प्रेरणा लेनी चाहिए। हमारे देश की आंतरिक सुरक्षा और प्रशासनिक तंत्र को मजबूत करने में पुलिस का सबसे महत्वपूर्ण योगदान होता है। साथ ही कहा कि पुलिस अधिकारी समागम के दो दिनों में अपने अनुभव साझा कर उत्साह के साथ समागम का आनंद लें।

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने वर्ष 2025 में मध्य प्रदेश पुलिस की उपलब्धियों और चुनौतियों के विषय में संबोधन दिया तथा नक्सल समस्या का उन्मूलन, डायल 112 का संचालन, ई-जीरो एफआईआर, पुलिस के उत्कृष्ट कार्य, गुम बालक बालिकाओं की दस्तयाबी, सेफ क्लिक अभियान, तनाव मुक्ति का प्रयास, नशा मुक्ति अभियान, पुलिस भर्ती बोर्ड, इन्वेस्टीगेशन अलाउंस आदि विषयों पर संबोधन दिया तथा उज्जैन महाकुंभ की तैयारियों की जानकारी दी।

श्रीकृष्ण भगवान की सेना के अनुशासन से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में डीजीपी मकवाणा और अधिकारियों का समूह।

आपसी समन्वय और पारिवारिक कार्यक्रम के लिए आईपीएस मीट का आयोजन

भारतीय पुलिस सेवा संघ, मध्यप्रदेश द्वारा वर्ष 2026 का वार्षिक सम्मेलन 16 एवं 17 जनवरी 2026 को भोपाल में आयोजित किया जा रहा है। दो दिवसीय इस आयोजन में प्रदेश भर के भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी तथा उनके परिजन सहभागिता करेंगे। सर्विस मीट का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों के बीच आपसी समन्वय को सुदृढ़ करना, व्यावसायिक विचार-विमर्श को प्रोत्साहित करना तथा सांस्कृतिक और पारिवारिक सहभागिता के माध्यम से सौहार्दपूर्ण वातावरण का निर्माण करना है।

कार्यक्रम को संबोधित करते सीएम।

मनोविज्ञान पर स्पीकर ने दिया प्रजेंटेशन

उपरांत स्पीकर राजेश पंडित ने इन साइड द माइंडस आई पर सारगर्भित व्याख्यान दिया गया। राजेश पंडित एक प्रतिष्ठित प्रबंधन सलाहकार, शिक्षाविद और स्टार्टअप सलाहकार हैं। उन्होंने मनोविज्ञान में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है तथा प्रतिष्ठित संगठनों में नेतृत्व पदों पर रहते हुए वैश्विक और भारतीय दोनों ग्राहकों का प्रबंधन किया है। एक व्यावहारिक शिक्षाविद के रूप में, वे आईआईएम अहमदाबाद और इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस हैदराबाद में पढ़ाते हैं। उनका जीवन का ध्येय भारतीय युवाओं की सफलता में योगदान देना है।

19 से 29 जनवरी तक चलेगी बैठकें

बजट पेश करने की विभागों की तैयारियां लगभग पूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश में सरकार फरवरी में बजट पेश करने जा रही है। इस बजट को पूरा करने के लिए मुख्य सचिव अनुराग जैन और अतिरिक्त मुख्य सचिव फाइनेंस के साथ सभी विभागों की बैठक आखिरी दौर की होगी। उसके बाद एक चर्चा बैठक उप मुख्यमंत्री व वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा करेंगे। सभी विभागों को बैठक में शामिल होने के लिए निर्देश दे दिए हैं। 19 जनवरी से लेकर 29 जनवरी तक वित्त विभाग सभी विभागों की मैराथन बैठक करेगा कि विभाग को कितना बजट आवंटित किया जाएगा। साथ ही सरकार के काम और जनता के बीच योजनाओं की डिलीवरी पर भी बातचीत होगी।

इन बैठकों को लेकर वित्त विभाग ने आदेश जारी कर विभागों के प्रमुख सचिव और सचिव स्तर के अधिकारियों को बैठक में मौजूद रहने के लिए कहा गया है। सबसे पहले पशुपालन विभाग की बैठक 19 जनवरी को है। इसके साथ चार और विभाग भी शामिल किए गए हैं। बजट तैयारी की समीक्षा को जल्द समय पूरा करने के लिए एक दिन में तीन से चार विभागों की बैठक होगी। बैठकों में करीब 31 विभाग शामिल होंगे। साथ ही आगामी दिनों में वित्त मंत्री के सुझाव को भी शामिल किया जाएगा। वित्त मंत्री इन दिनों बजट को लेकर कई एक्सपर्ट से बातचीत कर रहे हैं।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बलौदाबाजार, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)
Tel.No.07727-223138 E-mail : cmobalodabazar@rediffmail.com & cmobalodabazar@ymail.com

क्रमांक / 951 / लो.नि.वि./ न.पा.प. / 2026 बलौदाबाजार, दिनांक 16/01/2026

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना
main portal – http://cgeprocurment.gov.in
Sub portal-http://uadd.cgeprocurement.gov.in
Email-cmobalodabazar@rediffmail.com

नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार क्षेत्रांतर्गत निम्नलिखित कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारो से ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम टेंडर के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सिस्टम टेण्डर नंबर	कार्य का नाम	लागत राशि (लाख में)	अमानत राशि (एफ.डी. आर. के माध्यम से)	निविदा फार्म शुल्क (डी.डी.)	समयावधि	निविदा दरें प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
01	183557	निकाय में अकुशल / अर्द्धकुशल / कुशल / उच्च कुशल प्लेसमेंट श्रमिक एवं स्वच्छता कमाण्डो श्रमिकों की आपूर्ति कार्य (तृतीय निविदा)।	106.66	80000.00	3000.00	12 माह	27.01.2026

उपरोक्त कार्यों की निविदा की विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से एवं विभागीय वेबसाईट www.uad.cg.gov.in एवं https://eproc.cgstate.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार

मौके से स्वचलित हथियार बरामद करने की कोशिश में सुरक्षाबल

नेशनल पार्क इलाके में मुठभेड़, दो नक्सलियों के मारे जाने की खबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीजापुर

जिले के नेशनल पार्क इलाके में एक बड़ी मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में दो नक्सलियों के मारे जाने व मौके से स्वचालित हथियार बरामद होने की खबर है। हालांकि, घटना की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, जिले के नेशनल पार्क के घने जंगलों में सुबह से सुरक्षाबलों व नक्सलियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी है।

इस इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर ऑपरेशन शुरु किया था। सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम द्वारा सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। इसी बीच जवानों और नक्सलियों में मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में दो नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। वहीं, मौके से दो एके 47 रायफल के बरामद होने की भी सूचना है। वहीं, दूसरी ओर बताया जा रहा है कि जिस इलाके में यह मुठभेड़ चल रही है, उस इलाके में कुछ बड़े नक्सली लीडरों की मौजूदगी की सूचना भी है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, मुठभेड़ में नक्सलियों की नेशनल पार्क एरिया कमेटी का चीफ दिलिप बेड़जा मारा गया है। दिलीप बेड़जा के साथ एक अन्य नक्सली का शव बरामद हुआ है। मुठभेड़ स्थल पर नक्सलियों का बड़ा चेहरा पापाराव की मौजूदगी की भी खबर है। पूरे इलाको को सुरक्षाबलों ने घेर रहा है।

अनियंत्रित कार पुल से नीचे गिरी, बाल-बाल बची जान

रायगढ़। जिले में बीती रात राष्ट्रीय राजमार्ग-49 पर एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर छोटे पुल से नीचे गिर गई। इस भीषण सड़क दुर्घटना में कार में सवार तीन लोगों की जान बाल-बाल बची है। यह घटना खरसिया थाना क्षेत्र के ग्राम बोतल्दा के पास हुई, जो जिले में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं की कड़ी का हिस्सा है। रायगढ़ जिले में आए दिन हो रही सड़क दुर्घटनाएं एक गंभीर चिंता का विषय बन गई हैं। तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाना इन दुर्घटनाओं का मुख्य कारण बताया जा रहा है। एनएच-49 जैसे व्यस्त राजमार्गों पर सुरक्षा मानकों का पालन न करना कई बार जानलेवा साबित होता है। यह हादसा बीती रात करीब 11 बजे उस समय हुआ जब एक स्विफ्ट डिजायर कार बिलासपुर से कोतबा की ओर जा रही थी। ग्राम बोतल्दा के पास एक अन्य वाहन को ओवरटेक करने के प्रयास में कार चालक अपना नियंत्रण खो बैठा।

कार्यालय मुख्य वन संरक्षक एवं क्षेत्र संचालक, पेंच टाइगर रिजर्व, सिवनी (म.प्र.)

ई टेण्डर क्रमांक/स्टोर/137 **संक्षिप्त निविदा विज्ञप्ति** सिवनी/दिनांक/10/01/26

पेंच टाईगर रिजर्व, सिवनी (म.प्र.) के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में वन्यप्राणियों के निश्चेतन दवाईयां क्रय करने के हेतु अनुमानित लागत 3,50,000 /- (तीन लाख पचास हजार) रुपए हेतु विभिन्न फर्मो से ई-टेण्डरिंग पद्धति के अंतर्गत ऑनलाईन निविदा www.mptenders.gov.in पर Key date and time अनुसार आमत्रित की जाती है समस्त शर्ते एवं अन्य जानकारी डा. अखिलेश मिश्रा, वन्यप्राणी चिकित्सक, पेंच टाइगर रिजर्व, सिवनी से संपर्क स्थापित कर प्राप्त की जा सकती है।

S.No.	Drug Name	Qty. (vial अनुमानित)
1	Ketamine 25ml (100mg/ml)	17

टीप उपरोक्त दवाई की मात्रा किसी भी सीमा तक कम या अधिक हो सकती है।

Bid Submission Start Date & time निविदादर प्रस्तुत करने की प्रारंभिक तिथि	14/01/2026 TIME 10.00 AM
Bid Submission closing Date & time निविदादर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	23/01/2026 TIME 05.00 PM
Bid Opening Date निविदा खोलने का दिनांक	27/01/2026 TIME 12.00 PM

उप संचालक
G-24486/25 "स्वच्छता ही सेवा" पेंच टाईगर रिजर्व सिवनी (म. प्र.)

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
नागपुर मंडल में LC गेट्स की इंटरलॉकिंग के लिए ई-निविदा

वरिष्ठ मंडल सिग्नल व दूरसंचार अभियंता, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उन की ओर से निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:
निविदा सूचना क्रमांक: ST-Interlocking-CI68-26-8 दिनांक: 09.01.2026
कार्य का नाम: नागपुर मंडल में एसएंडटी सम्बंधित कार्य - TVU>10,000 वाले नॉन-इंटरलॉक LC गेट्स **CI-68, CI-99, CI-104** और **CI-108** की इंटरलॉकिंग और गेट सिग्नलिंग से इंटरलॉक करना।
निविदा मूल्य: ₹ 2,47,94,588/-,
बिड सिक्युरिटी: ₹ 2,74,000/-,
समापन अवधि: 12 (बारह) महीने।
निविदा प्रस्तुति: बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियां दि. **02.02.2026** के **15:00** बजे तक जमा कर सकेंगे। अन्य विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।
मंडल सिग्नल व दूरसंचार अभियंता,
AIM/62-279 दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

क्षेत्रीय कार्यालय, मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जबलपुर
लोक सुनवाई की आम सूचना

सर्वसंबंधितों को सूचित किया जाता है कि भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली की पर्यावरण प्रभाव आंकलन अधिसूचना क्रमांक एस.ओ. 1533 दिनांक 14/9/2006 यथा संशोधित के प्रावधानों के अन्तर्गत **मेसर्स भारती टेक्नों प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड मड़ई स्टोन (Used for Crusher as Gitti) बोल्डर, मुरूम एण्ड एम-सेन्ड- 30,002 घनमीटर प्रतिवर्ष, खसरा नं. 93, 95/1, 95/2, 96, 97/1, 97/2/1, 97/2/2, 98/1, 98/2, 98/3 एवं 111, ग्राम मड़ई, तहसील कुण्डम, जिला जबलपुर, लीज क्षेत्रफल 7.33 हेक्टेयर** हेतु पर्यावरण स्वीकृति के लिये भारत सरकार पर्यावरण एवं वन मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा गठित राज्य स्तरीय विशेषज्ञ आंकलन समिति भोपाल से पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त करने के अनुक्रम में लोक सुनवाई कराने हेतु म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भोपाल में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त परियोजना से संबंधित ई.आई.ए. रिपोर्ट एवं परियोजना का कार्यकारी सारांश हिन्दी व अंग्रेजी में साफ्ट कापी सहित का अवलोकन (1) कार्यालय कलेक्टर जबलपुर (2) कार्यालय जिला पंचायत, जबलपुर (3) कार्यालय जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र जबलपुर (4) कार्यालय ग्राम पंचायत ग्राम मड़ई, तहसील कुण्डम, जिला जबलपुर (5) अतिरिक्त प्रधान मुख्य संरक्षक, केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु-परिवर्तन मंत्रालय, केन्द्रीय पर्यावरण भवन लिंक रोड क्रमांक 3 राजयोग भवन के पास ई-5 अरेरा कॉलोनी, भोपाल (6) मुख्यालय म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, ई-5, अरेरा कालोनी भोपाल एवं (7) क्षेत्रीय कार्यालय म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड प्लाट नं. 455/456, विजय नगर, जबलपुर में कार्यालयीन समय में किया जा सकता है तथा इसे बोर्ड की वेबसाइड www.mppcb.nic.in पर भी देखा जा सकता है। जिस किसी व्यक्ति को उक्त खदान के पर्यावरणीय विषय के संबंध में कोई सुझाव, विचार, टीका टिप्पणी एवं आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह इस सूचना के जारी होने के दिनांक से 30 दिवस के अन्दर क्षेत्रीय अधिकारी म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड विजय नगर, जबलपुर (म.प्र.) के कार्यालय में मौखिक अथवा लिखित रूप से कार्यालयीन समय में प्रस्तुत की जा सकती है। **इस परियोजना के लिए लोक सुनवाई दिनांक 20/02/2026 दिन शुक्रवार को प्रातः 01.00 बजे मेसर्स भारती टेक्नों प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड मड़ई स्टोन, ग्राम मड़ई, तहसील कुण्डम, जिला जबलपुर के खदान परिसर में आयोजित की जायेगी।** जिसमें भी सुझाव, विचार, टीका/टिप्पणी एवं आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है।
क्षेत्रीय अधिकारी

BISA Borlaug Institute for South Asia
बोरलॉग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया
लखनवाड़ा, जबलपुर
सूचना
बोरलॉग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया (BISA) गेहूं अनाज (बचे हुए बीज 898.84 क्विंटल, मिश्रित किस्म के गेहूं अनाज 662.28 क्विंटल, छोटे आकार के 769.19 क्विंटल और छोटे आकार के II-m. अपशिष्ट 229.40 क्विंटल) की बिक्री के लिए सीलबंद कोटेशन आमंत्रित करता है। यह अनाज रिसर्च स्टेशन/ शोध केंद्र लखनवाड़ा, गांव सोनपुर के पास, जबलपुर में उपलब्ध है। कृपया RFQ और नियमों व शर्तों के साथ अधिक जानकारी जानने व डाउनलोड करने के लिए https://bisa.org/job/rfq-for-the-sale-of-wheat-leftover-seeds-and-mixed-grain/ पर जाए या अवलोकन करें। सीलबंद कोटेशन हाथों-हाथ से अथवा भारतीय डाक द्वारा जमा करने की अंतिम तिथि: 28 जनवरी 2026 है।

क्षेत्रीय कार्यालय, मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जबलपुर
लोक सुनवाई की आम सूचना

सर्वसंबंधितों को सूचित किया जाता है कि भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली की पर्यावरण प्रभाव आंकलन अधिसूचना क्रमांक एस.ओ. 1533 दिनांक 14/9/2006 यथा संशोधित के प्रावधानों के अन्तर्गत **श्री वीरेन्द्र कुमार, मड़ई स्टोन/ बोल्डर, मुरूम एण्ड एम.सेन्ड क्वारी माईनिंग ऑफ मिनरल्स, प्रस्तावित पोडक्शन क्षमता-स्टोन/बोल्डर : 20,001 घनमीटर प्रतिवर्ष, एम सेन्ड : 20,001 घनमीटर प्रतिवर्ष एण्ड मुरूम- 10,706 घनमीटर प्रतिवर्ष, लीज क्षेत्र 3.53 हेक्टेयर, खसरा क्रमांक 88/1, 88/2, 88/3, 88/4, 90, 91, 92/1, 92/2, ग्राम मड़ई, तहसील कुण्डम, जिला जबलपुर (म.प्र.)** हेतु पर्यावरण स्वीकृति के लिये भारत सरकार पर्यावरण एवं वन मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा गठित राज्य स्तरीय विशेषज्ञ आंकलन समिति भोपाल से पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त करने के अनुक्रम में लोक सुनवाई कराने हेतु म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भोपाल में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त परियोजना से संबंधित ई.आई.ए. रिपोर्ट एवं परियोजना का कार्यकारी सारांश हिन्दी व अंग्रेजी में साफ्ट कापी सहित का अवलोकन (1) कार्यालय कलेक्टर जबलपुर (2) कार्यालय जिला पंचायत, जबलपुर (3) कार्यालय जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र जबलपुर (4) कार्यालय ग्राम पंचायत ग्राम मड़ई, तहसील कुण्डम, जिला जबलपुर (5) अतिरिक्त प्रधान मुख्य संरक्षक, केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु-परिवर्तन मंत्रालय, केन्द्रीय पर्यावरण भवन लिंक रोड क्रमांक 3 राजयोग भवन के पास ई-5 अरेरा कॉलोनी, भोपाल (6) मुख्यालय म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, ई-5, अरेरा कालोनी भोपाल एवं (7) क्षेत्रीय कार्यालय म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड प्लाट नं. 455/456, विजय नगर, जबलपुर में कार्यालयीन समय में किया जा सकता है तथा इसे बोर्ड की वेबसाइड www.mppcb.nic.in पर भी देखा जा सकता है। जिस किसी व्यक्ति को उक्त खदान के पर्यावरणीय विषय के संबंध में कोई सुझाव, विचार, टीका टिप्पणी एवं आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह इस सूचना के जारी होने के दिनांक से 30 दिवस के अन्दर क्षेत्रीय अधिकारी म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड विजय नगर, जबलपुर (म.प्र.) के कार्यालय में मौखिक अथवा लिखित रूप से कार्यालयीन समय में प्रस्तुत की जा सकती है। **इस परियोजना के लिए लोक सुनवाई दिनांक 20/02/2026 दिन शुक्रवार को प्रातः 11.00 बजे श्री वीरेन्द्र कुमार, मड़ई स्टोन/ बोल्डर, मुरूम एण्ड एम.सेन्ड क्वारी, ग्राम मड़ई, तहसील कुण्डम, जिला जबलपुर के खदान परिसर में आयोजित की जायेगी।** जिसमें भी सुझाव, विचार, टीका/टिप्पणी एवं आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है।
क्षेत्रीय अधिकारी

पश्चिम मध्य रेल
खुली निविदा
मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु निर्धारित ई-निविदा आमंत्रित करते है। (1) **निविदा सूचना क्रमांक:** जबल-एन-सिंग-टेंडर-2026-4 **कार्य का नाम लोकेशन सहित:** पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर डिवीजन के कैमा स्टेशन पर दो अतिरिक्त लोडिंग लाइन, नए शंटिंग नेक, डबल एग्जिट और कंटेनर रेल टर्मिनल (सीआरटी) के विकास से संबंधित एसएंडटी कार्य कार्य। **निविदा का अनुमानित मूल्य:** ₹21074257.55/- **निविदा फॉर्म की कीमत:** ₹ 00/- **कार्यालय का पता:** मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) कार्यालय, प्रथम तल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, जबलपुर **बयाना राशि:** ₹ 255400.00/- **समापन अवधि (माह):** 11 माह **निविदा बंद होने एवं खुलने की अंतिम तिथि एवं समय:** दिनांक 06.02.2026 को 15.00 बजे तक बंद होगी एवं 15.00 बजे के बाद खोली जाएगी। निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेलवे वेबसाइट "https://ireps.gov.in" पर उपलब्ध है तथा मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) कार्यालय, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है। उक्त निविदा उक्त वेबसाइट से ऑनलाइन आवेदन की जा सकती है।
(हस्ता.)
मण्डल रेल प्रबन्धक (संकेत एवं दूरसंचार)
प.म.रे., जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

LIC HFL LIC HOUSING FINANCE LTD
एलआईसी हाऊसिंग फायनेंस लि.
एरिया ऑफिस :-18, सिविक सेंटर, खंडेलवाल कॉम्प्लेक्स, प्रभु वंदना टॉकीज के सामने, मराठाल, जबलपुर – 482001 (म.प्र.) फोन नं. 0761-2401338, Website: www.lichousing.com

परिशिष्ट-IV नियम 8(1) आधिपत्य सूचना (अचल संपत्ति के लिए)

अधोहस्ताक्षरकर्ता एलआईसी हाऊसिंग फायनेंस लि. का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय अस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(2) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम के साथ प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये निम्नलिखित ऋणधारियों को ब्याज राशि सहित नोटिस प्राप्ति के दिनांक से 60 दिन की समयावधि में भुगतान करने हेतु निर्देशित किया गया था। ऋणीग्रहिता राशि का भुगतान करने में असफल रहा है अतः ऋण ग्रहिता और सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचना पत्र दिया जाता है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13(4) सपठित उक्त नियम (8) के साथ पढ़ा जाये एतरिमन नीचे वर्णित संपत्ति का आधिपत्य को ग्रहण कर लिया गया है। ऋणगहिता को विशिष्टतया और सर्वसाधारण को सामान्यतः एतद् द्वारा निम्नवर्णित संपत्ति के साथ कोई व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और संपत्ति के साथ कोई व्यवहार निम्न खाते के सामने वर्णित राशि एवं उस पर ब्याज के लिये निम्न खाते के सामने अंकित एलआईसी हाऊसिंग फायनेंस लि. प्रभार के अधीन होगा।

क्रं.	ऋण खाता संख्या	खातेदार का नाम एवं पता	संपत्ति विवरण	मांग सूचना तिथि / कब्जा सूचना	उल्लेखित राशि ₹ मांग सूचना पत्र
1.	120500016676 120500016907	मोहम्मद इरशाद खान सुश्री सबिया अंजुम खान पता मकान नं 227, यकीनिया चौक पोस्ट ऑफिस, मस्जिद मौलाना अब्दुल कलाम आजाद के पास वार्ड -27, जबलपुर, म.प्र.	प्लॉट नंबर 9,10,11,12,30,31,32 खसरा नंबर 17/2 का हिस्सा मौजा कुदवारी, एनबी 556, पटवारी हल्का नंबर 24/80, वार्ड नंबर 74, आरएनएम महाराजपुर, तहसील पनागर, जिला जबलपुर, मध्य प्रदेश एरिया 5250 वर्ग फीट	22.05.2025 15.01.2026	1,04,65,222.91/- 10,29,447.46/- + ब्याज व अन्य खर्चे

ऋणी एवं जमानतदारों को सूचित (Notice) किया जाता है। कि इस नोटिस के छपने की तारीख के 30 दिनों के अंदर, वे उपरोक्त राशि एवं उस पर देय ब्याज एवं खर्चो का भुगतान कर देवें अन्यथा उक्त वर्णित संपत्ति की नीलामी कर दी जावेगी तथा उसके बाद ऋण एवं ब्याज की वसूली खर्चे सहित ऋणी एवं जमानतदार से की जावेगी।

दिनांक : 18.01.2026
स्थान : जबलपुर
आज्ञा से
प्राधिकृत अधिकारी
एलआईसी हाऊसिंग फायनेंस लि.

इस्लामिक देश ईरान में रिकॉर्ड तोड़ मुद्रास्फीति, खाद्य पदार्थों की कीमतों और मुद्रा के अवमूल्यन को लेकर अराजकता का माहौल है। आमजन में निराशा के चलते विरोध प्रदर्शन जल्द ही एक व्यापक आंदोलन में तब्दील हो चुके हैं, जिसमें मौजूदा शासन को समाप्त करने की मांग की गई है। नागरिक, विशेषकर युवा पीढ़ी, कठोर मजहबी प्रतिबंधों एवं सामाजिक कानूनों के प्रति विद्रोही हैं। लोग अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों से असंतुष्ट हैं। उधर, अमेरिका ईरान में सत्ता परिवर्तन चाहता है। वह अमेरिकी नेतृत्व वाले पश्चिमी हितों के अनुकूल नवशासन स्थापित कर ईरानी परमाणु कार्यक्रमों को पूरी तरह बंद करवाना चाहता है। ट्रंप की अतिवादी नीतियों ने जिस तरह ईरान में सत्ता परिवर्तन और उसे आर्थिक रूप से कमजोर बनाने का खेल शुरू किया है, यह सीधे तौर पर भारत के लिए भी एक और मुसीबत खड़ी कर सकता है। ईरान स्थित चाबहार पोर्ट भारत के लिए अर्थनीतिक रूप में सबसे महत्वपूर्ण परियोजना है। अगर ईरान की स्थिति नियंत्रण से बाहर होती है, तो इससे वैश्विक स्तर पर तेल और वित्तीय बाजारों पर बहुत बड़ा असर पड़ेगा। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

ईरान का इस्लामिक दुनिया से जटिल रिश्ता

विश्लेषण

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

रमजान के महीने में राजधानी दिल्ली में इस्लामिक देशों के राजनयिक आमतौर पर चाणक्यपुरी में स्थित सूडान एंबेसी में नमाज अदा करते हैं। ईरानी राजनयिक अपनी एंबेसी में ही नमाज अदा करते हैं। ईरान और शेष इस्लामिक संसार में दूरियों को इस उदाहरण से कुछ हद कर समझा जा सकता है। दरअसल, ईरान के इस्लामिक राष्ट्रों के साथ संबंध जटिल और बहुआयामी हैं। 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद से ईरान ने शिया इस्लाम को अपनी विदेश नीति का आधार बनाया है, जो सुन्नी-बहुल मुस्लिम दुनिया के साथ उसके संबंधों को प्रभावित करता है। ईरान की सरकार खुद को इस्लामिक एकता का समर्थक बताती है, लेकिन वास्तव में वह शिया प्रभाव को बढ़ाने की कोशिश करती रहती है। ईरान की इस्लामिक क्रांति ने उसे मुस्लिम दुनिया में एक वैकल्पिक मॉडल के रूप में स्थापित किया, जहां वह खुद को साम्राज्यवाद-विरोधी और फिलिस्तीन समर्थक के रूप में पेश करता है। हालांकि, शिया-सुन्नी विभाजन के कारण ईरान की सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और अन्य सुन्नी-बहुल देशों के साथ प्रतिद्वंद्विता गहरी है। ईरान को सुन्नी राष्ट्रों द्वारा 'शिया विस्तारवादी' के रूप में देखा जाता है, जबकि ईरान इन देशों को अमेरिका की कठपुतली मानता है।

ईरान के इस्लामिक राष्ट्रों के साथ संबंध जटिल और बहुआयामी हैं। 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद से ईरान ने शिया इस्लाम को अपनी विदेश नीति का आधार बनाया है, जो सुन्नी-बहुल मुस्लिम दुनिया के साथ उसके संबंधों को प्रभावित करता है। ईरान की सरकार खुद को इस्लामिक एकता का समर्थक बताती है, लेकिन वास्तव में वह शिया प्रभाव को बढ़ाने की कोशिश करती रहती है। ईरान की इस्लामिक क्रांति ने उसे मुस्लिम दुनिया में एक वैकल्पिक मॉडल के रूप में स्थापित किया, जहां वह खुद को साम्राज्यवाद-विरोधी और फिलिस्तीन समर्थक के रूप में पेश करता है।

विद्रोहियों को रहा समर्थन

1980 के दशक से ईरान ने लेबनान में हिजबुल्लाह, इराक में शिया मिलिशिया, सीरिया में असद शासन और यमन में हूती विद्रोहियों को समर्थन दिया। यह नेटवर्क ईरान को क्षेत्रीय शक्ति प्रदान करता है, लेकिन इसे आतंकवाद का प्रायोजक भी बनाता है, जैसा कि अमेरिका और उसके सहयोगी दावा करते हैं। सऊदी अरब और ईरान में पुरानी अदावत है। दरअसल सऊदी अरब में एक शिया मौलवी को 2016 में फांसी की सजा दी गई थी और इसी मुद्दे पर 2016 में सऊदी अरब और ईरान के कूटनीतिक संबंध खत्म हो गए थे। तब से ये दोनों देश एक-दूसरे के जानी दुश्मन बन गए थे। सऊदी अरब खुद को सारी दुनिया के सुन्नी मुसलमानों का रहनुमा मानता है और ईरान अपने को शिया मुसलमानों का। आप जानते हैं कि दोनों ही देश तेल उत्पादक देश हैं। दोनों ही देश अपने व्यावसायिक दिलचस्पी के वर्चस्व की लड़ाई लड़ते हैं। क्या सऊदी अरब और ईरान कभी चीन से यह पूछने की हिमाकत करेंगे कि चीन में मुसलमानों पर भीषण अत्याचार क्यों हो रहे हैं? वे कब थमेंगे? चीन ने अपने मुस्लिम बहुल शिनजियांग प्रांत में रहने वाले मुसलमानों को पूरी तरह से कसा हुआ है।

ईरान की अलगाववादी स्थिति

उन्हें खान-पान के स्तर पर वह सब कुछ करना पड़ा रहा है, जो उनके इस्लाम धर्म में पूर्ण रूप से निषेध है। इस बीच, ईरान अफगानिस्तान और पाकिस्तान जैसे सुन्नी बहुल देशों के साथ व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाता है। वह मुस्लिम ब्रदरहुड जैसे सुन्नी समूहों से भी संबंध रखता है, ताकि अमेरिकी प्रभाव का मुकाबला कर सके, लेकिन कुल मिलाकर, ईरान की अलगाववादी स्थिति बनी हुई है, विशेष रूप से सुन्नी अरब देशों के साथ। हालांकि यह बताना जरूरी है कि उसकी पाकिस्तान से तनातनी भी चलती रहती है। ईरान ने पाकिस्तान में 2021 में सर्जिकल स्ट्राइक किया था। इस हमले का नतीजा यह हुआ कि ईरान ने अपने कुछ अपहृत कर लिए गए नागरिकों को 'जैश उल अदल' नाम के आतंकी संगठन के कब्जे से छुड़वा लिया। जैश अल-अदल के आतंकी पाकिस्तान की ईरान से लगती सरहद पर लगातार हमले बोल रहे हैं। उनके 2019 के हमले में 27 ईरानी नागरिक मारे गए थे। ओआईसी में ईरान की स्थिति ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओआईसी) 1969 में स्थापित विश्व का दूसरा सबसे बड़ा अंतर-सरकारी संगठन है, जिसमें 57 मुस्लिम बहुल देश शामिल हैं।

ओआईसी में भूमिका प्रभावित

ईरान इस संगठन का संस्थापक सदस्य होने के साथ-साथ शुरू से ही एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली देश रहा है। हालांकि, ईरान की स्थिति हमेशा विवादास्पद और उतार-चढ़ाव वाली रही है। सऊदी अरब के साथ क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्विता ने ओआईसी में ईरान की भूमिका को बार-बार प्रभावित किया।

उसे 1980 के दशक में ईरान-इराक युद्ध के दौरान ओआईसी में अलग-थलग करने की कोशिशें हुईं। फिर भी, ईरान ने इस संगठन में अपनी सक्रियता कभी कम नहीं होने दी। वह फिलिस्तीन के समर्थन, कश्मीर मुद्दे और इस्लामोफोबिया के खिलाफ लगातार मुखर रहा। हाल के वर्षों में, खासकर 2024-2025 में इजराइल के साथ बढ़ते तनाव और ईरान पर हुए हमलों के बाद उसने ईरान ओआईसी से मजबूत एकजुटता की मांग की। कतर, मलेशिया, इंडोनेशिया और तुर्की जैसे देशों ने कई बार ईरान के पक्ष में आवाज उठाई, लेकिन सऊदी अरब और उसके सहयोगियों के प्रभाव के कारण संगठन अक्सर निर्णायक कार्रवाई करने में असमर्थ रहा।

सुन्नी देशों के साथ तनाव

ईरान ओआईसी को मुस्लिम दुनिया की एकता का मंच मानता है, लेकिन ईरान की स्थिति प्रभावशाली तो है, परंतु पूर्ण नेतृत्व वाली नहीं है। आज ईरान के प्रमुख सहयोगी हैं: लेबनान में हिजबुल्लाह, गाजा में हमास और फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद, यमन में हूती, इराक में पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज। ये समूह ईरान को इजराइल और अमेरिका के खिलाफ 'प्रतिरोध' प्रदान करते हैं। ईरान रूस और चीन के भी करीब है, जो उसे प्रतिबंधों से बचाने में मदद करते हैं। दूसरी ओर, उसका सुन्नी देशों के साथ तनाव जारी है। सऊदी अरब के साथ यमन युद्ध और इराक में प्रभाव की लड़ाई ने संबंधों को बिगाड़ा है। हालांकि, 2023 में चीन की मध्यस्थता से कुछ सामान्यीकरण हुआ, लेकिन इजराइल-हमास युद्ध ने फिर तनाव बढ़ाया। ईरान खुद को मुस्लिम दुनिया का रक्षक बताता है, लेकिन कई राष्ट्र उसे संदेह की नजर से देखते हैं।

देश में विरोध प्रदर्शन

उनका मानना है कि वह क्षेत्रीय अस्थिरता फैलाता है। ईरान में आजकल चल रही उथल-पुथल इस्लामिक दुनिया के साथ उसके संबंधों को और जटिल बना रही है। दिसंबर से तेहरान के ग्रैंड बाजार में दुकानदारों की हड़ताल से शुरू हुए विरोध प्रदर्शन तेजी से देशव्यापी हो गए, सभी 31 प्रांतों में फैल गए। शुरुआत में मुद्रा (रियाल) के पतन और 40% महंगाई के खिलाफ थे, लेकिन जल्दी ही राजनीतिक हो गए। प्रदर्शनकारी देश के शिखर नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के खिलाफ नारे लगा रहे हैं, रेजा पहलवी (पूर्व शाह के पुत्र) के पक्ष में चिल्ला रहे हैं, और शासन के अंत की मांग कर रहे हैं।

रूस-चीन की दिलचस्पी सैनिक कार्रवाई में नहीं

मुद्दा

उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

साल 2026 के तीसरे ही दिन अमेरिका ने जिस तरह वेनेजुएला के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की, उसके बाद से विशेषकर सैनिक रूप से कमजोर देशों में चिंता की लहर है। अमेरिका के सर्वोच्च पद पर डोनॉल्ड ट्रंप के रहते ऐसी चिंताएं स्वाभाविक भी हैं। जिस तरह अपने ही खेमे के देश डेनमार्क के ग्रीनलैंड द्वीप पर ट्रंप ने अपनी नजर टिका रखी है, उससे दुनिया को चिंतित होना ही चाहिए। ऐसे में विश्व की निगाह दुनिया के सैनिक रूप से दूसरे शक्तिशाली देश रूस और आर्थिक रूप से दूसरे और सैनिक रूप से तीसरे ताकतवर देश चीन पर लगना स्वाभाविक है। दोनों ही देशों ने वेनेजुएला पर जिस तरह रस्मी प्रतिक्रिया जताई है, उससे लगता नहीं कि वे भविष्य में ऐसी अमेरिकी कार्रवाइयों के खिलाफ अपने मित्र देशों के पक्ष में खड़े होंगे।

जब तक सोवियत संघ अस्तित्व में रहा, कम से कम दुनिया के कमजोर और साधनहीन देशों को उम्मीद रहती थी कि अगर अमेरिका ने उनकी ओर आंख तरेरी तो सोवियत संघ का साथ मिलेगा और अगर सोवियत संघ ने निगाहें तीखी कीं तो अमेरिका उसकी मदद करने पहुंचेगा। सोवियत संघ के विघटन के बाद उसका सबसे बड़ा हिस्सा रूस शक्तिशाली तो बना रहा है, लेकिन मौजूदा अमेरिका-ब्रिटेन प्रेरित-पोषित आर्थिक दुनिया में सोवियत संघ जैसी ताकत बना नहीं रह सका। बेशक डॉलर, सोवियत और आज के रूस की मुद्रा रूबल की तुलना में ताकतवर था, लेकिन ऐसा भी नहीं था कि आर्थिक रूप से पूरी दुनिया को नियंत्रित कर सके। आज आर्थिक क्षेत्र में डॉलर को कोई चुनौती नहीं है। ब्रिक्स देशों ने अपनी-अपनी मुद्राओं को आपसी आर्थिक व्यवहार में आगे बढ़ाने की कोशिश तो की है, हालांकि वह डॉलर को चुनौती देने की स्थिति में नहीं आ पाई हैं। अमेरिका जानता है कि उसकी आर्थिक ताकत को बड़े स्तर पर चुनौती देने की हालत में दुनिया की दूसरी यानी चीन की अर्थव्यवस्था नहीं है, इसलिए ट्रंप बेफिक्र होकर कभी मैक्सिको को अपना उपनिवेश बनाने की वकालत करते हैं तो कभी कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने का ऐलान करते हैं। ग्रीनलैंड पर निगाह और वेनेजुएला पर सैन्य कार्रवाई उनकी इसी सोच का विस्तार है। वेनेजुएला पर कार्रवाई को लेकर रूस और चीन ने चिंताएं तो जाहिर कीं, लेकिन वे वेनेजुएला को सैनिक सहयोग करने के लिए इच्छुक नहीं दिखे। इसकी मोटे तौर पर दो वजहें सामने आती हैं। वेनेजुएला से रूस ने 2010 में समझौता तो किया, लेकिन वह रणनीतिक, तकनीकी और आर्थिक मामलों पर केंद्रित है। सैनिक सहयोग की बात उसमें नहीं है। दिलचस्प यह है कि वेनेजुएला के विशाल तेल भंडार का सबसे ज्यादा फायदा उठाने वाला चीन भी इस मामले में उसको सैनिक सहयोग करने से दूर है। वेनेजुएला के तेल निर्यात का 50 से 89 प्रतिशत तक हिस्सा सिर्फ चीन जाता था। इसके बावजूद वह वेनेजुएला को सैनिक सहायता देने से हिचक रहा है। इसकी वजह यह है कि चीन की नीतियां कम से कम एशिया से बाहर सिर्फ और सिर्फ आर्थिक मुद्दों पर ही टिकी हैं। ट्रंप काल में अमेरिका से कारोबारी मुद्दे पर उसकी ठनी हुई है। जिसे वह सहज करने की कोशिश में है, इसलिए वह कोई ऐसा कदम नहीं उठाना चाहता, जिससे अमेरिका से उसके कारोबारी रिश्तों पर असर पड़े। चीन की पूरी कोशिश है कि अमेरिका से जारी व्यापार युद्ध को खत्म करे। उसकी कोशिश किसी तरह अमेरिका को खुश करने की भी होगी, ताकि वेनेजुएला से वह पहले की तरह तेल का भारी आयात कर सके। वेनेजुएला के मसले पर रूस की भी स्थिति बहुत बेहतर नहीं है। रूस यूक्रेन में फंसा हुआ है। वेनेजुएला से रूस की रणनीतिक संधि तो है, लेकिन उसमें साझा रक्षा का जिक्र नहीं है। फिर रूस के संसाधन, सेना, सैन्य उपकरण आदि यूक्रेन युद्ध में लगे हुए हैं। ऐसे में अगर वह वेनेजुएला का सैन्य सहयोग करता है तो एक तरह से अमेरिका के खिलाफ नया मोर्चा खोलना होगा। रूस इस वजह से बचना चाहता है, इसीलिए जब रूसी झंडा लगे पोत को अमेरिकी सेना ने रोका तो रूस ने सिर्फ अमेरिका से रूसी नागरिकों की हिफाजत और उन्हें छोड़ने की अपील ही की। जाहिर है कि लगातार अर्थकेंद्रित होती दुनिया में देशों की प्राथमिकताएं बदल गई हैं। रूस और चीन इसी मानस से ग्रस्त हैं, इसीलिए वेनेजुएला ही नहीं, ऐसे अपने किसी और साथी के सहयोग के लिए सक्रिय रूप से सामने आने में अब उनकी दिलचस्पी नहीं है। ऐसे में दुनिया, विशेषकर अमेरिकी कोप से आशंकित देशों को चिंतित होने की जरूरत है। उन्हें वैकल्पिक राह भी तलाशनी होगी।

वेनेजुएला के तेल निर्यात का 50 से 89 प्रतिशत तक हिस्सा सिर्फ चीन जाता था। इसके बावजूद वह वेनेजुएला को सैनिक सहायता देने से हिचक रहा है। इसकी वजह यह है कि चीन की नीतियां कम से कम एशिया से बाहर सिर्फ और सिर्फ आर्थिक मुद्दों पर ही टिकी हैं।

पर्शिया से ईरान बनने तक : सत्ता संस्कृति और संघर्ष की गाथा

सफरनामा

सेंट्रल डेस्क

आज जिसे दुनिया ईरान के नाम से जानती है, वह सदियों तक पर्शिया या फारस कहलाता रहा। दिलचस्प तथ्य यह है कि देश के भीतर इसे हमेशा ईरान ही कहा गया, नाम बदला तो केवल बाहरी दुनिया की दृष्टि में। इसका नाम चाहे जो रहा हो, इस भूभाग की शक्ति, संस्कृति और महत्व कभी कम नहीं हुए। इतिहास के पन्ने पलटकर देखें तो ईरान की सभ्यता लगभग चार हजार वर्ष पुरानी है। इलेमाइट, अस्सीरियन और मेडियन सभ्यताओं के बाद हमदान राजधानी बना और यहीं से संगठित राजशाही की नींव पड़ी। इसी परंपरा को वैश्विक पहचान दिलाई सायरस द ग्रेट ने, जिन्होंने एकेमेनिड साम्राज्य खड़ा किया। उनका साम्राज्य पूर्वी यूरोप से लेकर सिंधु नदी तक फैला था। सायरस केवल विजेता नहीं थे, वे कुशल प्रशासक भी थे। क्षत्रप प्रणाली, धार्मिक सहिष्णुता और यहूदियों की मुक्ति जैसे फैसलों ने उन्हें इतिहास में विशिष्ट स्थान दिलाया। भारत और फारस के भाषाई और सांस्कृतिक रिश्ते भी इसी दौर में मजबूत हुए।

सायरस के उत्तराधिकारी डेरियस द ग्रेट के समय फारस दुनिया की लगभग आधी आबादी पर शासन करता था। भारत को 'हिंदुस्तान' नाम देने का श्रेय भी इसी काल को जाता है। हालांकि ग्रीस पर आक्रमण फारस की वह रणनीतिक भूल साबित हुई, जिसने साम्राज्य की नींव हिला दी। 331 ईसा पूर्व में सिकंदर ने डेरियस तृतीय को हराकर पर्शिया पर अधिकार कर लिया। यह जीत केवल सत्ता परिवर्तन नहीं थी, बल्कि एक युग के अंत का संकेत थी। सिकंदर के बाद सेल्युकिड और पार्थियन आए, लेकिन फारसी गौरव का पुनरुत्थान सासानी वंश में हुआ। शापुर प्रथम ने रोमन सम्राट वैलेरियन को बंदी बनाकर रोम की अजेयता के मिथक को तोड़ा। इसके बाद सातवीं सदी में इस्लाम का आगमन हुआ। अरब विजय के साथ जोरोस्ट्रियन धर्म पर दबाव बढ़ा और यही समुदाय आगे चलकर पारसी कहलाया। जीवन रक्षा के लिए इन लोगों का भारत आगमन हुआ, जिसने भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता को नई पहचान दी।

सिकंदर की अंगूठी, शाहनामा की गाथाएं और शाह की ताजपोशी आज भी ईरान की राजनीति और चेतना में एक साथ जीवित हैं।

मध्यकाल में फारसी भाषा और संस्कृति ने फिर उन्नति की। फिरदौसी की शाहनामा ने ईरान को उसकी ऐतिहासिक स्मृति लौटाई, लेकिन मंगोल आक्रमणों ने इस समृद्धि को तहस-नहस कर दिया। चंगेज खान और बाद में तैमूर के हमलों ने फारस और भारत दोनों को गहरे घाव दिए, जिनकी छाप सदियों तक बनी रही। आधुनिक ईरान की पहचान सफवी वंश के शिया धर्म को राज्य धर्म बनाने से बनी। यही कारण है कि आज ईरान शिया इस्लाम का केंद्र है। नादिर शाह के दिल्ली आक्रमण ने मुगल साम्राज्य के पतन को तेज किया और भारतीय इतिहास की दिशा बदल दी। उन्नीसवीं सदी में पर्शिया ब्रिटेन और रूस की साम्राज्यवादी राजनीति में उलझ गया। 1935 में रेजा शाह पहलवी ने देश का आधिकारिक नाम ईरान किया। तेल के राष्ट्रीयकरण और 1953 के अमेरिकी-समर्थित तख्तापलट ने ईरान की राजनीति को निर्णायक रूप से प्रभावित किया। शाह की भव्यता और जनता की बदहाली के बीच खाई बढ़ती गई। 1979 की इस्लामी क्रांति ने राजशाही का अंत कर दिया, लेकिन स्थायी स्थिरता नहीं दे सकी। आज ईरान एक बार फिर अपने अतीत और वर्तमान के बीच झूल रहा है। इतिहास गवाह है कि यह देश जितनी बार आगे बढ़ा, उतनी बार उसका अतीत उसके सामने खड़ा हो गया। शायद यही कारण है कि सिकंदर की अंगूठी, शाहनामा की गाथाएं और शाह की ताजपोशी आज भी ईरान की राजनीति और चेतना में एक साथ जीवित हैं। गौरतलब है कि ईरान में पिछले दो हफ्तों से विरोध प्रदर्शनों जारी हैं। इनकी वजह से वहां की स्थिति अब भी तनावपूर्ण बनी हुई है। बताया जा रहा है कि इन विरोध प्रदर्शनों में अब तक करीब 114 सरकारी अधिकारी व कर्मचारी भी मारे गए हैं। हालांकि, सही संख्या का जानना मुश्किल है क्योंकि देश में अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों पर पाबंदियां हैं।

तेल बाजारों के लिए कितने मायने रखता है ईरान का भविष्य

अराजकता

रवि शंकर
वरिष्ठ पत्रकार

ईरान में चल रही राजनीतिक उथल-पुथल भारत के लिए सिर्फ एक विदेशी संकट नहीं है, बल्कि यह भारत की सुरक्षा, व्यापार और रणनीति से सीधे जुड़ा मामला बनता जा रहा है। ईरान और भारत के रिश्ते दशकों पुराने हैं।

ये रिश्ते सिर्फ कूटनीति तक सीमित नहीं, बल्कि भूगोल, रणनीतिक संतुलन और क्षेत्रीय पहुंच से जुड़े हैं। अगर ईरान कमजोर हुआ या वहां सत्ता परिवर्तन हुआ, तो इसका सबसे बड़ा नुकसान भारत को हो सकता है। भारत के लिए ईरान सिर्फ एक देश नहीं, बल्कि पश्चिम की ओर खुलने वाला एकमात्र भरोसेमंद दरवाजा है। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान और मध्य एशिया के लिए भारत के जमीनी रास्ते बंद कर रखे हैं। ऐसे में ईरान ही भारत को उस क्षेत्र से जोड़ता है, जहां से ऊर्जा, व्यापार और रणनीतिक पहुंच मिलती है। ट्रंप की अतिवादी नीतियों ने जिस तरह ईरान में सत्ता परिवर्तन और उसे आर्थिक रूप से कमजोर बनाने का खेल शुरू किया है, यह सीधे तौर पर भारत के लिए भी एक और मुसीबत खड़ी कर सकता है। अगर ईरान की स्थिति नियंत्रण से बाहर होती है, तो इससे वैश्विक स्तर पर तेल और वित्तीय बाजारों पर बहुत बड़ा असर पड़ेगा। वेनेजुएला में निकोलस मादुरो को हटाए जाने के बाद ऐसा नहीं हुआ था, लेकिन ईरान के मामले ने सभी को चिंता में डाल दिया है क्योंकि ईरान, वेनेजुएला की तुलना में चार गुना अधिक तेल का उत्पादन करता है। ओपेक देशों में ईरान तीसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक है। दुनिया की कुल तेल मांग का लगभग चार फीसदी हिस्सा ईरान से आता है, जबकि वेनेजुएला सिर्फ एक फीसदी ही उत्पादन करता है। संघर्ष के समय में इतिहास इसका गवाह रहा है। फिलहाल, बाजार 'इंतजार करो और देखो' की स्थिति में

भारत अपनी जरूरत का 85% से ज्यादा तेल आयात से पूरा करता है। इस भारी निर्भरता के कारण उसे अपने विदेशी मुद्रा भंडार का काफी बड़ा खर्च इस पर करना पड़ता है।

है। क्रूड की कीमतों में उथल-पुथल का असर भारत पर सीधे पड़ता है। भारत अपनी जरूरत का 85% से ज्यादा आयात से पूरा करता है। इस भारी निर्भरता के कारण उसे अपने विदेशी मुद्रा भंडार का काफी बड़ा खर्च इस पर करना पड़ता है। इससे भारत का इंपोर्ट बिल बढ़ता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जरा भी तेजी भारत में पेट्रोल, डीजल और माल ढुलाई की लागत बढ़ा देती है। दूसरी तरफ, हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने की चेतावनी दी है। सत्ता परिवर्तन के संक्रमण काल में भारत को अमेरिका और ईरान के बीच संतुलन बनाना बहुत कठिन हो सकता है। भारत के लिए चिंता की बात यह है कि होर्मुज जलडमरूमध्य एक महत्वपूर्ण चोक प्वाइंट बना हुआ है। यहां से वैश्विक एलएनजी व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत और कच्चे तेल के निर्यात का एक महत्वपूर्ण हिस्सा गुजरता है। ईरान इस रास्ते को बंद कर सकता है। विश्लेषकों का कहना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास किसी भी तरह की बाधा से इराक, सऊदी अरब और यूएई से तेल की खेप प्रभावित हो सकती है। इस रास्ते में बाधा आने से तेल लाने की लागत बढ़ जाएगी। इससे समय के साथ-साथ लागत के मामले में भारत के निर्यात को नुकसान हो सकता है।

साफ है, यदि सत्ता परिवर्तन हिंसक होता है तो ईरान में लंबे समय तक अस्थिरता रह सकती है। इससे भारत के करोड़ों डॉलर के निवेश अधर में लटक सकते हैं। वर्तमान में अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण भारत ईरान से तेल नहीं खरीद पा रहा है। यदि नई सरकार आती है और अमेरिका के साथ उसके संबंध सुधरते हैं, तो भारत को फिर से ईरान से सस्ता और गुणवत्तापूर्ण कच्चा तेल मिल सकेगा। इसमें कोई संदेह नहीं स्थिर ईरान भारत के लिए बहुत मायने रखता है। ईरान में सत्ता परिवर्तन यदि लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से होता है तो यह भारत के लिए दीर्घकालिक लाभ लेकर आएगा।

आंतरिक और बाह्य संकटों में उलझा ईरान

विरोध

विकेश कुमार बडोला
स्वतंत्र पत्रकार

इस समय ईरान गहन आंतरिक तथा बाह्य संकटों में उलझा हुआ है। गत वर्ष जून में अमेरिका के साथ प्रक्षेपास्त्रीय युद्ध में अपनी सामरिक शक्तियों के ध्वस्त होने के बाद इस देश में अर्थव्यवस्था का भी तीव्र पतन हुआ। ईरान की सबसे बड़ी समस्या आर्थिक बदहाली और राजनीतिक कठोरता का मिश्रण है। दशकों से लगे अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण ईरान की अर्थव्यवस्था चरमरा गई है। यहां मुद्रास्फीति उच्च स्तर पर है। बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है। ईरानी रियाल का मूल्य निरंतर कम हो रहा है। सबसे बड़ी समस्या जो इस देश में है, वो 'इस्लामिक रिपब्लिक' शासन व्यवस्था है। यह शासन लोकोपकारी भूमिका में है ही नहीं। शासकीय कुव्यवस्था ने नागरिकों की स्वतंत्रता छीन ली है।

नागरिक, विशेषकर युवा पीढ़ी, कठोर मजहबी प्रतिबंधों एवं सामाजिक कानूनों के प्रति विद्रोही हैं। लोग अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों से अति असंतुष्ट हैं। ईरान के नवीन आंदोलनों की सबसे बड़ी लहर 2022 में महसा अमीनी की मौत के बाद शुरू हुई थी, जिसे ठीक से 'हिजाब' न पहनने के कारण नैतिकता प्रबंधन पुलिस ने अभिरक्षा में लिया था। हालांकि, इन दिनों के जनप्रदर्शन केवल हिजाब-प्रकरण तक सीमित नहीं रहे, बल्कि इनके होने के पीछे अनेक कारण हैं। व्यक्तिगत स्वतंत्रता इनमें प्रमुख है।

स्त्रियां एवं युवा 'स्त्री, जीवन, स्वतंत्रता' नारे के साथ व्यक्तिगत अधिकारों की मांग कर रहे हैं। भ्रष्टाचार व शासकीय कुप्रबंधन ने भी जन विद्रोह में वृद्धि की है। जनता पूर्णतः आश्वस्त है कि देश के संसाधन आम लोगों के कल्याण की तुलना में विदेशी संघर्षों तथा सत्ता संरक्षण में निर्धारित हैं। यही कारण है कि प्रदर्शनकारी अब केवल शासन पद्धति में सुधार नहीं, बल्कि धार्मिक नेतृत्व के अंत की कठोर मांग भी कर रहे हैं। अमेरिका तो ईरान के पीछे तब ही से पड़ा हुआ है, जब से उसे ईरान में परमाणु अस्त्रों के प्रथम परीक्षण की भनक लगी थी। जहां ईरान स्वभूमि पर विद्यमान प्राकृतिक तेल भंडारों की सुरक्षा के लिए सामरिक शक्तियों से संचित होने की कामना से भरा रहा है, वहीं अमेरिका की मंशा आरंभ से ही इस कोण पर केंद्रित रही है कि ईरान को स्वतंत्र रूप में परमाणु अस्त्र की शक्ति से संपन्न नहीं होने देना है, क्योंकि ऐसा हो जाने पर

अमेरिका की मंशा यह रही कि ईरान को स्वतंत्र रूप में परमाणु अस्त्र की शक्ति से संपन्न नहीं होने देना है, क्योंकि वह उसके तेल संसाधनों का मनमाना दोहन नहीं कर सकेगा।

अमेरिका उसके तेल संसाधनों का मनमाना दोहन नहीं कर सकेगा। अपने इस दृष्टिकोण को विश्व में स्वीकार्यता देने के उद्देश्य से वह ईरान के इन आंदोलनों को अपने स्तर पर तीव्र कर रहा है। वह इन्हें 'लोकतंत्र के समर्थन' के रूप में प्रचारित कर रहा है। अमेरिका ईरान में सत्ता परिवर्तन चाहता है। वह अमेरिकी नेतृत्व वाले पश्चिमी हितों के अनुकूल नवशासन स्थापित कर ऐसे शासन के माध्यम से ईरानी परमाणु कार्यक्रमों को पूरी तरह बंद करवाना चाहता है।

अमेरिकी कामना ईरान के क्षेत्रीय प्रभाव को कम करने की भी है। चूंकि ईरान मध्य पूर्व में इजरायल और सऊदी अरब का कट्टर प्रतिद्वंद्वी है। अमेरिका इस स्थिति का सामरिक, आर्थिक व राजनीतिक लाभार्जन चाहता है। वह आंदोलनों व जनप्रदर्शनों के माध्यम से ईरान के प्रभाव को सीमित करना चाहता है। अमेरिका आंदोलनों की आड़ में अत्यधिक कठोर प्रतिबंध लगाकर ईरानी शासन पर दबाव बनाना चाहता है ताकि वह परमाणु समझौते पर सीधे-सीधे उसकी शर्तों को मान ले। प्रत्यक्ष रूप में भारत भले ही ईरान-प्रकरण पर तटस्थ प्रतीत हो, किंतु अनेक स्तर पर स्वहितों की रक्षा हेतु भारत, आंदोलनकारी स्थितियों को नियंत्रित करने की दिशा में ईरान के साथ कूटनीतिक विमर्श में सम्मिलित है। यदि हमारे व ईरान के संबंधों को देखें तो इनका सबसे बड़ा आधार आर्थिक व व्यापारिक है। वैसे दोनों देशों के संबंध ऐतिहासिक और रणनीतिक रूप में भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण रहे हैं। ऊर्जा सुरक्षा दोनों के संबंधों का एक विशाल सेतु रही है। एक समय में ईरान, भारत का दूसरा सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता था।

हालांकि, अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण भारत का ईरान से तेल आयात कम हो गया है, परंतु तब भी दोनों ओर से ऊर्जा सहयोग की संभावनाएं बनी हुई हैं। ईरान स्थित चाबहार पोर्ट भारत के लिए अर्थनीतिक रूप में सबसे महत्वपूर्ण परियोजना है। इसके माध्यम से भारत पाकिस्तान के पारगमन मार्ग को अनस्तित्व कर अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक सीधी पहुंच बनाता है। इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर अर्थात व्यापार मार्ग रूस और यूरोप तक पहुंचने के लिए भारत और ईरान के बीच एक प्रमुख कड़ी है।

भारत व पारंपरिक ईरान के बीच सांस्कृतिक सह-संबंध भी था। दोनों देशों में प्राचीन भाषायी एवं सांस्कृतिक समानताएं हैं, जो द्विपक्षीय आधुनिक कूटनीति को शक्तिसंपन्न करती है। इस आधार पर भारत आंदोलन के कारण हिंसक, अस्थिर तथा अस्त-व्यस्त ईरान के हितों की रक्षा हेतु कूटनीतिक पहल कर सकता है।

जीवन में अपनाएं ये मंत्र, नहीं होगी आर्थिक परेशानी

अगर आप भी हमेशा अमीर बने रहना चाहते हैं तो पर्सनल फाइनेंस के कुछ मंत्र याद रखें और उन्हें अपने जीवन में अपनाएं। इससे आपको कभी भी पैसे की कमी नहीं होगी। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसे की कुछ मंत्र बताने वाले हैं जो आपके काफी काम के होंगे। इन्हें अपनाकर आप अपने फाइनेंस को काफी अच्छे से मैनेज कर सकते हैं और बचत भी कर सकते हैं। आजकल लोगों के लिए पैसा कमाने से भी ज्यादा मुश्किल उसे संभालना हो गया है। ज्यादातर लोगों की सैलरी आते ही खर्च हो जाती है और महीने के आखिरी में उनकी जेब खाली हो जाती है। इसी के साथ-साथ न ही वह कोई बचत कर पाते हैं, क्योंकि महीने के आखिरी तक कुछ बचता ही नहीं। ऐसे में पर्सनल फाइनेंस के पांच नियमों को अपना लें। इससे आप अपने फाइनेंस को काफी अच्छे से मैनेज कर सकेंगे और बचत भी कर पाएंगे।

50–30–20 नियम अपनाएं

50–30–20 नियम में 50 का मतलब है कि आपको अपनी सैलरी का 50 प्रतिशत हिस्सा केवल जरूरी खर्चों में खर्च करना है। इसमें घर का किराया, राशन, बिल और अन्य जरूरी खर्चों को शामिल करें। सैलरी का 30% हिस्सा अपने लिए रखें और अपनी जरूरत और अपने इच्छाओं के अनुसार खर्च करें। सैलरी का 20 प्रतिशत हिस्से की बचत करें और निवेश करें।

इमरजेंसी फंड बनाएं

अपने लिए एक इमरजेंसी फंड जरूर बनाएं, जो मुश्किल समय में काम आ सकें। इमरजेंसी फंड 3 से 6 माह के जरूरी खर्च के बराबर जरूर होना चाहिए. यह फंड नौकरी जाने, मेडिकल इमरजेंसी और अचानक आय रुकने की स्थिति में काम आता है। इमरजेंसी फंड आपको वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे आप अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। इमरजेंसी फंड आपको तनाव से मुक्ति दिलाता है, जिससे आप जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं। इमरजेंसी फंड आपको बचत करने में मदद करता है, जिससे आप भविष्य के लिए तैयार रह सकते हैं।

ईएमआई इनकम के 40% तक रखें

ईएमआई (इक्वेटेड मंथली इंस्टॉलमेंट) इनकम के 40 प्रतिशत तक रखना एक अच्छा नियम है। इससे आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने और अपने जीवन को तनाव मुक्त रखने में मदद मिलती है। ईएमआई के 40% तक रखने से आपको वित्तीय सुरक्षा मिलती है, जिससे आप अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। आपको तनाव से मुक्ति मिलती है, जिससे आप अपने जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं। आपको बचत करने में मदद मिलती है, जिससे अपने भविष्य के लिए तैयार रह सकते हैं।

इंश्योरेंस जरूर लें

केवल निवेश ही नहीं बल्कि इंश्योरेंस को भी प्राथमिकता दें। ऐसे में खुद को और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए हेल्थ और टर्म लाइफ इंश्योरेंस जरूर लें। इसके कुछ फायदें हैं जैसे। इंश्योरेंस आपको और आपके परिवार को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे आप अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। इंश्योरेंस आपको तनाव से मुक्ति दिलाता है, जिससे आप अपने जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं। इंश्योरेंस आपको बचत करने में मदद करता है, जिससे आप अपने भविष्य के लिए तैयार रह सकते हैं।

इक्विटी में निवेश करें

अगर आप लंबे समय के लिए निवेश करना चाहते हैं तो थोड़ा पैसा इक्विटी जैसे म्यूचुअल फंड में निवेश जरूर करें। इक्विटी में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है, लेकिन इसमें जोखिम भी होता है। इक्विटी में निवेश करने से पहले आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों, जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश के समय को ध्यान में रखना चाहिए।

• बाजार में उतार-चढ़ाव के दौरान इनमें निवेश करना फायदेमंद •

बेस्ट एग्रीसिव हाइब्रिड फंड दिला सकते हैं बेहतर रिटर्न

▸▸ इन फंडों में पैसे लगाकर अच्छा मुनाफा कमाने का मौका
▸▸ निवेश करने से पहले संयम बरतें और अपने गोल तय करें

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार की अनिश्चितताओं से परेशान निवेशकों के लिए एग्रीसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड एक बेहतर ऑप्शन हो सकते हैं। ये फंड इक्विटी और डेट दोनों में निवेश कर बाजार की अस्थिरता का असर कम करते हैं, जिससे लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न मिलने की उम्मीद है। इसलिए आप भी इन फंडों में पैसे लगाकर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं, लेकिन यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि निवेश से पहले संयम बरतें और अपने गोल तय कर लें। इसके बाद ही निवेया का फैसला लें, वरना कई बार परेशानी भी झेलनी पड़ सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, आने वाले साल में बाजार सतर्क रह सकता है, ऐसे में हाइब्रिड फंड निवेशकों को स्थिर रिटर्न देने में मदद कर सकते हैं।

एग्रीसिव हाइब्रिड फंड क्या हैं

एग्रीसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड ऐसे फंड होते हैं, जो इक्विटी (शेयर बाजार) और डेट (बॉन्ड, सरकारी प्रतिभूतियां, मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट) दोनों में निवेश करते हैं। इन फंड्स की खासियत यह है कि इनमें 65% से 80% तक का निवेश इक्विटी में किया जाता है, जबकि शेष 20% से 35% तक डेट इंस्ट्रूमेंट्स में लगाया जाता है। इक्विटी में ज्यादा निवेश होने की वजह से इन्हें इक्विटी फंड की तरह टैक्स बेनिफिट मिलता है, वहीं डेट का हिस्सा बाजार की अस्थिरता के दौरान पोर्टफोलियो को कुछ हद तक सुरक्षा प्रदान करता है। इसका फायदा यह है कि जब शेयर बाजार में गिरावट आती है, तो डेट निवेश से नुकसान कम होता है। ऐसे फंड कंसर्वेटिव इक्विटी निवेशकों के लिए खास होते हैं, जो जोखिम लेने को तैयार हैं, लेकिन अत्यधिक उतार-चढ़ाव नहीं सह सकते। इससे लंबी अवधि में निवेशकों को धैर्यपूर्वक धन बढ़ाने का मौका मिलता है।

शेयर बाजार की अनिश्चितताओं से परेशान निवेशकों के लिए बेहतर ऑप्शन

लाभ और टैक्स की सुविधा

इन फंडों का एक बड़ा फायदा है नियमित प्रॉफिट बुकिंग। जब बाजार में इक्विटी का हिस्सा तय सीमा से ज्यादा बढ़ जाता है, तो फंड मैनेजर स्टॉक्स बेचकर असाइनमेंट बनाए रखते हैं। यह लंबी अवधि में रिटर्न बढ़ाने में मदद करता है। व्यक्तिगत निवेशक अगर ऐसा करते हैं, तो 1 लाख रुपये से ज्यादा के लाभ पर टैक्स देना पड़ता है, जबकि म्यूचुअल फंड के निवेशकों को इस पर टैक्स की सुविधा मिलती है। हालांकि, नियमित डिविडेंड की उम्मीद से इन फंडों में निवेश करना उचित नहीं है।

बेस्ट एग्रीसिव हाइब्रिड फंड कौन से हैं

पिछले कुछ वर्षों के प्रदर्शन, फंड मैनेजमेंट और रिस्क-एडजस्टेड रिटर्न के आधार पर भारत में कई एग्रीसिव हाइब्रिड फंड निवेशकों के बीच पसंद किए जा रहे हैं। ये फंड निवेशकों को अच्छा मुना देने की क्षमता रखते हैं। इनमें निवेश करना भी ठीक रहता है। इनमें प्रमुख हैं।

- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इक्विटी और डेट फंड
- एसबीआई इक्विटी हाइब्रिड फंड
- कोटक इक्विटी हाइब्रिड फंड
- एचडीएफसी हाइब्रिड इक्विटी फंड
- यूटीआई एग्रेसिव हाइब्रिड फंड
- क्वांट एग्रेसिव हाइब्रिड फंड
- कनारा रोबेको इक्विटी हाइब्रिड फंड
- मिराए एसेट एग्रेसिव हाइब्रिड फंड

इनमें निवेश करना फायदेमंद

अगर निवेशक शुद्ध इक्विटी फंड के उच्च जोखिम से बचना चाहते हैं, लेकिन फिक्स्ड डिपॉजिट या डेट फंड जैसे कम रिटर्न से संतुष्ट नहीं हैं, तो एग्रीसिव हाइब्रिड फंड संतुलित विकल्प हैं।

इन फंड्स का उद्देश्य

- इक्विटी से ग्रोथ का लाभ मिले
- डेट से स्थिरता और सुरक्षा बनी रहे
- लंबी अवधि (5 से 7 साल या उससे अधिक) में इन फंड्स ने औसतन 10–14% तक का वार्षिक रिटर्न देने की क्षमता दिखाई है, हालांकि रिटर्न बाजार स्थितियों पर निर्भर करता है।
- जब बाजार में ज्यादा उतार-चढ़ाव होता है, तब पूरी रकम इक्विटी में निवेश करना कई निवेशकों को असहज कर सकता है। ऐसे समय में एग्रीसिव हाइब्रिड फंड का डेट हिस्सा वोलैटिलिटी को कुछ हद तक कम करने में मदद करता है।

यह भी रखें ध्यान

- ये फंड पूरी तरह सुरक्षित नहीं होते
- बाजार में तेज गिरावट आने पर इनमें भी अस्थायी नुकसान हो सकता है
- शुद्ध इक्विटी फंड की तुलना में इनकी गिरावट अक्सर थोड़ी कम देखी जाती है। इसलिए जिन निवेशकों को बाजार की चाल समझने में दिक्कत होती है या जो भावनात्मक फैसले लेने से बचना चाहते हैं, उनके लिए ये फंड उपयोगी हो सकते हैं।

ऐसे में निवेशकों को क्या करना चाहिए?

- वर्तमान बाजार परिस्थितियों में निवेशकों को घबराकर फैसले लेने से बचना चाहिए। एक्सपर्ट्स की मानें तो:
- निवेश का लक्ष्य और समयावधि स्पष्ट रखें
- एसआईपी के जरिए निवेश करें, ताकि बाजार के उतार-चढ़ाव का औसत लाभ मिल सके
- एकमुश्त निवेश करने से पहले बाजार वैल्यूएशन पर ध्यान दें
- पोर्टफोलियो में विविधता बनाए रखें
- अगर कोई निवेशक पहली बार म्यूचुअल फंड में कदम रख रहा है या मध्यम जोखिम के साथ बेहतर रिटर्न चाहता है, तो एग्रीसिव हाइब्रिड फंड एक अच्छी शुरुआत हो सकते हैं।

क्यों एग्रीसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड एक बेहतर ऑप्शन

एग्रीसिव हाइब्रिड फंड की सबसे बड़ी ताकत उनका बैलेंस्ड अप्रोच है। ये फंड फंड मैनेजर को यह लचीलापन देते हैं कि वे बाजार की स्थिति के अनुसार इक्विटी और डेट का अनुपात थोड़ा बहुत बदल सकें।

लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न की उम्मीद

इतिहास गवाह है कि लंबी अवधि में बाजार ने हमेशा धैर्य रखने वाले निवेशकों को बेहतर रिटर्न दिया है। एग्रीसिव हाइब्रिड फंड इसी सिद्धांत पर काम करते हैं। ये न तो बहुत ज्यादा आक्रामक होते हैं और न ही बहुत ज्यादा रक्षात्मक। सही फंड का चयन, नियमित निवेश और लंबी अवधि तक बने रहना। ये तीन बातें मिलकर एग्रीसिव हाइब्रिड फंड को एक भरोसेमंद निवेश विकल्प बनाती हैं।

छोटे-छोटे निवेश से भी किए जा सकते हैं बड़े सपने पूरे

आज के समय में हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी वित्तीय योजना मजबूत और सुरक्षित हो, लेकिन सवाल यह है कि लंबी अवधि के लक्ष्यों जैसे बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना या रिटायरमेंट के लिए सही निवेश कैसे चुना जाए? इसी का जवाब है। एसआईपी-एसडब्ल्यूपी, जो म्यूचुअल फंड निवेश को आसान और अनुशासित बनाते हैं।

एसआईपी : छोटी बचत से बड़ा निवेश

एसआईपी का सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप छोटी-छोटी रकम से निवेश शुरू कर सकते हैं। हर महीने तय राशि निवेश करने से धीरे-धीरे बड़ा फंड तैयार हो जाता है। यह तरीका निवेशक को अनुशासन सिखाता है और बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाता है। एसआईपी में चक्रवृद्धि का फायदा मिलता है, यानी समय के साथ आपका पैसा ब्याज पर ब्याज कमाता है और तेजी से बढ़ता है।

एसडब्ल्यूपी: नियमित आय का साधन

दूसरी ओर, एसडब्ल्यूपी उन निवेशकों के लिए है जो अपने निवेश से नियमित आय चाहते हैं। इसमें निवेशक अपने म्यूचुअल फंड से हर महीने या तिमाही तय राशि निकाल सकते हैं। यह तरीका

खासकर रिटायर लोगों के लिए उपयोगी है, क्योंकि उन्हें पेंशन जैसी स्थिर आय मिलती रहती है। एसडब्ल्यूपी से निवेशक का मूल निवेश सुरक्षित रहता है और जरूरत के मुताबिक पैसा मिलता रहता है।

विशेषज्ञों की राय

फाइनेंशियल एडवाइजर्स का मानना है कि एसआईपी और एसडब्ल्यूपी दोनों मिलकर निवेशक को संतुलित वित्तीय योजना बनाने में मदद करते हैं। एसआईपी से लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए फंड तैयार होता है, जबकि एसडब्ल्यूपी से जरूरत पड़ने पर नियमित आय मिलती है। यह संयोजन निवेशक को बाजार की अस्थिरता से बचाता है और अनुशासन बनाए रखता है।

किसके लिए बेहतर?

- **युवा निवेशक:** जो लंबी अवधि के लिए बचत करना चाहते हैं, उनके लिए एसआईपी सबसे अच्छा विकल्प है।
- **रिटायर लोग:** जिन्हें हर महीने खर्च के लिए आय चाहिए, उनके लिए एसडब्ल्यूपी आदर्श है।
- **मध्यम आय वर्ग:** एसआईपी से धीरे-धीरे फंड तैयार कर सकते हैं और बाद में एसडब्ल्यूपी से उसका लाभ उठा सकते हैं।
- एसआईपी और **SWP** सिर्फ निवेश के तरीके नहीं हैं, बल्कि वित्तीय अनुशासन और सुरक्षा का आधार हैं। एसआईपी से आप भविष्य के बड़े लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं, जबकि एसडब्ल्यूपी से वर्तमान की जरूरतें पूरी होती हैं। सही योजना और समय पर निवेश से ये दोनों तरीके मिलकर आपकी वित्तीय जिंदगी को स्थिर और सुरक्षित बना सकते हैं।

प्रोसेसिंग फीस, ईएमआई में देरी पर लगने वाला जुर्माना, रेट कन्वर्जन या रीसेट चार्जेज और बंडल इंश्योरेंस जैसे अनिवार्य ऐड-ऑन पर ध्यान दें

लोन लेने जा रहे हैं तो रहें अलर्ट, हिडन चार्ज कर सकते हैं जेब खाली

तैयारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी लोन लेकर अपना आशियाना खरीदने का प्लान बना रहे हैं, तो सावधान रहें, वरना कुछ हिडन चार्ज आपकी जेब ढीली का सकते हैं। इसलिए कुछ बातों को जानना जरूरी है। दरअसल, लोन लेने के दौरान बैंक कई तरह के चार्ज लगाती हैं। लोन लेने के बाद काफी लोग कम ब्याज दर के कारण लोन ट्रांसफर भी कराते हैं। ऐसे में उन्हें कई तरह के चार्ज चुकाने पड़ते हैं। इससे लोन चुकाने में ज्यादा रकम खर्च होती है। इनमें से कुछ चार्ज को कम कर पैसा बचाया जा सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक लोन लेने के दौरान प्रोसेसिंग फीस, ईएमआई में देरी पर लगने वाला जुर्माना, रेट कन्वर्जन या रीसेट चार्जेज और बंडल इंश्योरेंस जैसे अनिवार्य ऐड-ऑन आपके लोन की कुल लागत को काफी बढ़ा सकते हैं। प्रीपेमेंट और फोरक्लोजर के क्लॉज पर खास ध्यान देना चाहिए, खासकर जब उन पर कोई शुल्क लगता हो। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही कुछ जो आपको परेशान कर सकते हैं।

प्रोसेसिंग चार्ज

हर होम लोन की शुरुआत प्रोसेसिंग फीस, कानूनी और प्रशासनिक खर्चों से होती है। ये वो शुल्क हैं जो बैंक आपके आवेदन का मूल्यांकन करने, डॉक्यूमेंट्स की जांच करने और क्रेडिट चेक करने

इनमें से कुछ चार्ज को कम कर बचाया जा सकता है पैसा

के लिए लेते हैं। ये शुल्क 5000 से 15000 रुपये तक हो सकते हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक होम लोन लेते समय बैंक से इन चार्ज के बारे में मोलभाव करना चाहिए। काफी बैंक इन चार्ज को कम कर देते हैं।

प्रीपेमेंट पेनल्टी

प्रीपेमेंट और फोरक्लोजर क्लॉज तब काम आते हैं जब आप अपना लोन आंशिक रूप से या पूरी तरह से जल्दी चुकाना चाहते हैं। आरबीआई के नियमानुसार फ्लोटिंग रेट (बदलते ब्याज दर वाले) होम लोन पर कोई प्रीपेमेंट शुल्क नहीं लग सकता है। हालांकि फिक्स्ड इंटरेस्ट रेट और हाइब्रिड इंटरेस्ट रेट होम लोन पर आमतौर पर बकाया मूल राशि का 4% तक का जुर्माना लग सकता है। बेसिक होम लोन के सीईओ और को-फाउंडर अतुल मोंगा के अनुसार, जब कोई उधारकर्ता आंशिक प्रीपेमेंट करता है तो बैंक आमतौर पर लोन की अवधि कम कर देते हैं और ईएमआई वैसे ही रखते हैं। इससे लंबे समय में ब्याज की काफी बचत होती है।

ब्याज दर बदलने पर चार्ज

बाजार की स्थितियां बदलती रहती हैं। हो सकता है कि आप अपने लोन की अवधि के दौरान फ्लोटिंग से फिक्स्ड रेट या फिक्स्ड रेट से फ्लोटिंग रेट पर स्विच करना चाहें। बैंक इसके लिए कन्वर्जन की सुविधा देते हैं, लेकिन इसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है। मोंगा के अनुसार, कन्वर्जन फीस आमतौर पर आपकी बकाया लोन राशि का 0.25% से 0.5% तक होती है। 40 लाख रुपये की बकाया राशि पर यह 10,000 रुपये से 20,000 रुपये के बीच हो सकता है। कन्वर्जन विकल्प का उपयोग करने से पहले, यह गणना करें कि क्या ब्याज दर का अंतर कन्वर्जन शुल्क को सही ठहराता है। कभी-कभी अपनी मौजूदा दर पर बने रहना अधिक किफायती होता है।

बैलेंस ट्रांसफर की लागत

अपने होम लोन के कुछ साल बाद आपको कम ब्याज दरों पर बैलेंस ट्रांसफर (लोन को एक बैंक से दूसरे बैंक में ले जाना) के ऑफर मिल सकते हैं। हालांकि, ब्याज दर बदलने की तरह ऐसे अवसर को तुरंत लपक लेना हमेशा एक अच्छा ऑप्शन नहीं हो सकता है। कम ब्याज दर के अलावा, नए ऋणदाता के पास भी वही शुरुआती शुल्क हो सकते हैं जैसे प्रोसेसिंग फीस, कानूनी और मूल्यांकन शुल्क, एमओडीटी शुल्क आदि। अगर आपका पुराना लोन हाइब्रिड या फिक्स्ड रेट पर था, तो उस पर फोरक्लोजर पेनल्टी भी लग सकती है। शेट्टी कहते हैं कि बैलेंस ट्रांसफर तभी फायदेमंद होता है जब ब्याज दर का अंतर काफी ज्यादा हो।

लेट पेमेंट पर लगने वाला चार्ज

कई बार होम लोन की ईएमआई लेट हो सकती है। यह कई कारणों से हो सकती है, जैसे सैलरी का देरी से मिलना, कोई मेडिकल इमरजेंसी आदि। ऐसे में लेट पेमेंट के नाम पर बैंक भारी चार्ज लगाते हैं। यह बकाया ईएमआई का 3 फीसदी तक या इससे ज्यादा भी हो सकता है। मोंगा बताते हैं कि अधिकांश बैंक जुर्माना लगाने से पहले ड्यू डेट के बाद 5 से 10 दिनों का अतिरिक्त ग्रेस पीरियड (छूट अवधि) देते हैं। ऐसे में बेहतर होगा कि अपने अकाउंट में पर्याप्त पैसा रखें ताकि ईएमआई बाउंस न हो।

जबरन बीमा बेचना

इंश्योरेंस एक और ऐसा सेक्टर है जहां उधारकर्ता अक्सर अनजाने में पैसा गंवा देते हैं। दो तरह के इंश्योरेंस दिए जाते हैं। पहला प्रॉपर्टी इंश्योरेंस। होम लोन के दौरान आपकी प्रॉपर्टी बैंक में गिरवी रखी संपत्ति होती है। बैंक को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता होती है कि यह आग, प्राकृतिक आपदाओं और अन्य नुकसानों से सुरक्षित है। दूसरा इंश्योरेंस लोन प्रोटेक्शन है। यह एक टर्म इंश्योरेंस पॉलिसी है जो होम लोन लेने वाले की मृत्यु होने पर लोन का बकाया पेमेंट करती है। लोन प्रोटेक्शन इंश्योरेंस वैकल्पिक है। विवाद तब पैदा होते हैं जब बैंक स्पष्ट सहमति के बिना सिंगल-प्रीमियम इंश्योरेंस को लोन में बंडल कर देते हैं। उधारकर्ता अपनी पसंद के बीमाकर्ता को चुनने या अलग टर्म प्लान लेने के लिए स्वतंत्र हैं, बशर्ते वे बैंक की आवश्यकताओं को पूरा करते हों।

सीईआरएसएआई चार्जेज

सीईआरएसएआई (सेंट्रल रजिस्ट्री ऑफ सिक्योरिटाइजेशन एसेट रिकंस्ट्रक्शन एंड सिक्योरिटी इंटरेस्ट ऑफ इंडिया) एक ऐसा शुल्क है जो आमतौर पर पहली बार होम लोन लेने वाले को भ्रमित करता है। शेट्टी बताते हैं कि सीईआरएसएआई चार्जेज एक ही प्रॉपर्टी पर कई लोन को रोकने के लिए एक केंद्रीय डेटाबेस में मॉर्गेज के रजिस्ट्रेशन को कवर करते हैं। ये शुल्क 100 (जीएसटी के अतिरिक्त) तक हो सकते हैं।

लोन भी गुड और बैड कुछ होते हैं दौलत के दोस्त और कई जेब के 'दुश्मन'

आसानी से मिल जाने वाले लोन का पैसा राहत के साथ दे सकता है बड़ी परेशानी

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

आज के दौर में लोन लेना पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है। बैंक हों या मोबाइल एप, कुछ ही समय में आसानी से लोन मिल जाता है। अब जरूरत पड़ते ही लोग बिना ज्यादा सोचे-समझे लोन ले लेते हैं, लेकिन यहीं से कई बार फाइनेंशियल परेशानी शुरू हो जाती है, क्योंकि हर लोन आपके फायदे के लिए नहीं होता। असल में लोन दो तरह के होते हैं गुड लोन और बैड लोन और दोनों में फर्क समझना आम लोगों के लिए बेहद जरूरी है। डिजिटल दौर में इंस्टेंट लोन ऐप्स ने लोगों को जल्दी पैसा तो दिया, लेकिन साथ में हाई इंटरेस्ट, छिपे चार्ज और मानसिक तनाव भी दिया है। कई लोग छोटी जरूरतों के लिए ऐसे ऐप्स से लोन लेते हैं और बाद में ईएमआई के बोझ में फंस जाते हैं। यही वजह है कि लोन लेने से पहले यह समझना जरूरी है कि आप किस तरह का कर्ज ले रहे हैं।

सोच समझकर ही कदम उठाना होगा फायदेमंद, वरना आप रहेंगे घाटे में
अब जरूरत पड़ते ही लोग बिना ज्यादा सोचे-समझे ले लेते हैं लोन

क्या होता है गुड लोन

गुड लोन वह होता है जो आपकी जिंदगी को बेहतर बनाने में मदद करें। ऐसा लोन जो भविष्य में आपकी आमदनी बढ़ाए, संपत्ति बनाए या करियर को मजबूत करे, उसे अच्छा कर्ज माना जाता है। इसमें ब्याज दर आमतौर पर कम होती है और समय के साथ इसका फायदा नजर आता है। मान लीजिए आपने पढ़ाई के लिए एजुकेशन लोन लिया और आगे चलकर उसी पढ़ाई से आपकी कमाई बढ़ती है। इसी तरह बिजनेस लोन से व्यापार बढ़ता है या होम लोन से आपकी खुद की संपत्ति बनती है। ऐसे लोन लंबे समय में आपकी नेटवर्थ बढ़ाने का काम करते हैं, इसलिए इन्हें गुड लोन कहा जाता है।

गुड लोन की खास पहचान

गुड लोन में रिटर्न की संभावना ब्याज से ज्यादा होती है। ईएमआई आपकी कमाई के हिसाब से मैनेज हो जाती है और लोन का इस्तेमाल किसी प्रोडक्टिव काम में होता है। यह आपकी फाइनेंशियल ग्रोथ का हिस्सा बनता है, बोझ नहीं।

बैड लोन क्या होता है

बैड लोन वह होता है जो सिर्फ खर्च बढ़ाता है, आमदनी नहीं। इस तरह के लोन में ब्याज दर काफी ज्यादा होती है और कई बार अतिरिक्त चार्ज भी जुड़ जाते हैं। अगर समय पर भुगतान न हो, तो क्रेडिट स्कोर बिगड़ जाता है और आगे लोन मिलना मुश्किल हो जाता है। पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड बकाया, इंस्टेंट लोन ऐप्स से लिया गया कर्ज या गैर-जरूरी चीजों के लिए लिया गया लोन अक्सर इसी कैटेगरी में आता है। इनसे न तो कोई एसेट बनता है और न ही भविष्य में कोई फायदेमंद रिटर्न मिलता है।

बैड लोन क्यों बन जाता है परेशानी

बैड लोन की ईएमआई जेब पर भारी पड़ती है। कई लोग एक लोन चुकाने के लिए दूसरा लोन लेते हैं और धीरे-धीरे कर्ज के जाल में फंस जाते हैं। तनाव बढ़ता है, सेविंग खत्म हो जाती है और आर्थिक आजादी खतरे में पड़ जाती है।

दोनों में क्या है अंतर

आधार	: लोन लेने का मकसद
गुड लोन	: भविष्य को मजबूत बनाना
बैड लोन	: सिर्फ मौजूदा खर्च पूरा करना
आधार	: पैसे का असर
गुड लोन	: दौलत और कमाई बढ़ाता है
बैड लोन	: जेब पर बोझ बढ़ाता है
आधार	: ब्याज दर
गुड लोन	: अपेक्षाकृत कम
बैड लोन	: काफी ज्यादा
आधार	: लंबे समय का फायदा
गुड लोन	: फायदा देता है नहीं
बैड लोन	: नुकसान बढ़ाता है
आधार	: कमाई
गुड लोन	: बढ़ाने में मदद करता है
बैड लोन	: नहीं करता
आधार	: जोखिम का स्तर
गुड लोन	: कम जोखिम
बैड लोन	: ज्यादा जोखिम
आधार	: उदाहरण
गुड लोन	: होम लोन, एजुकेशन लोन, बिजनेस लोन
बैड लोन	: पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड लोन, इंस्टेंट ऐप लोन
आधार	: मानसिक असर
गुड लोन	: सुरक्षा और स्थिरता
बैड लोन	: तनाव और दबाव
आधार	: भविष्य की प्लानिंग
गुड लोन	: आसान बनती है
बैड लोन	: मुश्किलें बढ़ाती है

कितना लोन लेना है सही

लोन लेते समय अपनी आय और खर्च का सही हिसाब लगाना जरूरी है। इसके लिए डेट-टू-इनकम रेश्यो देखा जाता है। यानी आपकी कुल मासिक ईएमआई, आपकी मासिक कमाई के 40 फीसदी से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। अगर यह 30 फीसदी से नीचे है, तो और भी बेहतर माना जाता है।

लोन से पहले बचत को दें प्राथमिकता

हर छोटी जरूरत के लिए लोन लेना समझदारी नहीं है। बेहतर है कि पहले बचत की आदत डालें। छोटी प्लानिंग, एसआईपी या इमरजेंसी फंड बनाकर कई खर्च बिना कर्ज के पूरे किए जा सकते हैं। लोन तभी लें, जब वह सच में आपकी जिंदगी को आगे बढ़ाने वाला हो।

समझदारी ही असली सुरक्षा

लोन अपने आप में न अच्छा है, न बुरा। फर्क इस बात से पड़ता है कि आप उसे किस मकसद से ले रहे हैं। सही जानकारी और सोच-समझकर लिया गया कर्ज आपकी तरक्की का रास्ता खोल सकता है, जबकि जल्दबाजी में लिया गया लोन आपकी जेब का सबसे बड़ा दुश्मन बन सकता है।

'स्पिरिट' की रिलीज तारीख का ऐलान..

मुंबई। सुपरस्टार प्रभास की हालिया रिलीज फिल्म 'द राजा साब' लोगों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर रही। इस बीच, अभिनेता ने अपनी बहुप्रतिक्षित फिल्म 'स्पिरिट' से जुड़ी सबसे बड़ी खुशखबरी साझा कर दी है। सोशल मीडिया पर आधिकारिक ऐलान करते हुए फिल्म की रिलीज तारीख का खुलासा किया गया है। संदीप रेड्डी वांगा में बन रही 'स्पिरिट' का पहला पोस्टर नए साल के पहले दिन जारी हुआ था। रिलीज का ऐलान होने से प्रशंसक डबल उत्साहित हो गए हैं। प्रभास की 'स्पिरिट' एक्शन-थ्रिलर फिल्म है जिसका हिस्सा तृप्ति डिमरी और विवेक ओबेरॉय भी हैं।

लाइफ Style

मृणाल

फरवरी में सात फेरे लेने का दावा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

साउथ सुपरस्टार धनुष और मृणाल ठाकुर की कथित प्रेम-कहानी काफी समय से लोगों का ध्यान खींच रही है। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि दोनों दुनिया की नजरों से छिपकर एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं।

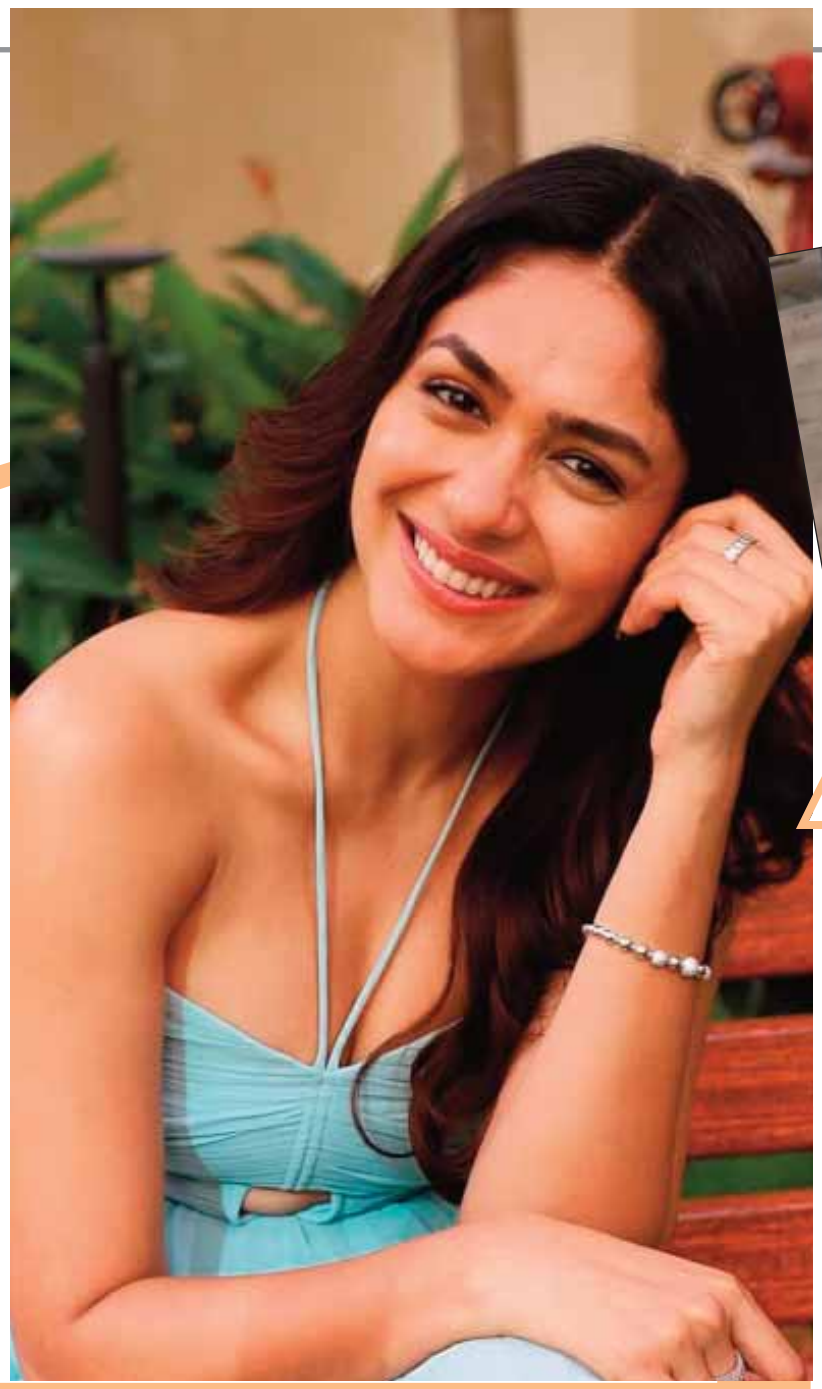

नई जानकारी और चौंकाने वाली है, क्योंकि दावा है कि दोनों अपने रिश्ते को आधिकारिक नाम देने की तैयारी में हैं। फरवरी में वैलेंटाइन डे के खास मौके पर मृणाल, 9 साल बड़े धनुष से शादी कर सकती हैं। मीडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 14 फरवरी यानी वेलेंटाइन डे को धनुष और मृणाल एक निजी समारोह में शादी की योजना बना रहे हैं। इस समारोह में सिर्फ दोनों सितारों का परिवार और करीबी रिश्तेदार शामिल होंगे। हालांकि, इन रिपोर्ट्स पर दोनों में से किसी ने भी आधिकारिक बयान नहीं दिया है और न कई दिनों से चल रहे अपने कथित रिश्ते की पुष्टि की है। इसलिए इन दावों में कितनी सच्चाई है, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

धनुष और मृणाल के डेटिंग की खबरों ने 'सन ऑफ सरदार 2' की स्क्रीनिंग के दौरान जोर पकड़ा था, जब दोनों सितारों को एक साथ कैमरे में कैद किया गया। इसके बाद, मृणाल के जन्मदिन पर धनुष को उनका हाथ थामे और मुस्कुराते हुए देखा गया। यही नहीं, धनुष और कृति सैनन की फिल्म 'तेरे इश्क में' की रैप-अप पार्टी में मृणाल ने पहुंचकर लोगों को चौंका दिया। बस यहीं से दोनों के कथित रिश्ते के किस्से शुरू हो गए।

हॉलीवुड मसाला

ट्रंप के टैरिफ से सिनेमा में मचा हड़कंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कुछ दिन पूर्व ही घोषणा की है कि अमेरिका के बाहर बनी सभी फिल्मों पर अब 100% तक का टैरिफ लगाया जाएगा। ट्रंप का कहना है कि यह अहम कदम अमरीकी फिल्म उद्योग को फिर से मजबूत करना और 'मेड इन अमेरिका' नीति को आगे बढ़ाने के लिए बहुत जरूरी है। ट्रंप के इस कदम से न केवल हॉलीवुड बल्कि ग्लोबल सिनेमा में हड़कंप मचा हुआ है। दरअसल, ट्रंप का कहना है कि विदेशों में बनी फिल्मों ने अमरीका से फिल्म निर्माण का कार्य छीन लिया है, ठीक वैसे ही जैसे किसी बच्चे से उसकी कैंडी छीन ली हो।

हॉलीवुड स्टार जॉन सीना भी हैं शाहरुख के दीवाने

लॉस एंजिलस। शाहरुख खान बॉलीवुड के ही नहीं बल्कि हॉलीवुड के दिलों के भी बादशाह हैं। ये तो सब जानते हैं कि शाहरुख खान के फैंस दुनियाभर के हर एक कोने में मौजूद हैं। लेकिन जब आप ये सुनेंगे कि एक हॉलीवुड स्टार भी बादशाह खान का फैन है तो आप जरुर हैरान होंगे। हम जिस हॉलीवुड स्टार की बात कर रहे हैं वो हैं जॉन सीना, जो किंग खान के कितने बड़े है ये उन्होंने हाल ही में साबित कर दिया है। यूं तो जॉन को कई दफा बॉलीवुड के बादशाह की तारीफ करते देखा जा चुका है लेकिन अब उन्होंने शाहरुख के लिए जो किया है वो देख आप देखते रह जाएंगे। डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियन और हॉलीवुड एक्टर जॉन सीना का एक वीडियो इस वक्त सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह एक कार्यक्रम में शाहरुख का गाना 'भोली सी सूरत' गाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

जुनैद की 'एक दिन' से बॉलीवुड में डेब्यू

मुंबई। आमिर खान के बेटे जुनैद खान अपनी अगली फिल्म 'एक दिन' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म का पोस्टर जारी करने के बाद निर्माताओं ने टीजर जारी कर दिया है जो लोगों का ध्यान खींच रहा है। इस फिल्म के जरिए साई बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। फिल्म के टीजर में जुनैद के साथ उनकी केमिस्ट्री शानदार नजर आ रही है। सुनील पांडे द्वारा निर्देशित 'एक दिन' रोमांटिक-ड्रामा फिल्म है जो 1 मई, 2026 को रिलीज होगी। 'एक दिन' के टीजर की शुरुआत दोनों मुख्य कलाकारों से होती है जहां वह खुद को शीशे में निहार रहे हैं। जुनैद कहते हैं, 'तुम्हारी मुस्कुराहट मुझे बहुत अच्छी लगती है मीरा। तुम्हारा दिल जीतूंगा या नहीं ये नहीं पता'। इसके बाद दोनों की खूबसूरत प्रेम दिखती है, लेकिन जल्द उनका ये सपना टूट जाता है।

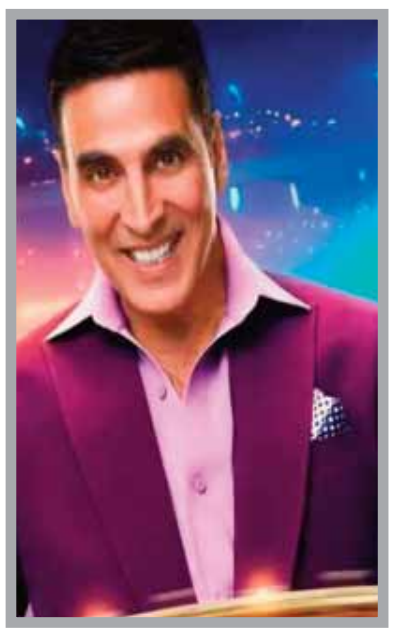

'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' से टीवी पर वापसी

मुंबई। बॉलीवुड के 'खिलाड़ी' अक्षय कुमार हर साल अपनी फिल्मों से दर्शकों का मनोरंजन करते हैं। इस बार वह टीवी पर भी यह जिम्मेदारी उठाते दिखेंगे क्योंकि उनका नया गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' आ रहा है। काफी समय से चर्चा बटोर रहा यह रियलिटी शो इसी महीने यानी, जनवरी में अपनी स्ट्रीमिंग के लिए तैयार है। निर्माताओं ने शो का प्रोमो और स्ट्रीमिंग तारीख जारी कर दी है। यह क्लासिक शब्द खेल हैंगमैन पर आधारित है। 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' के प्रोमो के साथ कैप्शन दिया गया, 'किस्मत आपकी, पैसा चैनल का...और ढेर सारी मस्ती मेरी तरफ से।' अक्षय ने होस्ट की जिम्मेदारी संभाली है जो प्रतियोगियों को पुरस्कार राशि जीतने का मौका देंगे। यह शो 27 जनवरी से सोनी लिव और सोनी टीवी पर रात 9 बजे प्रसारित होगा।

टीवी मसाला

कसम से सीरियल की तीन बहनें अब कैसी दिखती हैं बानी, पिया और रानो

नई दिल्ली। टीवी और बॉलीवुड जगत की मशहूर प्रोड्यूसर एकता कपूर के लोकप्रिय सीरियल 'कसम से' ने अपने रिलीज के 20 साल पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर एकता कपूर ने यादों को ताजा किया जो लोग नहीं जानते उन्हें बता दें कि यह सीरियल 16 जनवरी 2006 को पहली बार जी टीवी पर प्रसारित किया गया था।

तीन बहनों की थी कसम से की कहानी : टीवी सीरियल की कहानी तीन बहनों- बानी, पिया और रानो के ईर्द-गिर्द घूमती है, जिनके जीवन में जय वालिया के आने से कई बदलाव आते हैं और उनकी आपसी बॉन्डिंग व रिश्तों की कसौटी को दिखाया गया था। इसमें प्राची देसाई ने बानी का किरदार निभाया था, जबकि राम कपूर ने जय वालिया का किरदार निभाया था। दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री दर्शकों को काफी पसंद आई थी।

ये अभिनेत्रियां बनीं थीं तीन बहनें : इस सीरियल में राम कपूर और प्राची देसाई (बानी) के अलावा, रोशनी चोपड़ा (पिया), अरुनिमा शर्मा (बानो) जया भट्टाचार्य, और अश्विनी कलसेकर (जिज्ञासा) जैसे कलाकार भी शामिल थे। यह सीरियल साल 2009 तक प्रसारित हुआ था। एकता कपूर ने इसे बालाजी टेलीफिल्म्स के बैनर तले रिलीज किया था।

शो से बॉलीवुड पहुंचे बानी और राम: यह शो जी टीवी पर काफी सफल रहा और इसने मुख्य किरदार प्राची देसाई को अच्छी पहचान दिलाई थी, बल्कि राम कपूर को भी घर-घर में मशहूर किया था। इस शो के बाद राम कपूर 'बड़े अच्छे लगते हैं' और प्राची देसाई ने बॉलीवुड फिल्मों जैसे 'रॉक ऑन' से अपनी पहचान बनाई। वहीं राम कपूर ने कई बॉलीवुड फिल्मों में काम कर अपनी अलग पहचान बना ली है।

तलाक के बाद माही विज ने छोड़ा सहर होने को है सीरियल

नई दिल्ली। टीवी की स्टार एक्ट्रेस माही विज एक बार फिर चर्चा में हैं। हाल ही में वह टीवी के पॉपुलर एक्टर और पूर्व पति जय भानुशाली संग तलाक की खबरों से खूब चर्चा में रही थीं। अब उनके चर्चा में आने की वजह है कि वह टीवी शो 'सहर होने को है' को बहुत जल्द छोड़ सकती हैं। इस बीच यह भी कहा जा रहा है कि वह एक नए रियलिटी शो में हिस्सा ले सकती हैं, जो बहुत जल्द ऑन एयर होने वाला है। माही का नाम इस शो से तब से जुड़ रहा है, जब से वह एंडेमोल के ऑफिस पर स्पॉट हुई हैं। फिलहाल एक्ट्रेस ने अपनी इस विजिट और नए शो में जाने की अटकलों पर चुप्पी साधी हुई है। वहीं, इस नए रियलिटी शो के मेकर्स और चैनल की तरफ से भी कोई बयान नहीं आया है। चलिए जानते हैं किस नए शो में माही विज एंट्री लेने जा रही है।

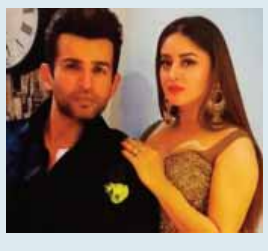

'हैप्पी पटेल' पड़ी 'राहु केतु' पर भारी बॉक्स ऑफिस पर वीर दास ने मारी बाजी

मुंबई। बॉक्स ऑफिस पर जब 2 कॉमेडी फिल्में आपस में टकराती हैं तो मुकाबला हमेशा दिलचस्प होता है। इस शुक्रवार आमिर खान के प्रोडक्शन में बनी वीर दास अभिनीत 'हैप्पी पटेल' और वरुण शर्मा-पुलकित सम्राट की जोड़ी वाली 'राहु केतु' के बीच जबरदस्त भिड़ंत देखने को मिली। हालांकि, वीर दास की अतरंगी कॉमेडी के आगे 'फुकरे' वाले वरुण शर्मा और पुलकित सम्राट की फिल्म 'राहु केतु' बेअसर साबित हुई है।

'राहु केतु' को पीछे छोड़ आगे निकली 'हैप्पी पटेल'

रिपोर्ट के मुताबिक, इस टक्कर में पहले दिन टिकट खिड़की पर 'हैप्पी पटेल' ने हल्की बढ़त बना ली है। इसने देशभर में करीब 1.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया। दूसरी ओर 'राहु केतु' भी कमाई के मामले में पीछे नहीं रही और फिल्म ने पहले दिन लगभग 1 करोड़ रुपये जुटाए। हालांकि, दोनों फिल्मों की कमाई में ज्यादा बड़ा अंतर नहीं है, जिससे आने वाले दिनों में बॉक्स ऑफिस पर मुकाबला और रोमांचक होने की उम्मीद जताई जा रही है।

क्या है 'हैप्पी पटेल' की कहानी?

आमिर खान के प्रोडक्शन में बनी 'हैप्पी पटेल' अपनी अतरंगी कहानी और वीर दास की जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग की वजह से चर्चा में है। ये एक स्पाय-कॉमेडी फिल्म है। ये ऐसे शख्स की कहानी दिखाती है, जो गलती से जासूसी की दुनिया में फंस जाता है। इस फिल्म में शारिब हाशमी, मोना सिंह, मिलिथा पालकर और इमरान खान भी हैं, वहीं आमिर ने कैमियो किया है। खास बात है कि फिल्म का निर्देशन भी वीर दास ने ही किया है।

'मर्दानी 3' सेंसर बोर्ड से पास, शिवानी का अब तक का सबसे लंबा मिशन...

मुंबई। रानी मुखर्जी एक बार फिर 'शिवानी शिवाजी रॉय' के कड़क अंदाज में बड़े पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मर्दानी 3' ने सेंसर बोर्ड की बाधा पार कर ली है और इसे यू/ए 16+ सर्टिफिकेट के साथ हरी झंडी मिल गई है। दिलचस्प बात है कि ये फिल्म न केवल अपने एक्शन और विषय के कारण चर्चा में है, बल्कि ये इस पूरी फ्रेंचाइजी की सबसे लंबी फिल्म भी बन गई है।

बच्चे अकेले नहीं देख पाएंगे फिल्म : सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने 'मर्दानी 3' को देखने के बाद इसे यू/ए 16+ सर्टिफिकेट दिया है। इसका मतलब है कि 16 साल से कम उम्र के बच्चे इस फिल्म को अकेले नहीं देख पाएंगे। अगर वो ये फिल्म देखना चाहते हैं तो उन्हें माता-पिता या किसी बड़े के साथ ही सिनेमाघर जाना होगा। फिल्म में दिखाए जाने वाले डार्क विषय और गंभीर एक्शन को देखते हुए यह रेटिंग दी गई है।

इतनी लंबी होगी 'मर्दानी 3'

'मर्दानी' सीरीज अपनी तेज रफ्तार और सटीक कहानी के लिए जानी जाती है, लेकिन इस बार दर्शकों को शिवानी शिवाजी रॉय को पहले से कहीं ज्यादा समय तक बड़े पर्दे पर देखने का मौका मिलेगा। 'मर्दानी 3' का कुल रनटाइम 2 घंटे, 10 मिनट और 36 सेकंड है, जिससे यह फ्रेंचाइजी की अब तक की सबसे लंबी फिल्म बन गई है। 'मर्दानी' का रनटाइम 1 घंटा 53 मिनट था, जबकि 'मर्दानी 2' की अवधि सिर्फ 1 घंटा 45 मिनट रही।

सबसे बड़ा रनटाइम और सबसे पेचीदा मिशन

'मर्दानी 3' पहली फिल्म से लगभग 17 मिनट और दूसरी फिल्म से करीब 25 मिनट ज्यादा लंबी है। फिल्म का इतना लंबा रनटाइम ये संकेत देता है कि इस बार कहानी का दायरा बड़ा है और शिवानी शिवाजी रॉय का सामना जिस दुश्मन से है, वो काफी पेचीदा और खतरनाक होने वाला है। ये शिवानी शिवाजी रॉय का अब तक का सबसे लंबा मिशन होगा।

इस साल इन फिल्मों का दर्शकों को है बेसब्री से इंतजार

'किंग' का राज और 'जन नायकन' की दहाड़

मुंबई। तैयार हो जाइए, क्योंकि भारतीय सिनेमा में बड़ा धमाका होने वाला है। 2026 की शुरुआत के साथ ही आईएमडीबी यानी इंटरनेट मूवी डाटोबेस ने इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों की सूची जारी की है। एक तरफ शाहरुख खान का 'किंग' अवतार सिनेमाघरों में धमाल मचाने को तैयार है तो दूसरी तरफ थलापति विजय की आखिरी फिल्म की 'दहाड़' से पूरा बॉक्स ऑफिस थर्राने वाला है। आइए जानें इस साल दर्शकों को बॉलीवुड और साउथ की किन फिल्मों का इंतजार है।

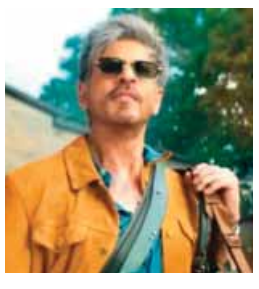

'किंग': आईएमडीबी की बहुप्रतिक्षित फिल्मों की सूची में 'किंग' पहले स्थान पर विराजमान है, जिससे ये साफ है कि शाहरुख का जादू आज भी दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा है। 'पठान' और 'जवान' के बाद प्रशंसकों को उनके एक और खतरनाक एक्शन अवतार का इंतजार है, जो इस फिल्म के साथ खत्म होने वाला है। फिल्म में शाहरुख एक गैंगस्टर के रोल में नजर आएंगे। इसके जरिए वो पहली बार अपनी बेटी सुहाना खान के साथ स्क्रीन साझा करते दिखेंगे।

'रामायण': 'किंग' के बाद जिस फिल्म ने सबसे ज्यादा हलचल मचाई है, वो है नितेश तिवारी की महागाथा 'रामायण पार्ट 1'। आईएमडीबी की सूची में इसे दूसरा स्थान मिलना यह दर्शाता है कि दर्शक भारतीय संस्कृति और आधुनिक सिनेमा के इस मिलन को देखने के लिए कितने उत्साहित हैं। रणबीर कपूर की 'रामायण' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि भारतीय सिनेमा का अब तक का सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट मानी जा रहा है। साई पल्लवी इसके जरिए बॉलीवुड में कदम रख रही हैं।

'जन नायकन और 'स्पिरिट': सूची में तीसरे नंबर पर काबिज है थलापति विजय की फिल्म 'जन नायकन', जो उनकी आखिरी फिल्म है। इसके बाद विजय पूरी तरह राजनीति में कदम रखेंगे, जिसके कारण उनके लाखों फैंस इस फिल्म को ऐतिहासिक बनाने के लिए बेताब हैं। उधर चौथे स्थान पर अपनी जगह पक्की है प्रभास की फिल्म 'स्पिरिट' ने। फिल्म में प्रभास पुलिस अफसर के किरदार में दिखेंगे। ब्लॉकबस्टर फिल्म 'एनिमल' वाले संदीप रेड्डी वांगा ने इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभाली है।

'टॉक्सिक' और 'बैटल ऑफ गलवान': 'केजीएफ 2' के बाद दर्शक जिस चेहरे को देखने के लिए तरस रहे थे, वो अब 'टॉक्सिक' के साथ लौट रहा है। आईएमडीबी की सूची में यश की इस फिल्म ने पांचवें पायदान पर कब्जा किया है। फिल्म में यश के साथ कियारा आडवाणी नयनतारा, तारा सुतारिया और हुमा कुरैशी भी हैं। छठे स्थान पर सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' है, जिसमें वो एक जांबाज आर्मी ऑफिसर के किरदार में देश के हीरो की कहानी पर्दे पर उतारेंगे।

ये फिल्में भी हैं सूची में शामिल : सूची में 7वें स्थान पर आलिया भट्ट की अल्फा और 8वें नंबर पर रणवीर सिंह की सबसे बड़ी फिल्म 'धुरंधर' का सीक्वल 'धुरंधर 2' है। 9वें स्थान पर सनी देओल की 'बॉर्डर 2' है तो 10 नंबर पर तमिल फिल्म 'लव इंश्योरेंस कंपनी' है।

समंदर का कचरा बना जीवों की कॉलोनी

न्यूयार्क। प्रशांत महासागर में मौजूद दुनिया के सबसे बड़े कचरे के ढेर को ग्रेट पैसिफिक गार्बेज पैच कहा जाता है। इसको लेकर वैज्ञानिकों को एक चौंकाने वाली बात पता चली है। प्लास्टिक के इस कचरे पर अब समुद्री जीव रहने लगे हैं। ये इलाका पहले बिल्कुल खाली माना जाता था। वहां अब छोटे-छोटे जानवर बस रहे हैं। बढ़ रहे हैं और यहां तक कि बच्चे भी पैदा कर रहे हैं। प्रशांत महासागर के बीचों-बीच एक बहुत बड़ा इलाका है। यहां पर सालों से प्लास्टिक का कचरा जमा होता जा रहा है। यह कचरा धीरे-धीरे समुद्र की लहरों के साथ घूमता रहता है। धूप, नमक और समय के असर से यह प्लास्टिक कमजोर तो हो जाता है। हालांकि खत्म नहीं होता है। वैज्ञानिकों को पहले लगता था कि खुले समुद्र में कोई जीव टिक नहीं सकता है। क्योंकि वहां न जमीन होती है न सहारा होता पर अब तस्वीर बदल रही है। आइए आपको इसके बारे में बताते हैं।

प्लास्टिक पर बसी समुद्री दुनिया

वैज्ञानिक जब समुद्र से प्लास्टिक हटाने पहुंचे तो उन्हें उम्मीद नहीं थी कि उस पर जिंदगी मिलेगी. जांच में सामने आया कि प्लास्टिक के टुकड़ों पर कई तरह के छोटे जीव चिपके हुए थे। कुछ वहीं रह रहे थे। कुछ बढ़ रहे थे और कुछ तो प्रजनन भी कर रहे थे। **रिसर्च में क्या पता चला :** वैज्ञानिकों ने उत्तरी प्रशांत महासागर से प्लास्टिक के 105 बड़े टुकड़े इकट्ठा किए। ये टुकड़े उस इलाके से थे जहां समुद्री धाराओं के कारण कचरा जमा होता है। जांच में पाया गया कि लगभग हर टुकड़े पर कोई न कोई जीव मौजूद था। इन प्लास्टिक के टुकड़ों पर बार्नेकल, छोटे केकड़े, झींगा जैसे जीव, समुद्री फूल और कई दूसरे छोटे जीव पाए गए। कुल मिलाकर 46 तरह के जीवों की पहचान हुई है। ध्यान देने वाली बात यह थी कि इनमें से कई जीव आमतौर पर समुद्र किनारे रहते हैं। चट्टानों या बंदरगाह की दीवारों से चिपके रहते हैं। बता दें कि लंबे समय तक वैज्ञानिकों का मानना था कि खुले समुद्र में तटीय जीव जिंदा नहीं रह सकते। वहां न कोई सतह होती है, न छिपने की जगह और न ही खाने का भरोसा होता।

चांद पर भी परमाणु रिएक्टर लगाने की होड़

यूएस का ऐलान- 2030 तक पूरा कर लेंगे काम

वॉशिंगटन। बताया जा रहा है कि अमेरिका चांद पर स्थायी रूप से मानव और रोबोटिक मौजूदगी की दिशा में एक अहम कदम उठाने जा रहा है और वहां पर न्यूक्लियर रिएक्टर लगाने की योजना बना रहा है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, नासा और अमेरिकी ऊर्जा विभाग ने मिशन मून के लिए एक परमाणु फिशन सरफेस सिस्टम विकसित करने के लिए एक नए कार्यक्रम पर संयुक्त रूप से काम कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि अमेरिका की ओर से साल 2030 का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, इस समय तक चांद की सतह पर यह रिएक्टर तैनात किए जाएं, ये पूरा घटनाक्रम ऐसे समय पर आया है, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले साल 18 दिसंबर को एक कार्यकारी आदेश 'अमेरिकी अंतरिक्ष श्रेष्ठता सुनिश्चित करना' जारी किया था, जो पूरी तरीके से एजेंसियों को दशक के अंत तक प्रक्षेपण के लिए एक चंद्र सतह रिएक्टर तैयार रखने का निर्देश देता है।

नासा ने क्या कहा?

अमेरिका के इस न्यूक्लियर मिशन को लेकर नासा एडमिनिस्ट्रेटर जेरेड आइजैकमान ने बताया कि यूएस चांद पर लौटने, वहां रहने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने और मंगल पर उससे आगे के लिए अगली छलांग लगाने के लिए आवश्यक निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध है। आगे यह भी बताया गया है कि चंद्रमा पर ये रिएक्टर एक विखंडन सतह विद्युत प्रणाली का इस्तेमाल करेंगे, यह भविष्य के लंबे चंद्र अभियानों के लिए सूरज के प्रकाश या तापमान की परवाह किए बिना सुरक्षित और प्रचुर मात्रा में विद्युत शक्ति उत्पन्न करने में सक्षम होगी।

चीन और रूस भी तैयारी में लगे

गौरतलब है कि अमेरिका केवल इकलौता देश नहीं है, जो चांद पर परमाणु योजनाएं बनाने पर काम कर रहा है। पिछले साल मई के महीने में चीन और रूस ने भी चांद पर एक स्वचालित परमाणु ऊर्जा स्टेशन बनाने की योजना की घोषणा की थी. कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि रूस के सरकारी अंतरिक्ष निगम, रोस्कोस्मोस ने कहा किक उसने साल 2036 तक एक चंद्र ऊर्जा संयंत्र बनाने की योजना बनाई है। वहीं, इसके लिए लावोचकिन एसोसिएशन एयरोस्पेस कंपनी के साथ एक अनुबंध पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

आसमान में उतरा 385 फीट चौड़े पंख वाला जहाज, 28 पहिये और 6 इंजन

न्यूयार्क। इंजीनियरिंग की दुनिया में जब भी किसी अजूबे की बात होती है, तो स्ट्रैटोलॉन्च आरओसी का नाम सबसे ऊपर आता है। यह केवल एक हवाई जहाज नहीं है, बल्कि आसमान में उड़ने वाला एक ऐसा भीमकाय ढांचा है जिसे देखकर पहली बार में आंखों पर यकीन करना मुश्किल हो जाता है। अपनी बनावट में यह दो अलग-अलग जेट विमानों के मेल जैसा दिखता है, जिन्हें पंखों के जरिए आपस में जोड़ दिया गया हो। इसके पायलट, को-पायलट और फ्लाइट इंजीनियर केवल दाईं ओर के फ्यूजलेज कॉकपिट में बैठते हैं, जबकि बाईं ओर का फ्यूजलेज पूरी तरह से मानव रहित होता है और वहां केवल फ्लाइट डेटा सिस्टम रखे जाते हैं। इतने बड़े आकार के विमान को हवा में उड़ाने के लिए 6 विशालकाय प्रैट एंड व्हिटनी इंजनों का उपयोग किया गया है। प्रत्येक इंजन लगभग 56,750 आईबीएफ का जबरदस्त थ्रस्ट पैदा करता है। स्ट्रैटोलॉन्च आरओसी के पंखों की कुल चौड़ाई 385 फीट (117 मीटर) है, जो इसे अब तक का सबसे चौड़ा पंखों वाला विमान बनाती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि एक मानक अमेरिकी फुटबॉल मैदान की लंबाई 300 फीट होती है, यानी यह विमान एक पूरे फुटबॉल मैदान से भी कहीं ज्यादा चौड़ा है।

इसके दो फ्यूजलेज (विमान का मुख्य हिस्सा) हैं, जिनमें से प्रत्येक की लंबाई 238 फीट है। इस भारी-भरकम ढांचे को संभालने के लिए इसमें कुल 28 पहिये लगाए गए हैं, जिनमें 12 मुख्य लैंडिंग गियर व्हील्स प्रत्येक फ्यूजलेज के नीचे और बाकी नोज गियर व्हील्स शामिल हैं। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक पॉल एलन द्वारा सह-स्थापित इस प्रोजेक्ट का मूल उद्देश्य हवा से ही रॉकेट लॉन्च करना था। हालांकि, उनकी मृत्यु के बाद इस विमान की भूमिका बदल दी गई और अब इसका उपयोग हाइपरसोनिक फ्लाइट टेस्टिंग के लिए किया जा रहा है। इस विमान की तकनीकी बनावट भी बेहद दिलचस्प है।

उड़ान भरने के लिए 12 हजार फीट लंबे रनवे की आवश्यकता

इस विमान की पेलोड ले जाने की क्षमता भी आपको हैरान कर देगी। इसका अपना वजन 226796.19 किलो है, लेकिन यह अपने वजन से भी 10% ज्यादा यानी लगभग 250 टन का वजन उठाकर उड़ने में सक्षम है। हालांकि, इसे उड़ान भरने के लिए कम से कम 12,000 फीट लंबे रनवे की आवश्यकता होती है। साल 2011 में पहली बार प्रोटोटाइप के रूप में सामने आने के बाद इसने 2019 में अपनी पहली सफल उड़ान भरी और अब तक यह कुल 24 उड़ानें पूरी कर चुका है।

समंदर की गहराई से निकलेगा पीने का पानी

नॉर्वे में शुरू हो रही है पहली अंडरवॉटर फैक्ट्री

ओस्लो। नॉर्वे के पश्चिमी तट पर मोंगस्टाड के पास एक अनोखी शुरुआत होने जा रही है। फ़्लोसीन वन नाम का यह प्रोजेक्ट 300 से 600 मीटर गहराई में समंदर के नीचे लगाया जाएगा। दावा है कि यह दुनिया का पहला पूरा अंडरवॉटर डिसेलिनेशन प्लांट होगा, जो 2026 में काम शुरू करेगा। टाइम मैगजीन ने इसे 2025 की बेस्ट इन्वेंशन्स में भी शामिल किया है।

समंदर के नीचे छिपी पानी की फैक्ट्री इतनी गहराई पर पानी का दबाव बहुत ज्यादा होता है। आम प्लांट्स में यही दबाव मशीनों से बनाया जाता है, जिसमें भारी बिजली लगती है। फ़्लोसीन इसी नेचुरल प्रेशर का इस्तेमाल करता है। इससे बिजली की खपत करीब 30 से 50 फीसदी तक कम हो सकती है। ऊपर से धूप नहीं पहुंचती, तो काई और बैक्टीरिया भी कम होते हैं।

एक कैप्सूल, हजारों लोगों का पानी

एक स्टील कैप्सूल रोज करीब 1000 क्यूबिक मीटर मीठा पानी बना सकता है, जो लगभग 37,500 लोगों के लिए काफी है। कई यूनिट्स मिलकर 50,000 क्यूबिक मीटर रोजाना पानी दे सकती हैं। खास बात ये है कि तट पर कोई बड़ी फैक्ट्री नहीं दिखेगी, सिर्फ पाइपलाइन से पानी पहुंचेगा।

क्यों जरूरी है ये तकनीक

संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक 2030 तक दुनिया में पानी की मांग 40 फीसदी ज्यादा हो जाएगी। ऐसे में कम जमीन, कम बिजली और कम नुकसान वाली तकनीक बहुत अहम है। फ़्लोसीन जैसे अंडरवॉटर प्लांट तटीय शहरों और द्वीपों के लिए गेमचेंजर साबित हो सकते हैं। समंदर अब सिर्फ खारा पानी नहीं, बल्कि भविष्य का मीठा समाधान बनता दिख रहा है। अगर ये प्रयोग सफल रहा, तो पानी की जंग में इंसान को एक मजबूत हथियार मिल जाएगा।

संस्थान कर सकते हैं उच्च योग्यता निर्धारित

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने मेडिकल शिक्षक भर्ती से जुड़े एक मामले में स्पष्ट किया कि मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया की गाइडलाइन के तहत संबंधित संस्थान चयन के लिए उच्च योग्यता निर्धारित कर सकते हैं। इस मत के साथ कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को चयन प्रक्रिया में भाग लेने की अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की खंडपीठ ने कहा कि अंतरिम राहत देने से उनके साथ अन्याय होगा, जिनके पास समान योग्यता है, लेकिन जिन्होंने संबंधित विज्ञापन में भाग नहीं लेने का विकल्प चुना है। कोर्ट ने स्वास्थ्य एवं मेडिकल एजुकेशन विभाग के संचालक, नेशनल मेडिकल कमीशन व अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

खेत में मिला महिला का सड़ा-गला शव

दुर्ग। कुम्हारी थाना क्षेत्र के परसदा गांव में कैवल्य धाम के पीछे खेत में एक महिला की सड़ी-गली लाश मिलने से स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम तुरंत मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में लाश काफी पुरानी लग रही है, जिससे महिला की पहचान और भी मुश्किल हो गई है। पुलिस घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और स्थानीय लोगों से पूछताछ कर रही है ताकि महिला की पहचान हो सके। तीन से चार दिन पुराना लग रहा शव फॉरेंसिक टीम की बारीकी से जांच के बाद पता चला है कि महिला की लाश लगभग 3 से 4 दिन पुरानी है। महिला की उम्र अनुमानित 40 से 45 साल के बीच बताई जा रही है। पुलिस ने शव का पंचनामा कर उसे मेडिकल कॉलेज पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अभी तक महिला की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस इस मामले में दुर्ग और रायपुर क्षेत्र के थानों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्टों की भी जांच कर रही है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज और स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस महिला की पहचान का प्रयास कर रही है।

भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को दी बधाई

महाराष्ट्र जीत पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में बांटी मिठाई, की आतिशबाजी

महाराष्ट्र में निकाय चुनाव में जीत पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में आतिशबाजी हुई।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

महाराष्ट्र में संपन्न हुए निकाय चुनावों में महायुति की प्रचंड जीत पर शुक्रवार को राजधानी स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में आतिशबाजी की गई। इस दौरान मिठाई बांटकर उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा, प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी, प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल, प्रदेश कार्यालय मंत्री श्याम महाजन, सांसद आलोक शर्मा, महापौर मालती राय, विधायक भगवानदास सबनानी सहित जिला पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महाराष्ट्र की जनता ने नकारात्मक, और परिवारवादी राजनीति को किया खारिज

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने शुक्रवार को महाराष्ट्र निकाय चुनावों में भाजपा-महायुति गठबंधन को मिली प्रचंड जीत पर पार्टी कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह प्रचंड जीत, जनता के अटूट विश्वास पर मुहर है। महाराष्ट्र की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास मॉडल और डबल इंजन सरकार को ऐतिहासिक जनादेश दिया है। जनता ने नकारात्मक, अवसरवादी और परिवारवादी राजनीति को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के कार्यकर्ताओं ने महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन के उम्मीदवारों को विजयी बनाने में अहम भूमिका निभाई है।

एक-दूसरे को मिठाई खिलाते शर्मा, सबनानी और

मिठाई खिलाते प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी।

राशिफल

मेष – मन परेशान हो सकता है। कारोबार में अभी कठिनाइयां बनी रहेंगी। सचेत रहें। कोई नया निवेश करने से बचें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष – मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में संयत रहें। कारोबार विस्तार के लिए परिवार से आर्थिक सहयोग मिल

मिथुन – मन परेशान हो सकता है। आत्मसंयत रहें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि

कर्क – किसी राजनेता से भेंट हो सकती है। वाहन सुख में वृद्धि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में विदेश यात्रा पर जा सकते हैं।

सिंह – आत्मविश्वास में कमी आएगी। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान

कन्या – मन में निराशा एवं असन्तोष रहेगा। मन अशान्त रहेगा। संयत रहें। परिवार में व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा।

तुला – मन प्रसन्न रहेगा। कारोबार में कठिनाइयां तो रहेंगी, लेकिन परिश्रम भी अधिक रहेगा। किसी मित्र के सहयोग से लाभ के अवसर मिल सकते हैं।

वृश्चिक – मन परेशान रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी। बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में बदलाव भी हो सकता है।

धनु – आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु अतिउत्साही होने से बचें। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

मकर – क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है।

कुंभ – आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु संयत भी रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। नौकरी में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि

मीन – दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। खर्चों की अधिकता से परेशान हो सकते हैं।

आवश्यकता

आवश्यकता है - सुरक्षागार्ड, गनमैन, सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, फील्ड ऑफिसर कामवाली बाई। वेतन योग्यता अनुसार आवास फ्री। पता- श्रीसाई सिक्युरिटी सर्विस, साई निवास कॉम्प्लेक्स, जेजे हॉस्पिटल के बाजू में तोरवा बिलासपुर 9301186703, 8253010291 (रायपुर/03/फरवरी 25)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाइड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

शब्द पहेली - 6112

बाएँ से दाएँ
1.यश प्राप्त करना-5
5.चतुर, जहीन-5
9.दया, तरस-3
10.कामदेव-3
11.लीन, तल्लीन-2
13.बोली, आवाज-2
14.राजदुर्वा-2
15.एक प्रकार का बिस्किट-2,3
18.मत, सलाह-2
19.जो लायक न हो-4
20.अधीनस्थ-4
21.कहानी, गाथा-2
22.श्रवणेंद्रिय-2
23.कुएं से पानी भरने का चबूतरा-4
26.दान देने वाला-4
29.वरदान, दूल्हा-2
30.पत्नी का नाना-2,3
33.सूर्य, दिनकर-2
34.भीगा हुआ-2
35.सुर आलाप-2
36.फूलों का रस,अर्क-3
38.तरंग, हिलोर-3
41.जरुरतमंद-5
42.सेंधमार-5

ऊपर से नीचे
1.नामकरण-5
2.टैक्स,हाथ-2
3.महीना, मास-2
4.नामवर, प्रसिद्ध-4
5.संधि, सामंजस्य-4
6.सरुर, नशा-2
7.झंकार-2
8.रमण योग्य-5
12.तगारी, नांद-3
13.सुअर-3
15.अभिमान मर्दित होना -2,3
16.समाप्त-2
17.नेकनीयत-5
23.हनुमान-3,2
24.मुलायम-3
25.उम्मीद, आशा-2
27.बहादुरी-3
28.शिव, रविलोचन-2,3
31.नामचीन-4
32.सुसंचालन-4
36.चेहरे का तेज, दर्प-2
37.रिश्तेदार-2
39.अधिकार-2
40.ईश्वर, भगवान-2

शब्द पहेली- 6111 का हल

सा	ल	■	ब	ला	■	य	म	■	श	र
या	■	क	ल	■	जो	श	■	जा	य	ज
■	कै	द	■	श	र	■	का	न	न	■
न	दी	■	खे	मा	■	का	त	ना	■	जा
म	■	जा	ल	■	का	य	र	■	ता	ल
■	मा	न	■	र	म	ल	■	का	ला	■
का	या	■	बी	न	ना	■	रा	म	■	सी
र	■	क	ह	र	■	शो	र	■	बा	धा
■	की	च	ड़	■	सा	ला	■	री	त	■
क	म	रा	■	ख	र	■	सी	ता	■	द
म	त	■	जी	त	■	मा	मा	■	दा	म

सूडोकु बवाल - 6122

★★★★☆ मध्यम

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु बवाल - 6121 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली और हरियाणा से एक साथ प्रकाशित
जबलपुर, रविवार 18 जनवरी 2026

इन दिनों पूरी दुनिया में जेन जी की काफी चर्चा हो रही है। बिल्कुल युवा इस पीढ़ी का चीजों को देखने का, जीवन को जीने का अलग अंदाज है। ये हर तरह के दबाव, तनाव और बंदिशों से मुक्त होकर जीने के कायल हैं। निकट भविष्य में इनकी जीवनशैली, फैशन सेंस और उनके वर्क पैटर्न में कई बदलाव देखने को मिलेंगे।

डीपफेक के मिसयूज से आपको रहना होगा कॉन्शस

तकनीक ने हमारे जीवन को जितना सुविधाजनक बनाया है, उसके दुरुपयोग ने कई खतरे भी बढ़ाए हैं। डीपफेक तकनीक का मिसयूज भी इन खतरों में से एक है। इससे बचने के लिए हम सभी का कॉन्शस रहकर तकनीक का यूज करना जरूरी हो गया है।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

आने वाले दिनों में बदल जाएगी
जेन जी की लाइफस्टाइल

जेन जी का जिक्र आते ही उत्साह-उमंग से भरी युवा पीढ़ी की छवि मन में उभरती है। लेकिन कई मायने में यह जेनरेशन बहुत समझदार, व्यावहारिक और जीवन को पूरी तरह जीने में यकीन करती है। आने वाले दिनों में इनकी जीवनशैली, फैशन और कार्यशैली में कुछ नए बदलाव दिखेंगे।

कूल लाइफस्टाइल को महत्वः जेन जी के युवाओं का इंटेंशनल लिविंग पर जोर रहेगा। डिजिटल शोर से दूर रहने के लिए जेन जी, पुरानी आदतों जैसे हाथ से पत्र लिखना और शांतिपूर्ण व्यक्तिगत स्थान बनाने की ओर झुकाव दिखाएगी। वर्क कल्चर भी इस तरह बदलेगा कि वे अब केवल सैलरी नहीं बल्कि मेंटल हेल्थ, फ्लेक्सिबल वर्क और अपने वैल्यूज के साथ मैच करने वाले काम को प्राथमिकता देंगे।

सबसे जरूरी हेल्थ-वेलनेसः बढ़ती मानसिक बीमारियों के बीच जेन जी के युवा फिजिकल से ज्यादा मेंटल हेल्थ को लेकर अवेयर रहेंगे। कुछ अध्ययन साबित करते हैं कि 92 प्रतिशत युवा कार्यस्थल और स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करना चाहेंगे। युवा ऐसे भोजन और पेय पदार्थों की मांग करेंगे, जो न केवल स्वाद दें, बल्कि तनाव कम करने और ब्रेन हेल्थ मेंटेन करने में मदद करें। योग के साथ-साथ 'ब्रीदिंग टेक्नीक' (सांस लेने की तकनीक) तनाव प्रबंधन के लिए एक बड़ा ट्रेंड बनेगा।

टेक्नोफैशन का ट्रेंडः जल्द ही 'व्हाइट लग्जरी' (शांत विलासिता) का दौर खत्म होगा और जेन जी बोल्ड कलर्स, चमकदार एक्सेसरीज और लेयर्ड ड्रेसेस को अपनाएंगे। युवाओं में विंटेज ब्लेजर, ओवरसाइज्ड टर्टलनेक और मैसेंजर बैग जैसे 'राइटर लुक' का चलन बढ़ेगा। ड्रेस बनाने में नए मैटीरियल आजमाए जाएंगे। जैसे प्लांट बेस्ड फैब्रिक्स और स्मार्ट टेक हुडीज। 'स्मार्ट टेक हुडी' एक ऐसी ड्रेस है, जिसमें नई तकनीक या स्मार्ट फैब्रिक को आराम और कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए शामिल किया जाता है, जो इसे सामान्य हुडी से अलग बनाता है। इन हुडीज में स्वास्थ्य की निगरानी करने वाले सेंसर या यात्रा के अनुकूल कई पॉकेट जैसी सुविधाएं हो सकती हैं। जैसे वियरेबल टेक्नोलॉजी के उपयोग से कुछ हाई-एंड स्मार्ट हुडीज में ऐसे सेंसर लगे होते हैं, जो बायोमेट्रिक और फिजिकल डेटा जैसे हृदय गति और तापमान को ट्रैक कर सकते हैं। ये अकसर ब्लूटूथ के माध्यम से स्मार्टफोन एप से जुड़ते हैं, जिससे उपयोगकर्ता अपनी फिटनेस मेट्रिक्स की निगरानी कर सकते हैं। या फिर टेक्निकल फैब्रिक्स इस्तेमाल होंगे। जैसे कई 'टेक' हुडीज फाइन फैब्रिक से बनाई जाती हैं, जिनमें नमी सोखने, दुर्गंध-रोधी और दाग-धब्बे हटाने जैसी विशेषताएं होती हैं। ये विशेष रूप से एथलीटों और यात्रियों के लिए डिजाइन की

जाती हैं ताकि उन्हें पूरे दिन आरामदायक रखा जा सके। कुछ हुडीज को 'स्मार्ट' इसलिए कहा जाता है क्योंकि उनमें कई विशेष रूप से डिजाइन की गई पॉकेट्स होती हैं। कुछ कंपनियों की ट्रैवल हुडीज में 15 से अधिक पॉकेट्स होती हैं, जिनमें पासपोर्ट, पावर बैंक, धूप का चश्मा और पानी की बोतल रखने के लिए पॉकेट्स होते हैं।

प्रोफेशन में मेंटल पीस को प्रायोरिटीः आने वाले दिनों में जेन जी के लिए वर्क लाइफ बैलेंस और मानसिक स्वास्थ्य लाभ सर्वोच्च प्राथमिकता पर होंगे। लगभग 61 प्रतिशत जेन जी ऐसी नौकरी छोड़ने को तैयार होंगे, जो बेहतर मानसिक स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं देती हैं। केवल 23 प्रतिशत जेन जी ही पूरी तरह से रिमोट काम करना चाहेंगे, जबकि अधिकांश हाइब्रिड या ऑफिस में सहयोग को प्राथमिकता देंगे। एक अध्ययन के मुताबिक लगभग 44 प्रतिशत जेन जी उन नौकरी प्रस्तावों को अस्वीकार कर सकते हैं, जो उनके व्यक्तिगत मूल्यों या नैतिकता के खिलाफ होंगे। यह पीढ़ी जॉब सिक्योरिटी के लिए ब्लू-कॉलर जॉब्स में रुचि लेगी।

टेक्नोलॉजी का पॉजिटिव यूजः आने वाले दिनों में जेन जी ज्यादा जिम्मेदारी और समझ से तकनीक के उपयोग की तैयारी में है। जेन जी के युवा एआई को केवल एक टूल नहीं, बल्कि एक रचनात्मक साथी के रूप में देखेंगे। वे एआई द्वारा तैयार की गई तस्वीरों और वीडियो में पारदर्शिता की मांग करेंगे। टेक्नोलॉजी के यूज से खरीदारी का तरीका भी बदलेगा। *

आ चुकी है नई पीढ़ी जेनरेशन बीटा

जेन जी के बारे में जानने के साथ यह जानना भी दिलचस्प है कि नेक्स्ट जनरेशन का उदय हो चुका है। 2025 से 2039 के बीच पैदा होने वाले बच्चों को 'जनरेशन बीटा' कहा जाएगा, जो जेन जी और जेन अल्फा के बाद की सबसे एडवांस जेनरेशन होगी। यह जेनरेशन तो एआई के साथ खेलते-जीते बड़ी होगी। उनका भविष्य आगामी वर्षों में होने वाली टेक्नो डेवलपमेंट पर डिपेंड करेगा।

अवेयरनेस
डॉ. मोनिका शर्मा

किसी के भी चेहरे को लेकर एआई जनरेटेड कंटेंट बनाने की नकारात्मक प्रवृत्ति अब खूब देखने को मिल रही है। तकनीक के दुरुपयोग की यह मानसिकता व्यक्तिगत रूप से किसी इंसान की साख खराब करने के साथ ही आपराधिक घटनाओं का भी कारण बन रही है।

किए जा रहे हैं रोकने के प्रयासः डीपफेक के मिसयूज पर लगाम लगाने के लिए पिछले महीने लोकसभा में रेग्युलेशन बिल पेश किया गया। इस बिल का उद्देश्य लोगों के चेहरे का गलत तरीके से इस्तेमाल करने पर लगाम लगाना है। इस बिल में किसी भी एआई जेनरेटेड सामग्री को इंटरनेट पर डालने से पहले उस व्यक्ति की अनुमति लेनी जरूरी होगी। साथ ही एआई जेनरेटेड कंटेंट के गलत इस्तेमाल को लेकर जुर्माने और सजा का प्रावधान किया जाएगा। तकनीक के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए अत्याधुनिक टेक्निकल टूल्स और कानून के साथ सेल्फ रेगुलेशन भी जरूरी है।

तकनीक का करते हैं मिसयूजः डीपफेक टेक्नीक के जरिए किसी फोटो में दूसरे का चेहरा लगाया जा सकता है। किसी वीडियो में दूसरी आवाज सेट कर दी जाती है। फेक चेहरा लगाने के बावजूद बिल्कुल असली लगने वाली इस एडिटिंग को मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से अंजाम दिया जाता है। रीयल लगने वाले ऐसे फेक वीडियो और ऑडियो को विशेष सॉफ्टवेयर की मदद से तैयार करने का खेल किसी भी इंसान की छवि बिगाड़ सकता है। इसमें ना केवल तस्वीर बिल्कुल असली लगती है, बल्कि वॉयस क्लोनिंग के माध्यम से आवाज भी हूबहू कॉपी की जा सकती है। इस तरह डीपफेक तकनीक के जरिए तैयार किए गए फेक कंटेंट का इस्तेमाल फाइनेंशियल और दूसरे कई तरह की धोखाधड़ी, सेलिब्रिटी पोर्नोग्राफी, पर्सनल या सोशल दुष्प्रचार, पहचान की चोरी जैसे गलत उद्देश्यों के लिए किए जाने के मामले सामने आए हैं। फोटो मॉर्फिंग कर एकदम रीयल लगने वाली अश्लील तस्वीरें बनाने से लेकर वीडियो में किसी और की आवाज कॉपी कर कुप्रचार करने तक अनगिनत खतरे हमारे सामने हैं। ऐसे में डीपफेक तकनीक से जुड़े खतरों का सामना करने के लिए आम यूजर्स में आत्मनियमन का भाव जरूरी है। तस्वीर हो या वीडियो, अपने जीवन का हर पहलू सोशल मीडिया में साझा करने से पहले सोचना जरूरी है। शेयर की जा रही सामग्री के बढ़ते दुरुपयोग पर लगाम लगाने में खुद यूजर्स की समझदारी भी मददगार बन सकती है।

कंटेंट शेयरिंग में समझदारीः किसी जमाने में पब्लिक प्लेटफॉर्म्स पर केवल चर्चित चेहरों के फोटो और वीडियो ही मौजूद होते थे। फिल्म, राजनीति या खेल की दुनिया के जाने-माने लोगों की आवाज या तस्वीरें ही वर्चुअल मंचों पर मिला करती थीं। स्मार्ट गैजेट्स की बढ़ती दखल के मौजूदा दौर में स्थितियां बदल गई हैं। सोशल मीडिया के बहुत से प्लेटफॉर्म्स पर चर्चित चेहरों के ही नहीं आम लोगों के भी आडियो, वीडियो और फोटोज मौजूद होते हैं। ऐसे में आम लोग भी तकनीक का दुरुपयोग करने वाले लोगों की विकृत मानसिकता के शिकार बन रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक ने आम और खास हर इंसान की चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। आए दिन एआई टेक्निक के दुरुपयोग के मामले सामने आ रहे हैं। न केवल डीपफेक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किए जा रहे हैं बल्कि नेगेटिव न्यूज, ऑडियो-वीडियो और अश्लील तस्वीरें फैलाने का काम भी किया जा रहा है। 2019 एआई फर्म डीपट्रेस ने इंटरनेट पर 15 हजार डीपफेक वीडियो का पता लगाया था। जिनमें 96 फीसदी पोर्नोग्राफी से जुड़े थे। समझना मुश्किल नहीं कि बीते छह-सात वर्ष में तकनीकी एडवांसमेंट भी बढ़ा है और आम लोगों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर साझा किया जा रहा कंटेंट भी। ऐसे में फेक कंटेंट तैयार करने के मामलों में भी इजाफा हुआ है। जरूरी है कि यूजर पर्सनल कंटेंट शेयर करने में सतर्कता बरते। *

गजल
कृष्ण बिहारी

तुम्हारी सोहबत में

बड़ी ख़ुशबू मिली हमको तुम्हारी सोहबत में,
जड़ों से जुड़ गए देखो तुम्हारी सोहबत में।

मेरे क़दमों की आहट गली भी जानती है,
उसे भी मिल रही शोहरत तुम्हारी सोहबत में।

सफ़र में मुश्किलें तो थीं मगर था हौसला भी,
सितारों तक पहुंच पाया तुम्हारी सोहबत में।

सादगी में कब ढंका है रूप का दरिया मगर,
आइने में उतर आया तुम्हारी सोहबत में।

जमाना भी कहां जाने ये किसकी ताकत है,
हिमालय तक उठा लाया तुम्हारी सोहबत में।

तपी थी दोपहर फिर भी मुकद्दर से मिली हमको
मुसीबत में घनी छाया तुम्हारी सोहबत में।

व्यंग्य / अशोक वाधवानी

जीने के लिए खाना या खाने के लिए जीना

आमतौर मनुष्य कोई काम-धंधा करे या फिर नौकरी, यह कहना नहीं भूलता कि 'पापी पेट के लिए ये सब करना पड़ता है!' जबकि सच्चाई यह है कि पेट के लिए मनुष्य मुश्किल से 20-25 प्रतिशत ही खर्च करता है। बाकी आवश्यकताओं पर पेट से ज्यादा खर्च करना पड़ता है। ये और बात है कि इस तथ्य को लोग अपनी सहूलियत अनुसार सिरे से नकार देते हैं। खाने-पीने वालों की दो प्रजातियां पाई जाती हैं। पहले, जीवन जीने के लिए जितना जरूरी है, उतना ही नाप-तौल कर, ठोक-बजाकर खाते हैं। दूसरे, जो जी में आए, जब जी चाहे, जैसा भी मिले सहर्ष स्वीकारते हैं। शान से बताते हैं कि वे 'खाते-पीते' परिवार वाले हैं। उनका तर्क होता है कि जब तक जान है, हर तरह के खाद्य पदार्थों को चखना चाहिए। ऐसे लोग जिस तरह से हर खाने-पीने की चीजों को पेट के सुपुर्द करते हैं, उससे लगता है कि धरती पर खाने-पीने के लिए ही जन्मे हैं। अर्थात इन लोगों को दिन-रात खाने-पीने की ही चिंता सताती है। जीने के लिए जितना जरूरी है उतना खाने-पीने वाले लोग भी, कभी-कभार आकर्षक व्यंजनों को देखकर 'पिघल' जाते हैं। ऐसे लोग विवाह समारोह आदि जगहों पर इस कठोर नियम को अपनी सुविधा के लिए 'शिथिल' कर देते हैं, जिस तरह उड़ते पतंग को इच्छानुसार ढील दी जाती है। कई 'चटोरे-चटोरियां' पेट को प्रयोगशाला मानकर, हर तरह के सलाद, नमकीन, खट्टा, मीठा, तीखा, फीका, फल। सब कुछ एक के बाद एक पेट को अर्पण-समर्पण करते जाते हैं।

कुछ लोगों का नियम होता है कि सांझ ढलने के बाद दही, छाछ छूते नहीं हैं। अचार खाना तो दूर की बात है। ऐसे लोग इन बातों को नजरअंदाज करके इन जगहों पर ऐसी चीजों का भी स्वादानुसार सेवन करते हैं। मधुमेह वाले मजबूरन सिर्फ फीकी चाय पीना अनिवार्य समझते हैं। या फिर स्वाद के लिए 'शुगर फ्री' गोलियां डालकर पीते हैं। ऐसे लोग भी यहां आकर मीठी चीजें बड़े चाव से चखते हैं। किसी ने इस बाबत रोका-टोका तो खिसियाते हैं। खुलकर, बहाना बनाते कहते हैं, 'फलां व्यक्ति ने आग्रहपूर्वक जबरदस्ती प्लेट में डाल दिया है, वर्ना आप तो जानते ही हैं कि ये सब वर्जित है मेरे लिए।'

कइयों की दृष्टि में फल खाने का सही समय सुबह खाली पेट है। ज्यादा से ज्यादा नाश्ते या दोपहर के भोजन के पहले/बाद में फल खाना स्वास्थ्य के लिए हितकारक बताते हैं। ऐसों में से कुछ को रात के समारोह में तरह-तरह के फल खाते हुए देख सकते हैं। समारोह में घुसते ही कुछ लोग सारे स्टॉल पर नजरें दौड़ाकर सुनिश्चित करते हैं कि कौन-सा खाद्य पदार्थ 'टेस्टी' होगा। देखने के बाद तय करते हैं कि पहले, बीच में और अंत में क्या खाना श्रेयस्कर होगा?

जल्दी पहुंचने वाले कुछ रायता पहले ही खा लेते हैं। उन्हें पता होता है कि थोड़ी देर कर दी तो रायते को 'पतला' होने से कोई रोक नहीं सकता है। ऐसे समारोहों में पानी पूरी के स्टाल पर भारी भीड़ देखने को मिलती है। ऐसा प्रतीत होता है कि पानी पूरी दुनिया में अब कहीं और नहीं मिलेगा। बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्ग, स्त्री-पुरुष सभी हाथ में 'कटोरी' लिए हुए छीना-झपटी करते हुए दिखते हैं। कुछ अपनी बारी की प्रतीक्षा बड़ी बेसब्री से करते रहते हैं।

ऐसे ही एक कार्यक्रम में मुझसे चटोरेमल टकरा गए। उन्होंने अपने खाद्य ज्ञान की कई बातें बताईं। जैसे वे सबसे पहले आइसक्रीम खाते हैं। उसके बाद हल्का-फुल्का नाश्ता करके फिर आइसक्रीम खाना अपना कर्तव्य समझते हैं। भोजन बाद 'कार्यक्रम' समाप्ति की घोषणा अंतिम बार आइसक्रीम खाकर ही करते हैं। उन्होंने एक पते की बात बताई कि शौकीन होने पर भी आइसक्रीम कभी खरीदकर खाना जरूरी नहीं समझा।

मानव के रूप में कोई महामानव भी मिल सकते हैं जो कि पेट को 'पीड़ा' पहुंचाना नहीं चाहते हैं। इस तरह के उंगलियों पर गिने जाने वाले कुछ जापानी पद्धति 'हारा हचिबू' पर अमल करते हुए भूख से कम ही खाते हैं ताकि वे सदा चुस्त, दुरुस्त, तंदुरुस्त रहें। ऊंट के मुंह में जीरा समान ऐसे लोगों की थाली में सिर्फ दाल और चावल दिखता है। वे सब्जी तक नहीं खाते। ये महानुभाव दाल, चावल में ही संतुष्ट होते हैं। हालांकि ऐसी प्रजाति के लोग कम ही पाए जाते हैं। *

विज्ञापन...

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@.

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली

देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

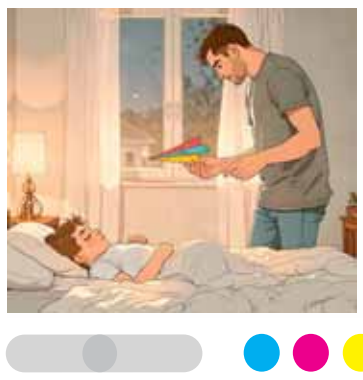

लघुकथा / सिराज अहमद

उड़ान

काफी देर तक होमवर्क करते हुए सोहन बहुत थक और ऊब चुका था। मन बोझिल हुआ तो उसने कॉपी का पिछला पन्ना फाड़ा और अपनी कल्पनाओं को कागज पर उकेरने लगा। देखते ही देखते उसने उसमें रंग भरे और एक प्यारा सा कागज का हवाई जहाज तैयार कर लिया। जैसे ही उसने जहाज उड़ाने के लिए हाथ ऊपर उठाया, तभी कमरे में उसके पापा ने प्रवेश किया। हाथों में खिलौना देख पापा का पारा चढ़ गया। उन्होंने सोहन को जोर से डांटा और होमवर्क पूरा करने का आदेश देकर चले गए। सोहन सहम गया। थके हुए शरीर और बेमन से उसने अपना बचा हुआ होमवर्क पूरा किया। रात होने पर सोहन को खाना खिलाकर सुला दिया गया, क्योंकि सुबह स्कूल जाने के लिए जल्दी उठना था। देर रात जब पापा कमरे में आए, तो उनकी नजर सोहन के बेड के नीचे पड़े उसी कागज के हवाई जहाज पर पड़ी। उन्होंने झुककर उसे उठाया और गौर से देखा, तो उनकी आंखें सुखद आश्चर्य से भर गईं। वो महज एक खिलौना नहीं, कला का एक सुंदर नमूना था। एक सादे से पन्ने में सोहन ने रचनात्मकता के रंग भर दिए थे। उन्हें लगा कि यह केवल एक खिलौना नहीं, नन्हे कलाकार की उड़ान है। *

ऑस्ट्रेलियाई ओपन: रिकॉर्ड बनाने से बस एक कदम दूर वीनस

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

वीनस विलियम्स 45 वर्ष की उम्र में ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में नया रिकार्ड बनाने के लिए तैयार हैं। अमेरिका की यह स्टार खिलाड़ी रविवार को कोर्ट पर उतरते ही वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के महिला एकल में खेलने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएगी। उन्हें इस बात का अहसास तब तक नहीं हुआ जब तक कि उन्हें पांच साल में पहली बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन में खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश नहीं मिला। वीनस जापान की किमिको दाते का रिकॉर्ड तोड़ेगी, जिन्होंने 44 साल की उम्र में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लिया था।

पहली बार 1998 में लिया था हिस्सा

वीनस ने कहा, 'जब तक यह खबर मीडिया में नहीं आई, मैंने इसके बारे में सोचा भी नहीं था। मेरे लिए यह बहुत खुशी की बात है।' मीडिया से बात करने के बाद वह सभागार से बाहर निकलीं और अपने पति एंड्रिया प्रीटी के हाथ में हाथ डालकर एक गलियारे से होते हुए खिलाड़ियों के क्षेत्र में वापस चली गईं। उन्होंने इससे पहले 2021 में आखिरी और कुल 21वीं बार मेलबर्न पार्क में प्रतिस्पर्धा की थी। वीनस जब 17 साल की थीं तब उन्होंने पहली बार 1998 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में हिस्सा लिया था और क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रही थी। मेलबर्न पार्क की अपनी पहली यात्रा के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'वह खूबसूरत समय था, क्योंकि मुझे बहुत सी चीजों के बारे में पता नहीं था। लेकिन न जानने का एक बड़ा फायदा यह है कि इससे आपको नए सिरे से शुरुआत करने का मौका मिलता है। मुझे बहुत कुछ सीखना था और फिर मैंने वह सब सीख लिया।'

25वें खिताब की ओर जोकोविच, अल्काराज और सिनर बड़ी चुनौती

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

नोवाक जोकोविच को अब भी पूरा भरोसा है कि वह अपना 25वां एकल ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने में सफल रहेंगे और उन्हें उम्मीद है कि रविवार से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में वह कार्लोस अल्काराज और यानिक सिनर की कड़ी चुनौती से पार पाने में सफल रहेंगे।

जोकोविच पिछले साल चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे थे लेकिन वह अल्काराज और सिनर की चुनौती से पार पाने में असफल रहे थे। वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में एक बार फिर से यह दोनों युवा खिलाड़ी उनकी राह में सबसे बड़ी बाधा बन सकते हैं। जोकोविच ने कहा, '2025 में मैंने सिनर या अल्काराज के खिलाफ खेले गए चार

ग्रैंड स्लैम मैच में से तीन में हार का सामना किया।' उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'हमें उनकी ज्यादा तारीफ करने की जरूरत नहीं है। उनकी तारीफ पहले ही काफी हो चुकी है। हम जानते हैं कि वे कितने अच्छे खिलाड़ी हैं। वे उस मुकाम के हकदार हैं, जहां वे अभी हैं। वे इस समय पुरुष टेनिस में सबसे मजबूत खिलाड़ी हैं।' जोकोविच अपने 25वें ग्रैंड स्लैम एकल खिताब की तलाश में तीसरा सत्र शुरू कर रहे हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए अपने दृष्टिकोण में थोड़ा बदलाव किया है। उन्होंने अपने एकमात्र निर्धारित अभ्यास टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया, क्योंकि वह युवा खिलाड़ियों का सामना करने के लिए पूरी तरह से फिट रहना चाहते हैं।

खबर संक्षेप

एशियाई मुक्केबाजी परिषद के सदस्य बने विजेंदर

नई दिल्ली। मुक्केबाज विजेंदर सिंह को एशियाई मुक्केबाजी परिषद में सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है, जो एक शीर्ष खिलाड़ी से वैश्विक खेल प्रशासक बनने के उनके सफर में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। विजेंदर भारत के पहले ओलंपिक मुक्केबाज हैं, जिनके पास एमेच्योर और पेशेवर मुक्केबाजी दोनों में खेल के सर्वोच्च स्तर पर खेलने का लगभग दो दशकों का अनुभव है। एशियाई मुक्केबाजी परिषद में उनकी नियुक्ति खेल की उनकी गहरी समझ और पूरे महाद्वीप में इसके विकास के प्रति उनकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। विजेंदर ने कहा, 'एशियाई मुक्केबाजी परिषद के सदस्य के रूप में नियुक्त होने पर मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

पूर्व बल्लेबाज मार्टिन अस्पताल से पहुंचे घर

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज डेमियन मार्टिन को मेनिन्जाइटिस से उबरने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। मार्टिन 27 दिसंबर 2025 को बीमार पड़ गए थे और उन्हें गहन चिकित्सा इकाई में कृत्रिम कोमा में रखना पड़ा था, लेकिन जनवरी के पहले सप्ताह में उनमें सुधार के लक्षण दिखाई देने लगे थे। लेकिन अब वह इस मुश्किल दौर से बाहर निकल आए हैं और उन्होंने अपने शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया। मार्टिन ने एक्स पर लिखा, 'वर्ष 2026 का स्वागत है। मैं अस्पताल से घर आ गया हूं। मैं उन सभी लोगों का आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने इस दौरान मेरा और मेरे परिवार का साथ दिया।' उन्होंने कहा, 'इस अनुभव से मुझे पता चला कि जीवन कितना क्षणभंगुर है। सब कुछ कितनी जल्दी बदल सकता है और समय कितना अमूल्य है।' मार्टिन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 67 टेस्ट, 208 वनडे और चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं।

क्वार्टर फाइनल में हारे चोटरानी

नई दिल्ली। भारत के वीर चोटरानी अमेरिका के क्लीवलैंड में चल रहे स्क्वाश इन द लैंड 2026 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में मैक्सिको के दूसरी वरीयता प्राप्त लियोनेल कार्डेनास से हार गए। भारतीय खिलाड़ी ने अच्छा प्रदर्शन किया। विश्व रैंकिंग में 52वें स्थान पर काबिज चोटरानी ने इस पीएसए रजत स्तर के टूर्नामेंट के मैच में दूसरे और तीसरे गेम में अपने प्रतिद्वंद्वी को कड़ी चुनौती दी। उन्होंने विश्व के नंबर 13 खिलाड़ी के खिलाफ अपने आक्रामक खेल का अच्छा प्रदर्शन किया और खेले गए मैच में कार्डेनास पर दबाव बनाया।

अंडर19 वर्ल्ड कप 2026 : सूर्यवंशी ने 67 गेंदों में 72 रन बनाए

14 साल की उम्र में वैभव के नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड बांग्लादेश के खिलाफ फिफ्टी ठोक रचा इतिहास

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के वैभव सूर्यवंशी ने 17 जनवरी को इतिहास रच दिया। वह 15 साल के होने से पहले अंडर19 वर्ल्ड कप में हाफ सेंचुरी बनाने वाले दुनिया के पहले क्रिकेटर बन गए हैं। बिहार के बाएं हाथ के बल्लेबाज सूर्यवंशी ने बांग्लादेश के खिलाफ अंडर19 वर्ल्ड कप 2026 के अपने दूसरे ग्रुप ए मैच में भारत के लिए फिफ्टी लगाई। उन्होंने 67 गेंदों में 72 रन बनाए। उन्होंने 14 साल और 296 दिन की उम्र में हाफ सेंचुरी लगाई।

सूर्यवंशी ने 30 गेंदों में लगाई फिफ्टी

वैभव को 30 गेंदों में अपने 50 रन पूरे किए। उन्होंने 13वें ओवर की छठी गेंद पर एक रन लेकर 50 रन का आंकड़ा छुआ। इस टूर्नामेंट में अमेरिका के खलिाफ भारत के पहले मैच में सूर्यवंशी बैटिंग से प्रभावित नहीं कर पाए थे। उन्होंने 108 रन के चेज में आयुष म्हात्रे के साथ पारी की शुरुआत की, लेकिन 4 गेंदों में सिर्फ 2 रन ही बना पाए। बारिश से प्रभावित इस मैच में सूर्यवंशी को रन चेज के तीसरे ओवर की दूसरी गेंद पर ऋत्विक अप्पिडी ने पवेलियन भेज दिया।

अंडर19 वर्ल्ड कप मैच खेलने वाले सबसे कम उम्र के क्रिकेटर

वैभव अंडर19 वर्ल्ड कप मैच खेलने वाले सबसे कम उम्र के क्रिकेटर (14 साल, 294 दिन) बनकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया। उन्होंने कनाडा के बैट्समैन नीतीश कुमार का रिकॉर्ड तोड़ा। नीतीश 15 साल और 245 दिन के थे, जब उन्होंने 15 जनवरी 2010 को क्राइस्टचर्च में जिम्बाब्वे के खिलाफ कनाडा के लिए अपना पहला अंडर19 वर्ल्ड कप मैच खेला था। यूएसए के खिलाफ मैच में वैभव ने एक विकेट भी लिया।

सूर्यवंशी ने कोहली को छोड़ा पीछे

भारत की तरफ से यूथ वनडे में वैभव सूर्यवंशी ने सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया है। कोहली ने अपने यूथ वनडे करियर में कुल 28 मुकाबलों की 25 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए 46.57 के बेहतरीन औसत के साथ कुल 978 रन बनाए थे। वहीं वैभव ने 20 पारियों में 50 से अधिक के औसत के साथ यूथ वनडे में अपने 1000 रनों का आंकड़ा पूरा कर लिया है। वह कोहली से भी आगे निकल गए हैं। वैभव भारत की तरफ से यूथ वनडे में सबसे कम पारियों में एक हजार रनों का आंकड़ा पूरा करने के मामले में तीसरे सबसे तेज भारतीय बने हैं, जिसमें उनसे तेज सिर्फ शुभमन गिल 13 पारियों में तो वहीं उनमुक्त चंद ने 17 पारियों में ये कारनामा किया था। वहीं यूथ वनडे में हजार रन पूरे करने वाले वैभव 7वें भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं।

नो हैंडशेक नीति पर चले म्हात्रे बांग्लदेशी कप्तान को किया अनदेखा

बुलावायो। भारत और बांग्लादेश के बीच तनावपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों का असर क्रिकेट के मैदान पर भी दिखा क्योंकि शनिवार को आईसीसी अंडर-19 विश्व कप ग्रुप ए मैच से पहले दोनों टीमों के कप्तानों ने परंपरा के अनुसार हाथ नहीं मिलाए। बारिश के कारण मैच देरी से शुरू होने के बाद भारत के कप्तान आयुष म्हात्रे और बांग्लादेश के उप कप्तान जवाद अबरार टॉस के लिए आए थे। लेकिन सिक्का उछालने से पहले या बाद में उन्होंने हाथ नहीं मिलाया। हालांकि दोनों टीमों ने अभी तक इस घटना के बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

एशिया कप से चल रही नीति

गौरतलब है कि पिछले साल एशिया कप से भारत और पाकिस्तान के बीच हाथ नहीं मिलाने की नीति चल रही है जो पहलगाम नरसंहार के बाद शुरू हुई थी। हाल के दिनों में भारत और बांग्लादेश के बीच राजनीतिक और क्रिकेट संबंध काफी खराब हुए हैं। हाल के दिनों में पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों पर कथित अत्याचार के विरोध में भारत के विभिन्न हिस्सों में बांग्लादेश विरोधी कई रैलियां आयोजित की गईं।

डब्ल्यूपीएल

यूपी वॉरियर्स ने 3 दिन में दूसरी बार मुंबई इंडियंस को हराया

लैनिंग और लिचफील्ड के अर्धशतक

एजेंसी ▶▶| नवी मुंबई

यूपी वॉरियर्स ने कप्तान मेग लैनिंग (70 रन) और फीबी लिचफील्ड (61) के अर्धशतकों और दूसरे विकेट के लिए 119 रन की साझेदारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से शनिवार को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) मैच में गत चैंपियन मुंबई इंडियंस को 22 रन से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। दोनों टीम तीन दिन में दूसरी बार आमने सामने हुईं। दोनों ही बार यूपी वॉरियर्स ने मुंबई इंडियंस को पराजित किया। लैनिंग की अगुआई वाली यूपी वॉरियर्स ने आठ विकेट पर 187 रन बनाए। इसके जवाब में मुंबई इंडियंस 20 ओवर में छह विकेट पर 165 रन ही बना सकी। मुंबई इंडियंस की आधी टीम 11वें ओवर में 69 रन के स्कोर पर पवेलियन लौट चुकी थी। इसके बाद अमेलिया केर (नाबाद 49 रन) और अमनजोत कौर (41 रन) ने मिलकर छठे विकेट के लिए 45 गेंद में 83 रन की भागीदारी की। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। यूपी वॉरियर्स ने पिछले मैच में मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराकर खाता खोला था।

दोनों टीमों के पांच मैच में चार-चार अंक

दोनों टीमों के पांच मैच में चार-चार अंक हैं। यूपी वॉरियर्स के लिए शिखा पांडे ने 30 रन देकर दो विकेट झटके जबकि क्रांति गौड़, दीप्ति शर्मा, सोफी एक्लेस्टोन और क्लो ट्रायोन को एक एक विकेट मिला। मुंबई इंडियंस के लिए कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 18 रन, नटाली साइवर ब्रंट ने 15, हैली मैथ्यूज ने 13 रन और सजीवन सजना ने 10 रन बनाए। इससे पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सलामी बल्लेबाज किरण नवगिरे लगातार पांचवें मैच में असफल रहीं और पहले ही ओवर में निकोला कैरी की गेंद पर बोल्ड हो गईं।

ऑकलैंड ओपन

मेनसिक ने किया तीखी सर्विस का शानदार नजारा पेश, जीता खिताब

एजेंसी ▶▶| ऑकलैंड

तीसरी वरीयता प्राप्त जैकब मेनसिक ने अपनी तीखी सर्विस का शानदार नजारा पेश करते हुए सेबेस्टियन बाएज को सीधे सेटों में हराकर ऑकलैंड ओपन एटीपी 250 टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता। विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान पर काबिज मेनसिक ने करने के लिए 18 ऐस लगाए। चेक गणराज्य के इस 20 वर्षीय खिलाड़ी ने दूसरे सेट के टाईब्रेक में तीन सेट प्वाइंट बचाकर अपना दूसरा एटीपी टूर खिताब जीता। अब वह ऑस्ट्रेलियाई ओपन में हिस्सा लेंगे, जहां पहले दौर में उनका मुकाबला स्पेन के पाब्लो कैरेनो बुस्टा से होगा।

पुणे ग्रैंड टूर में भारत उतारेगा सबसे बड़ा दल

पुणे। भारत सोमवार से शुरू हो रही बजाज पुणे ग्रैंड टूर पर पहली बार यूसीआई 2.2 'मल्टी स्टेज रोड रेस' की मेजबानी करेगा, जिससे देश के साइकिलिस्टों को ओलंपिक क्वालीफिकेशन के लिए अहम अंक मिलेंगे। भारत इस पांच-दिवसीय प्रतियोगिता में 12 चालकों का अपना अब तक का सबसे बड़ा दल उतारेगा (जिसे भारत की राष्ट्रीय टीम और भारतीय डेवलपमेंट टीम में बांटा गया है)। यह प्रतियोगिता 23 जनवरी तक चलेगी और लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों के लिए क्वालिफिकेशन की राह में यह एक महत्वपूर्ण कदम होगा। रेस की शुरुआत गुडलक चौक पर 7.5 किमी के प्रोलॉग से होगी, जो जनरल क्लासिफिकेशन में शुरुआती पोजिशन तय करेगा। इसके बाद पुणे और पश्चिमी घाट में चार चरण की मुश्किल परीक्षा होगी। 20 जनवरी को पहले चरण में 87.2 किमी मुलशी-मावल माइल्स और दूसरे चरण में 105.3 किमी मराठा हेरिटेज सर्किट रेस शामिल होगी। फिर 22 जनवरी को 'वेस्टर्न घाट गेटवे' चरण होगा और रेस का समापन 95 किमी पुणे प्राइड लूप से होगा।

एसए20 : एमआई केपटाउन ने सनराइजर्स को हराया, प्लेऑफ की उम्मीदें बरकरार

एजेंसी ▶▶| केपटाउन

मौजूदा चैंपियन एमआई केपटाउन ने सनराइजर्स ईस्टर्न केप को तीन विकेट से हराकर एसए20 क्रिकेट टूर्नामेंट के प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीद बरकरार रखी। सनराइजर्स (24 अंक), पार्ल रॉयल्स (24 अंक) और प्रिटोरिया कैपिटल्स (20 अंक) पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं। एमआई केपटाउन के 14 अंक हैं।

एमआई केपटाउन ने मैच में पहली गेंद से ही अपना दबदबा बना दिया था। ट्रेंट बोल्ट ने पारी की पहली ही गेंद पर शानदार फॉर्म में चल रहे क्विंटन डी कॉक को आउट कर दिया। सनराइजर्स इससे आखिर तक नहीं उबर पाया और उसकी टीम 9 विकेट पर 139 रन ही बना पाई।

यानसन ने खेली शानदार पारी

सनराइजर्स की तरफ से ऑलराउंडर मार्को यानसन ने 23 गेंदों में 42 रन बनाए, जिसमें चार छक्के और तीन चौके शामिल हैं। एमआई केपटाउन के लिए बोल्ट ने 28 रन देकर तीन और कॉर्बिन बॉश ने 34 रन देकर चार विकेट लिए। एमआई केपटाउन ने 19.2 ओवर में सात विकेट पर 140 रन बनाकर जीत हासिल की। यानसन ने गेंदबाजी में भी कमाल दिखाते हुए 23 रन देकर दो विकेट लिए लेकिन एमआई केपटाउन नियमित अंतराल में विकेट गंवाने के बावजूद लक्ष्य हासिल करने में सफल रहा।

एडिलेड इंटरनेशनल

18 साल की मीरा एंड्रीवा ने लगातार जीते 9 गेम, खिताब पर किया कब्जा

एजेंसी ▶▶| एडिलेड

तीसरी वरीयता प्राप्त मीरा एंड्रीवा ने शुरू में 0-3 से पिछड़ने के बावजूद शानदार वापसी करते हुए लगातार नौ गेम जीतकर एडिलेड इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में विक्टोरिया एमबोको को 6-3, 6-1 से हरा दिया। यह मुकाबला डब्ल्यूटीए टूर की रैंकिंग में शीर्ष 20 में शामिल लेकिन 20 वर्ष से कम उम्र की खिलाड़ियों के बीच था। एंड्रीवा 18 वर्ष और एमबोको 19 वर्ष की हैं। कनाडा की खिलाड़ी एमबोको ने पहले सेट में 3-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन इसके बाद एंड्रीवा ने उनकी एक नहीं चलने दी और आसानी से मैच अपने नाम करके अपना पांचवां डब्ल्यूटीए खिताब जीता।

फाइनल में 6-3, 7-6 (7) से जीत हासिल

आज दोपहर 1.30 बजे से तीसरे वनडे में भारत और न्यूजीलैंड का मुकाबला

घरेलू मैदान पर दबदबा कायम रखने उतरेगा भारत

एजेंसी ▶▶| इंदौर

अब तक घरेलू धरती पर वनडे में शानदार रिकार्ड रखने वाले भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला जीतने के लिए रविवार को होने वाले तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। न्यूजीलैंड की टीम की निगाह भी श्रृंखला जीतकर इतिहास रचने पर होगी। तीन मैचों की श्रृंखला अभी 1-1 से बराबर है। मार्च 2019 के बाद से भारत ने अपने घरेलू मैदान पर कोई द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला नहीं हारी है। तब ऑस्ट्रेलिया ने 0-2 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए श्रृंखला 3-2 से जीती थी लेकिन अब यह रिकॉर्ड दांव पर लगा है। न्यूजीलैंड के लिए भी यह मैच काफी महत्वपूर्ण है। उसकी टीम ने 1989 से द्विपक्षीय वनडे मैचों के लिए भारत का दौरा किया है, लेकिन यहां कभी भी श्रृंखला नहीं जीती है। इस इंतजार को खत्म करने का यह उसके पास संभवतः सबसे अच्छा अवसर है।

रोहित शर्मा पर सबकी नजरें टिकी रहेंगी

बल्लेबाज महत्वपूर्ण मौकों पर स्ट्राइक रोटेट नहीं कर पा रहे हैं। अब बड़े स्कोर वाले मैदान पर बीच के ओवर निर्णायक साबित हो सकते हैं। इस श्रृंखला में अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले रोहित शर्मा पर सबकी नजरें टिकी रहेंगी। शीर्ष क्रम पर उनका बेहद आक्रामक रवैया हालिया वनडे मैचों में भारत की रणनीति का

टीमें इस प्रकार : भारत : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, आयुष बडोनी, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड : माइकल ब्रैसवेल (कप्तान), डेवोन कॉनवे (विकेटकीपर), मिशेल हे (विकेटकीपर), निक केली, हेनरी निकोल्स, विल यंग, जोश क्लार्कसन, जैक फाउल्क्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, आदित्य अशोक, क्रिस्टियन क्लार्क, काइल जैमीसन, जेडन लेनोक्स, माइकल रे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
नागपुर मंडल में LC गेट्स की इंटरलॉकिंग के लिए ई-निविदा

वरिष्ठ मंडल S&T अभियंता, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उन की ओर से निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:
निविदा सूचना क्रमांक: STinterlocking-GJ08No दिनांक: 09.01.2026
कार्य का नाम: नागपुर मंडल में एसएंडटी सम्बंधित कार्य - TVU>10,000 वाले नॉन-इंटरलॉक LC गेट्स **GJ-8, GJ-9, GJ-10, GJ-19, GJ-21, GJ-30, GJ-31** व **GJ-67** की इंटरलॉकिंग व गेट सिग्नलिंग से इंटरलॉक।
निविदा मूल्य: ₹ 4,66,25,581/-
बिड सिक्युरिटी: ₹ 3,83,100/-
समापन अवधि: 12 (बारह) महीने।
निविदा प्रस्तुति: बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियां दिनांक **02.02.2026** के **15:00** बजे तक जमा कर सकेंगे। अन्य विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।
मंडल सिग्नल व दूरसंचार अभियंता, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर
FL/62-276
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

एक करोड़ चालीस से लगभग एक करोड़ साठ लाख रुपये की हुई राजस्व हानि - आरोप

शासकीय भूमि के क्रय-विक्रय पर एसडीएम पंकज मिश्रा सहित अन्य के खिलाफ लोकायुक्त में प्रकरण दर्ज...!

हरिभूमि, जबलपुर।

जबलपुर में शासकीय जमीनों के खुर्द बुर्द के मामले में अधारताल एसडीएम पंकज मिश्रा सहित अन्य को लोकायुक्त ने नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। दरअसल राजेश गर्ग पिता स्व. राजाराम गर्ग निवासी देवरी बहोरीपार थाना बरगी, ,द्वारा लोकायुक्त में शिकायत दर्ज कराई थी कि खसरा नंबर 748/1 प.ह.नं.4, ग्राम कछपुरा, तहसील आधारताल, जबलपुर आबादी नजूल शासकीय भूमि है। उक्त भूमि शासकीय है जिसका किसी भी प्रकार से कय-विक्रय नहीं किया जा सकता है या रजिस्ट्री कर स्वामित्व का हस्तांतरण नही किया जा सकता है, परन्तु उक्त भूमि पर क्रय-विक्रय एवं स्वामित्व हस्तांतरण एस.डी.एम. पंकज मिश्रा, अनुविभागीय अधिकारी के बाबू लखन, उप-रजिस्ट्रार लक्ष्मण शाह उइके कि मिलीभगत द्वारा क्रय-विक्रय किया जा रहा है। शिकायत के आधार पर लोकायुक्त ने एसडीएम पंकज मिश्रा सहित अन्य 19 लोगों को नोटिस जारी कर पूछताछ एवं कथन के लिए तलब किया है।

ये हैं आरोप

राजेश गर्ग ने आरोप लगाये हैं कि खसरा नंबर 748/1 प.ह.नं.4, ग्राम कछपुरा, तहसील आधारताल, जबलपुर आबादी नजूल शासकीय भूमि क्रेतागण नीति, कामिनी, वरुण, गौरव, विवेक पिता गिरजाशंकर अग्रवाल एवं विक्रेता प्रभा उपाध्याय, अमित उपाध्याय, कविता उपाध्याय, स्वाति गोटिया, बिजेन्द्र गोटिया, दीपाली गोंटिया, अजय तिवारी उर्फ अज्जू से लाभ प्राप्त कर शासकीय दस्तावेजों में छेड़छाड़ व एडिटिंग कर रजिस्ट्री कराई जा रही है और षड्यंत्र पूर्वक भविष्य में शासकीय भूमि को निजी भूमि में परिवर्तित करके जाली दस्तावेजों के आधार पर खसरे में नाम चढ़ाने की योजना है। यह कि एस.डी.एम. अधारताल द्वारा नगर निगम अतिक्रमण विभाग एवं भवन विभाग द्वारा की जा रही कार्यवाही पर भी रोक लगाई जा रही है जिसके कारण शासकीय भूमि पर हो रहे अतिक्रमण को हटाने में काफी तकलीफ का सामना करना पड़ रहा है।

शासकीय भूमि की अवैध रजिस्ट्रीकरण 64 लाख की राजस्व हानि

राजेश गर्ग ने बताया कि कि जबलपुर ख.नं. 748/1, प.ह.नं. 4 में हुए शासकीय जमीन का सौदा 1 करोड़ 60 लाख में कर आरोपियों द्वारा कपड़े के शोरूम अग्रवाल गारमेन्ट और अग्रवाल रेडीमेड बनाकर विगत 1 वर्ष से व्यवसाय किया जा रहा था जिसमें राजस्व की 64 करोड़ 14 हजार रुपये की हानि हुई है। उक्त बात पर लोकायुक्त को आवेदक राजेश गर्ग ने शिकायत दर्ज कराई थी जिसमें प्रथम दृष्टया मामला सही पाया गया और भोपाल लोकायुक्त महानिदेशक लोकायुक्त के निर्देश पर आरोपी गणों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया गया है।

8 दिसंबर जारी हुआ था नोटिस

कार्यालय पुलिस अधीक्षक विशेष स्थापना लोकायुक्त जबलपुर द्वारा एसडीएम पंकज मिश्रा सहित अन्य को 8 दिसंबर 2025 को नोटिस जारी किया गया था, जिसमें प्रकरण क्रमांक 406/ई/ 2025 के तहत पूछताछ एवं कथन लेख करने हेतु बुलाया गया था। उक्त नोटिस लोकायुक्त निरीक्षक उमा कुशवाह के हस्ताक्षर से जारी किए गए हैं। हालांकि इस मामले में लोकायुक्त निरीक्षक से करने के लिए संपर्क नहीं हो पाया।

स्वच्छता बनी प्राथमिकता: शहर की तंग गलियों में पैदल घूमे निगमायुक्त

जबलपुर। शहर को साफ स्वच्छ बनाने सफाई व्यवस्था पर विशेष फोकस किया जा रहा हैं। नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने शनिवार की सुबह 7 बजे शहर के कई वार्डो का दौरा किया। इस दौरान वे तंग गलियों में पैदल-पैदल घूमे। उन्होंने डीप क्लीनिंग एवं नाईट स्वीपिंग पर विशेष जोर दिया। निगमायुक्त ने निगम के अमले को प्रतिदिन वार्डों में पैदल भ्रमण कर सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने साठिया कुंआ, खटीक मोहल्ला, सराफा, बड़ा फुहारा, कमानिया, मछरहाई, श्रीनाथ की तलैया और अंधेरदेव जैसे प्रमुख व्यापारिक तथा तंग रिहायशी क्षेत्रों की गलियों में पहुंचकर साफ सफाई के हाल जाने। उन्होंने मुख्य मार्गों के साथ-साथ अंदरूनी गलियों की सफाई का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने स्वास्थ्य अमले को निर्देश दिए कि बाजार क्षेत्रों में दिन की भीड़भाड़ से बचने के लिए रात में नाइट स्वीपिंग अभियान नियमित रूप से चलाया जाए। इस दौरान उन्होंने गलियों के मोड़ों और कचरा संग्रहण केंद्रों पर कचरा जमा न होने देने की सख्त हिदायत भी दी। भ्रमण के दौरान निगमायुक्त श्री अहिरवार ने क्षेत्र के लोगों से साफ सफाई की स्थिति पर फीडबैक लिया। सुनरहाई क्षेत्र में एक व्यापारी को पॉलीथिन का उपयोग करते देख उन्होंने स्वयं समझाइश दी। उन्होंने क्षेत्र में स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता अभियान चलाने का भी लोगों से अनुरोध किया। निगमायुक्त के भ्रमण के दौरान अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान, अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, उपायुक्त संभव अयाची, कार्यपालन यंत्री शैलेन्द्र मिश्रा, स्वास्थ्य अधिकारी अंकिता बर्मन, संभागीय अधिकारी महेंद्र यूके, सहायक नोडल अधिकारी अभिनव मिश्रा, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी अनिल बारी, अर्जुन यादव, पोला राव, संभागीय उपयंत्री पवन सिंह ठाकुर, संदीप पांडे और मुख्य स्वच्छता निरीक्षक अतुल रैकवार व सौरभ त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाजपा महिला मोर्चा ने जलाया विधायक फूलसिंह बरैया का पुतला

जबलपुर। कांग्रेस विधायक फूलसिंह बरैया द्वारा महिलाओं को लेकर दिए गए आपत्तिजनक बयान के विरोध में भाजपा महिला मोर्चा जबलपुर महानगर ने मालवीय चौक पर उनका पुतला दहन कर इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन में भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अश्वनी परांजपे, नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज, महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष रूपा राव एवं ग्रामीण अध्यक्ष शालिका गर्ग उपस्थित रहीं। महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अश्वनी परांजपे ने कहा कि यह बयान पूरे नारी समाज का अपमान है। एससी-एसटी समाज की महिलाओं पर होने वाले अपराधों को इस तरह प्रस्तुत करना संविधान, कानून और मानवता का अपमान है। उन्होंने मांग की कि कांग्रेस पार्टी विधायक को निष्कासित करे और फूलसिंह बरैया इस्तीफा दें। भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने कहा कि यह बयान महिला-विरोधी, दलित-विरोधी और संविधान-विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। जब तक विधायक से सार्वजनिक माफी, कठोर कार्रवाई और निष्कासन नहीं होता, तब तक कांग्रेस को महिला सम्मान की बात करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। इस अवसर पर सुषमा जैन, डॉ. वाणी अहलुवलिया, रीना राय, प्रीति बाजपेई, अर्चना अग्रवाल, मधुबाला राजपूत, लवलीन आनंद, सोनिया रंजीत सिंह, प्रतिभा भापकर, कविता रैकवार, पूनम प्रसाद, दीपमाला सोनकर, दीपमाला केसरवानी सहित बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

सड़क दुर्घटनाओं में 2 मौतें, 3 घायल, कुण्डम और सिहोरा में हादसे

जबलपुर। कुण्डम और सिहोरा में सड़क दुर्घटना के दो मामलें प्रकाश में आए हैं। इस दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई वहीं तीन लोग घायल हो गए। कुण्डम थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सातावेली निवासी 20 वर्षीय बलराम झारिया का शनिवार की सुबह निवास रोड मुक्तिधाम के पास एक्सीडेंट होने पर बड़े भाई आशीष झारिया द्वारा कुण्डम अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टर ने चैक कर बलराम झारिया को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। इसी तरह सिहोरा उलदाना ब्रिज के पास एनएच 30 रोड पर अर्टिका कार क्रमांक यूपी 22 ए वी 8558 के चालक 37 वर्षीय स्वामी मोहम्मद आजम ने तेज रफ्तार से चलाते हुए रोड किनारे लगे बोर्ड में टक्कर मार दी, जिसमें सवार चंदापुरा सीकमपुर मिलक थाना टांडा जिला रामपुर उत्तर प्रदेश निवासी 24 वर्षीय अरबाज, 25 वर्षीय सलमान अली, 28 वर्षीय जमशेद आलम को चोटे आ गई। वहीं गंभीर रुप से घायल सलमान को शासकीय अस्पताल सिहोरा ले गये जहॉ डाक्टर ने चैक कर सलमान अली को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपी कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 281, 106(1) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

पेट्रोल टैंकर ने बाईक सवार को रौंदा, मौत

पाईप लाईन बिछाने का काम बना जानलेवा

जबलपुर। रांझी थानांतर्गत पहलवान बाबा मंदिर के समीप बीती रात तेज रफ्तार पेट्रोल टैंकर ने बाइक सवार युवक को बुरी तरह रौंद दिया, इस हादसे में युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई, बताया गया है कि यहां अमृत परियोजना फेस टू के तहत पाईप लाईन बिछाए जाने से एक ही साईट पर ही वाहनों का आना जाना लगा रहता है, जिससे दुर्घटनाएं हो रही है। इस दुर्घटनाओं के बाद नगर निगम की लापरवाही भी सामने आई है। पाईप लाईन बिछाने के दौरान ठेकेदार द्वारा मार्ग संकेतक और वन-वे ट्रेफिक के बोर्ड नहीं लगाए गए। रांझी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गांधीग्राम रांझी निवासी अखिलेश उर्फ रिंकू चौरसिया काम करने के बाद अपने घर लौट रहा था देर रात गोकलपुर की तरफ जा रहे पेट्रोल टैंकर ने उसकी बाईक में टक्कर मार दी और रौंदते हुए आगे निकल गया। पुलिस ने वाहन को जब्त कर चालक को हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया, टेंकर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपी टेंकर चालक के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 106(1) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

मृतक का जीवित अवस्था का चित्र

आयरन-स्टील व सीमेंट कारोबारी स्टेट जीएसटी के शिकंजे में

कार्रवाई : दूसरे दिन भी जारी रही छापेमारी

जबलपुर। जिले में आयरन-स्टील और सीमेंट के कारोबार से जुड़ी फर्मों पर स्टेट जीएसटी विभाग की सख्त कार्रवाई दूसरे दिन शनिवार को भी जारी रही। रद्दी चौकी, महाराजपुर और बरेला क्षेत्र में संचालित तीन प्रमुख फर्मों पर एक साथ की गई छापेमारी में जीएसटी चोरी, गड़बड़झाला और हेराफेरी के गंभीर संकेत मिले हैं। स्टेट जीएसटी अधिकारियों ने छापेमारी के दौरान फर्मों में मौजूद माल का स्टॉक मिलान किया और क्रय-विक्रय, बिलिंग, लेन-देन व रिटर्न से जुड़े दस्तावेजों की बारीकी से जांच की। प्रारंभिक जांच में दस्तावेजों और वास्तविक स्टॉक में भारी अंतर पाया गया है, जिससे बड़े पैमाने पर जीएसटी चोरी की आशंका गहराई है।

डिप्टी कमिश्नर राघवेंद्र सिंह ने बताया कि स्टेट जीएसटी जबलपुर संभाग-1 के संयुक्त आयुक्त आर.एम. साहू के नेतृत्व में गठित अलग-अलग टीमों ने एक साथ रद्दी चौकी स्थित अनिल ट्रेडिंग कंपनी, महाराजपुर स्थित बीएमडब्ल्यू प्राइवेट लिमिटेड और बरेला स्थित दादा ट्रेडिंग कंपनी पर छापेमारी की। तीनों स्थानों पर टीमों ने पूरे दिन और देर रात तक दस्तावेजों व स्टॉक की जांच की।

शोहदे से तंग नाबालिग छात्रा ने की आत्महत्या

आक्रोश : पुलिस पर लापरवाही का आरोप, किया घरना-प्रदर्शन

जबलपुर। जब रक्षक ही अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लें, तो भक्षकों के हौसले बुलंद होना तय है। बरेला थाना क्षेत्र से सामने आया एक दर्दनाक मामला इसी कड़वी सच्चाई को उजागर करता है। गाड़रखेड़ा निवासी एक शोहदे की लगातार प्रताड़ना और जबरन शादी के दबाव से टूटकर पीएम कन्या श्री स्कूल में पढ़ने वाली 9वीं कक्षा की नाबालिग छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस हृदयविदारक घटना ने न सिर्फ एक परिवार का सहारा छीन लिया, बल्कि पूरे इलाके को स्तब्ध और आक्रोशित कर दिया है। मृतिका के परिजनों ने रोते-बिलखते हुए बताया कि आरोपी प्रिंस पटेल पिछले कई महीनों से उनकी बेटी का लगातार पीछा कर रहा था। स्कूल आते-जाते समय छेड़छाड़ करना, रास्ता रोकना और शादी के लिए दबाव बनाना उसकी रोजमर्रा की आदत बन चुकी थी। मासूम छात्रा इस मानसिक प्रताड़ना से इस कदर भयभीत हो चुकी थी कि उसने घर से बाहर निकलना तक कम कर दिया था। परिजनों का कहना है कि बेटी भीतर ही भीतर घुट रही थी, लेकिन समाज और भय के कारण खुलकर कुछ कह नहीं पा रही थी।

फूटा लोगों का गुस्सा

घटना के बाद आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने बरेला थाने का घेराव कर जमकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यह सिर्फ आत्महत्या नहीं, बल्कि व्यवस्था की विफलता से हुई मौत है। थाने के बाहर मृत छात्रा के परिजनों का विलाप देखकर मौजूद हर व्यक्ति की आंखें नम हो गईं। लोगों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया और दोषी पर सख्त कार्रवाई और लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ भी कदम उठाने की मांग की। स्थिति बिगड़ते देख वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाइश दी। पुलिस अधिकारियों ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करने और जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। इसके बाद कहीं जाकर स्थिति पर काबू पाया जा सका, हालांकि ग्रामीणों का आक्रोश पूरी तरह शांत नहीं हुआ। वहीं दूसरी ओर एक अन्य छात्रा अंकिता बर्मन पिता रंजीत बर्मन निवासी बरेला उम्र 16 वर्ष ने भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। अंकिता बर्मन भी पीएम श्री कन्या शाला की कक्षा दसवीं की छात्रा थी। एक ही स्कूल की दो नाबालिग लड़कियां थी।

पुलिस को दी थी सूचना

परिजनों का आरोप है कि उन्होंने इस संबंध में पहले भी बरेला पुलिस को मौखिक रूप से जानकारी दी थी, लेकिन पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया। परिवार का कहना है कि यदि समय रहते पुलिस ने आरोपी के खिलाफ ठोस कदम उठाए होते, तो शायद आज उनकी बेटी जिंदा होती। पुलिस की कथित उदासीनता ने आरोपी के हौसले और बढ़ा दिए, जिसका नतीजा यह भयावह कदम बना।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेद्वी RNI No. : MPHIN/2008/24240